रजिस्ट्री सं. डी. (डी.एन.)-73

REGISTERED NO. D. (D. N.)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 27, 1985/श्रावण 5, 1907

No. 30] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1985/SRAVANA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

सूचना

का.आ. 3450—नोटरीज के नियम, 1956 नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कुमारी मुजामिल सिद्दकी, एडवोकेट, 4856, गली दर्जियां, बाड़ा हिन्दु राव, दिल्ली ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया जाता है कि उसे दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(22)/85-न्या.]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 10th July, 1985

NOTICE

S.O. 3450.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under the 4 of the said Rules, by Miss. Muzammil Siddiqui, Advocate, 4856, Gali Darian, Bara Hindu Rao, Delhi for appointment as a Notary to practse in Union Territory of Delhi

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(22)|85-Judl.]

का.आ. 3451.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम [illegible] जाती है कि श्रीमति जयश्री [illegible] एडवोकेट, [illegible] 23, [illegible] नगर, [illegible] 100 ने उक्त [illegible] को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन [illegible] इस बात के लिए दिया जाता है कि उसे पूरे भारतवर्ष में नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति के, नोटर के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(17)/85—न्या]

एस० गुप्तु सक्षम प्राधिकारी

S.O. 3451.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Smt. Jayashree V. Mohite, Advocate, 'Tarangan', 23, Bhosale Nagar, Pune-41007 for appointment as a Notary to practise in whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(17)/85-Judl.]

S. GOOPTU, Competent Authority

कार्मिक और प्रशिक्षण प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1985

का. आ. 3452.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (अधीनस्थ पंक्ति) अनुशासन और अपील) नियम, 1961 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (अधीनस्थ पंक्ति) अनुशासन और अपील संशोधन, नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवत्त होंगे।

2. दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन (अधीनस्थ पंक्ति) (अनुशासन और अपील) नियम, 1961 में ,अनुसूची के अंत में टिप्पण (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :

"दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के मुख्यालय से सम्बद्ध अधीनस्थ पुलिस अधिकारी की बाबत पुलिस अधीक्षक की शक्तियों का प्रयोग पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पुलिस सहायक महानिदेशक यथा उपरोक्त रूप से करेगा।"

[सं० 240/1/84-ए.वी.डी. II]

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 9th July, 1985

S.O. 3452.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Delhi Special Police Establishment (Subordinate Ranks) (Discipline and Appeal) Rules, 1961, namely :—

(1) These rules may be called the Delhi Special Police Establishment (Subordinate Ranks) (Discipline and Appeal) Rules, 1961 (Amendment), 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Special Police Establishment (Subordinate Ranks) (Discipline and Appeal) Ruls, 1961, in the end of the Schedule, for Note (1), the following shall be substituted, namely :—

"Note (1) In respect of Subordinate Police Officer attached to Head Quarters of the Delhi Special Police Establishment, the Superintendent of Police (Headquarters)/Assistant Inspector General of Police will exercise the powers of the Superintendent of Police as noted above".

[No. 240/1/84-AVD.II]

आदेश

का. आ. 3453.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंधित राज्यों की सरकारों की सहमति से, विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 (1976 का 49) की धारा 22, 23 और 25 के अधीन दण्डनीय अपराधों के और उक्त अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के तथा उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण असम, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और नागालैंड राज्यों पर करती है।

[सं. 228/1/82 ए.वी.डी. (II)]

ORDER

S.O. 3453.—In exercise of the powers onferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of the respective States hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the States of Assam, Bihar, Maharashtra, Madhya Pradesh and Nagaland for the investigation of the offences punishable under section 22, 23 and 25 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with, the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/1/82-AVD.II]

आदेश

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का. आ. 3454.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंधित राज्यों की सरकारों की सहमति से, यानहरण निवारण अधिनियम, 1982 (1982 का 65) की धारा 4 और 5 के अधीन दण्डनीय अपराधों के और उक्त अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के तथा वैसे ही तथ्यों से उत्पन्न वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण आन्ध्र प्रदेश, असम बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल राज्यों पर करती है।

[सं. 228/4/83-ए.वी.डी. (II)]

एम. एस. प्रसाद, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the12th July, 1985

S.O. 3454.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946) the Central Government with the consent of the Governments of the respective States hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the States of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Madhya Pradesh, Kerala, Tamil Nadu, Maharashtra Karnataka, Orissa, Punjab, Uttar Pradesh, Jammu and Kashmir, Haryana, Himachal Pradesh, Manipur, Tripura, Meghalaya, Sikkim and West Bengal for investigation of offences punishtaka, Orissa, Punjab, Uttar Pradesh, Jammu and Kashmir, (65 of 1982) and attempts abetments and conspiracles in relation to or in connection with the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/4/83-AVD. II]
M. S. PRASAD, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1985

प्रधान कार्यालय संस्थापन

का.आ. 3455:—केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का संख्यांक 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारतीय राजस्व सेवा (सीमाशुल्क, तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के अधिकारी श्री एम. एल. वधावन को, जो पिछले तीनों राजस्व आसूचना निदेशालय, नई दिल्ली में महानिदेशक के रूप में तैनात थे, 29 जून, 1985 पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है।

[ए-19011/4/85-प्रशा. 1]
जे. एम. ट्रेहन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st July, 1985

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

S.O. 3455.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri M. L. Wadhawan, an Officer of the Indian Revenue Service (Customs & Central Excise), and formerly posted as Director General, Directorate of Revenue Intelligence, New Delhi, as Member of the Central Board of Excise & Customs with effect from the forenoon of the 28th June, 1985 and until further orders.

[F. No. A-19011/4/85-Ad. I]
J. M. TREHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

का.आ० 3456:—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाशुल्क बोर्ड के सम्बद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिसके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, औरंगाबाद

(क) औरंगाबाद मुख्यालय
(ख) औरंगाबाद मंडल
(ग) अहमदनगर मंडल
(घ) जलगांव मंडल
(ङ) नांदेड मंडल
(च) नासिक मंडल
(छ) सोलापुर मंडल

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, बम्बई–1

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, एफ–1 बम्बई
(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, एफ–2 बम्बई
(ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मण्डल, जी–1 बम्बई
(घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, जी–2 बम्बई
(ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, एच–– बम्बई
(च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, के–1 बम्बई
(छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, के–2 बम्बई

3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, बम्बई–2

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 3 बम्बई
(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 6 बम्बई
(ग) सीमा शुल्क मंडल (निवारक) बसई

4. सीमा शुल्क कलक्टरी, बम्बई

5. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, थाणे

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कार्यालय, थाणे
(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 1 थाणे
(ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 2 थाणे
(घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 3 थाणे
(ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 4 थाणे
(च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 1 कल्याण
(छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 2 कल्याण
(ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, 3 कल्याण

6. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, कोचीन

(क) मुख्यालय कोचीन
(ख) केन्द्रीय उपाद शुल्क मंडल, इरनाकुलम–1
(ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, इरनाकुलम –2
(घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, कण्णूर
(ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, कोजीकोडे
(च) एस.एट. पी. यूनिट कोजीकोडे
(छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, त्रिशुर
(ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, त्रिवेंद्रम

7. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, हैदराबाद

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, निजामाबाद

8. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, नागपुर

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल, चंद्रपुर

9. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी, वडोदरा

(क) मुख्यालय वडोदरा

(ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल–1 वडोदरा

(ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल –2 वडोदरा

(घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल–3 वडोदरा

(ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल–4 वडोदरा

(च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल–5 वडोदरा

(छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल–1 सूरत

(ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क –2 सूरत

(झ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल– बलसाड़

(ञ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल –3 सूरत

10. निवारक संकार्य निदेशालय (सी. शु. एवं के. उ. शु.), नई दिल्ली ।

11. प्रकशन निदेशालय (सी.शु. एवं के.उ. शु.), नई दिल्ली

12. प्रशिक्षण निदेशालय (सी.शु. एवं के. उ.शु.),

(क) स्टाफ, कालेज

(ख) क्षेत्रीय प्रशिक्षण, संस्थान, नई दिल्ली

(ग) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बम्बई

[अं. 1/85–प्रशासन/फा.सं०ई–11017/43/83–प्रशा. 4क]

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3456.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Central Board of Excise and Customs, the staff whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

I. Collectorate of Central Excise, Aurangabad

(a) Headquarters, Aurangabad

(b) Division, Aurangabad

(c) Division, Ahmed Nagar

(d) Division, Jalgaon

(e) Division, Nandad

(f) Division, Nasik

(g) Division, Solapur

II. Collectorate of Central Excise, Bombay-I

(a) Central Excise Division, F-I Bombay

(b) Central Excise Division, F-II Bombay

(c) Central Excise Division, G-I Bombay

(d) Central Excise Division, G-II Bombay

(e) Central Excise Division, H Bombay

(f) Central Excise Division, K-I Bombay

(g) Central Excise Division, K-II Bombay

III. Collectorate of Central Excise, Bombay-II

(a) Central Excise Division, III Bombay

(b) Central Excise Division, VI Bombay

(c) Customs Division (Preventive) Basai

IV. Collectorate of Customs, Bombay

V. Collectorate of Central Excise, Thane

(a) Headquarters, Central Excise, Thane

(b) Central Excise Division, I Thane

(c) Central Excise Division, II Thane

(d) Central Excise Division, III Thane

(e) Central Excise Division, IV Thane

(f) Central Excise Division, I Kalyan

(g) Central Excise Division, II Kalyan

(h) Central Excise Division, III Kalyan

VI. Collectorate of Central Excise, Cochin

(a) Headquarters, Cochin

(b) Central Excise Division, I Ernakulam

(c) Central Excise Division, II Ernakulam

(d) Central Excise Division, Cannanore

(e) Central Excise Division, Kozhikode

(f) S.H.P. Unit, Kozhikode

(g) Central Excise Division, Trichur

(h) Central Excise Division, Trivandrum

VII. Collectorate of Central Excise, Hyderabad

(a) Central Excise Division, Nizamabad

VIII. Collectorate of Central Excise, Nagpur

(a) Central Excise Division, Chandrapur

IX. Collectorate of Central Excise & Customs, Vadodara

(a) Headquarters, Vadodara

(b) Central Excise Division, I Vadodara

(c) Central Excise Division, II Vadodara

(d) Central Excise Division, III Vadodara

(e) Central Excise Division, IV Vadodara

(f) Central Excise Division, V Vadodara

(g) Central Excise Division, I Surat

(h) Central Excise Division, II Surat

(i) Central Excise Division, III Surat

(j) Central Excise Division, Bulsar

X. Directorate of Preventive Operations, (C.&C.E.), New Delhi.

XI. Directorate of Publications, (C. & C.E.), New Delhi.

XII. Directorate of Training, (C. & C.E.), New Delhi.

(a) Staff College

(b) Regional Training Institute, New Delhi

(c) Regional Training Institute, Bombay

[No. 1/85-Admn./F. No. E-11017/43/83-Ad. IV. A]

नई दिल्ली, 15 जून, 1985

का.नि.आ. 3457.—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965, के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना का. नि.आ. सं. 612, तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :—

(i) भाग II-साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" में,—

(क) "केन्द्रीय उत्पाद शुल्क" शीर्षक के अन्तर्गत "अननुसचिवीय" उपशीर्षक के नीचे "रसायन सहायक प्रयोगशाला परिचर" के पद से संबंधित स्तम्भ 1 से 5 के अन्तर्गत आने वाली विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
रसायन सहायक	मुख्य रसायनज्ञ	मुख्य रसायनज्ञ	सभी	मुख्य सतर्कता अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड
		(i) उप मुख्य रसायनज्ञ	(i) से (iv)	मुख्य रसायनज्ञ केन्द्रीय राजस्व
		(ii) जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक रसायन परीक्षक		
		(iii) जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ/रसायन-परीक्षक नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक सहायक रसायन परीक्षक ।		
प्रयोगशाला परिचर	उपमुख	रसायनज्ञ उप मुख्य रसायनज्ञ	सभी सभी	मुख्य रसायनज्ञ
	जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक रसायन परीक्षक।	रसायन परीक्षक	सभी	मुख्य रसायनज्ञ
	जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ/रसायन परीक्षक, रसायन नहीं है वहां प्रयोग-शाला परीक्षक का भारसाधक सहायक रसायन परीक्षक	सहायक रसायन परीक्षक	सभी	मुख्य रसायनज्ञ

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रक
प्रयोगशाला, नई दिल्ली

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सभी पद	मुख्य रसायनज्ञ	मुख्य रसायनज्ञ	सभी	मुख्य सतर्कता अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड
		उप मुख्य रसायनज्ञ	(i) से (iv)	मुख्य रसायनज्ञ";

(ख) "सीमाशुल्क विभाग" शीर्षक के अन्तर्गत "अननुसचिवीय" उपशीर्षक के नीचे "रसायन सहायक/प्रयोगशाला परिचर" के पद से संबंधित स्तम्भ 1 से 5 के अंतर्गत आने वाली विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"रसायन सहायक	उप मुख्य रसायनज्ञ	मुख्य रसायनज्ञ	सभी	मुख्य सतर्कता अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड
		(i) उपमुख्य रसायनज्ञ	(i) से (iv)	मुख्य रसायनज्ञ
		(ii) जहां कोई उपमुख्य रसायनज्ञ नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक रसायन निरीक्षक		
		(iii) जहां कोई उपमुख्य रसायनज्ञ/रसायन परीक्षक नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक सहायक रसायन परीक्षक ।	(i) से (iv)	मुख्य रसायनज्ञ
प्रयोगशाला परिचर	उप मुख्य रसायनज्ञ जहां कोई उप-मुख्य रसायनज्ञ नहीं है, वहां प्रयोगशाला का भारसाधक रसायन परीक्षक	उप मुख्य रसायनज्ञ रसायन परीक्षक	सभी सभी	मुख्य रसायनज्ञ मुख्य रसायनज्ञ
	जहां कोई उप मुख्य रसायनज्ञ/रसायन परीक्षक नहीं है वहां प्रयोगशाला का भारसाधक सहायक रसायन परीक्षक	सहायक रसायन परीक्षक	सभी	मुख्य रसायनज्ञ";

(2) भाग III साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" में, "केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला" शीर्षक के अंतर्गत स्तम्भ 1 से 5 के अन्तर्गत आने वाली विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"सभी पद	उप मुख्य रसायनज्ञ	उप मुख्य रसायनज्ञ प्रशासनिक अधिकारी	सभी (i) से (iv)	मुख्य रसायनज्ञ मुख्य रसायनज्ञ,

[फा. सं. सी. 11016/10/83-प्रशा. 5]

रामफल, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 1985

S.R.O.3457.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby mahes the following further amendmets in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) S.R.O. No. 612, dated the 28th February, 1957, namely:—

In the Schedule to the said notification,—

(1) in part II-General Central Service Group 'C',—

(a) under the heading "Central Excise Department", under the sub-heading "Non-Ministerial", for the existing entries relating to the post of "Chemical Assistant/Laboratory Attender" occurring under columns 1 to 5, the following entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5
'Chemical Assistant	Chief Chemist	Chief Chemist	All	Chief Vigilance Officer, Central Board of Excise and Customs.
		(i) Deputy Chief Chemist (ii) Where there is no Deputy Chief Chemist, Chemical Examiner incharge of the Laboratory. (iii) Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner incharge of the Laboratory.	(i) to (iv)	Chief Chemist Central Revenues
Laboratory Attender	Deputy Chief Chemist	Deputy Chief Chemist	All	Chief Chemist
	Where there is no Deputy Chief Chemist, Chemical Examiner in charge of the Laboratory.	Chemical Examiner	All	Chief Chemist
	Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner in-charge of the Laboratory	Assistant Chemical Examiner.	All	Chief Chemist
Central Revenue Control Laboratory New Delhi.				
All Posts	Chief Chemist	Chief Chemist	All	Chief Vigilance Officer, Central Board of Excise and Customs.
		Deputy Chief Chemist	(i) to (iv)	Chief Chemist";

(b) under the heading "Customs Department", under the sub-heading "Non-Ministerial", for the existing entries relating to the post of 'Chemical Assistant/Laboratory Attender", occurring under columns 1 to 5, the following entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5
"Chemical Assistant	Chief Chemist	Chief Chemist	All	Chief Vigilance Officer, Central Board of Excise and Customs.
		(i) Deputy Chief Chemist	(i) to (iv)	Chief Chemist
		(ii) Where there is no Deputy Chief Chemist, Chemical Examiner in charge of the Laboratory		
		(iii) Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner incharge of the Laboratory.	(i) to (iv)	Chief Chemist
Laboratory Attender	Deputy Chief Chemist	Deputy Chief Chemist.	All	Chief Chemist
	Where there is no Deputy Chief Chemist, Chemical Examiner incharge of the Laboratory.	Chemical Examiner	All	Chief Chemist.
	Where there is no Deputy Chief Chemist/Chemical Examiner, Assistant Chemical Examiner incharge of the Laboratory	Assistant Chemical Examiner	All	Chief Chemist":

(2) in Part III— General Central Service Group 'D', under the heading "Central Revenues Control Laboratory", for the existing entries occurring under columns 1 to 5, the following entries shall be substituted, namely:—

"All Posts	Deputy Chief Chemist	Deputy Chief Chemist	All	Chief Chemist
		Administrative Officer	(i) to (iv)	Chief Chemist",

[F. No. C-11016/10/83 Ad. V]

RAM PHAL, Under Secy.

Note: THE FOLLOWING NOTIFICATIONS HAVE BEEN ISSUED AMENDING S.R.O. 612 DATED 28-2-57

	S.No.	DATE
1.	S.R.O. 1462	26-7-1958
2.	S.O. 1802	6-9-1958
3.	S.O. 105	1-1-1964
4.	S.O. 3368	19-9-1964
5.	S.O. 764	12-3-1966
6.	S.O. 705	4-3-1967
7.	S.O. 704	4-3-1967
8.	S.R.O. 662	19-1-1972
9.	S.R.O. 2594	17-6-1972
10.	S.R.O. 2797	25-8-1977
11.	S R O 93	8-1-1982
12.	S.R.O. 2043	7-5-1983

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून, 1985

का. आ. 3458—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खंड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग को दिनांक 4-6-83 की अधिसूचना सं. 5265 (फा. सं. 398/20/83—आ० क०(ब) का अधिलंघन करते हुए, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 15-10-1984 से कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए, केन्द्रीय सरकार का कार्योत्तर अनुमोदन एतद्द्वारा श्री बी.सी. दास को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, सूचित किया जाता है।

[सं. 6265 (फ. सं. 398/6/85 आ. क. (ब)]

बा. नागराजन, उप सचिव

New Delhi, the 13th June, 1985

SO. 3458.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of Government of India in the Department of Revenue No. 5265 [F. No. 398|20|83-IT(B)] dated 4-6-83, ex-post-facto authorisation of the Central Government is hereby conveyed to Shri B. C. Das being a Gazetted Officer of Central Government to exercise of the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act from 15-10-84.

[No. 6265|F. No. 398|6|85-IT(B)]

B. NAGARAJAN, Dy. Secy.

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1985

का. आ. 3459.—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) की धारा (ख) और नियम 24 के उप-नियम (1) के साथ पठित नियम 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के दिनांक 28 फरवरी, 1957 के संख्या सा. नि. आ. 627 के आदेश में और आगे निम्नलिखित संशोधन करते है, यथा उल्लिखित आदेश की अनुसूची में,

(क) भाग II में,

(1) कालम 1 में क्रम संख्या (i) के सामने की गई प्रविष्टि "कनिष्ठ पर्यवेक्षक" शब्दों के स्थान पर "उप तकनीकी अधिकारी" को प्रतिस्थापित किया जाएगा ;

(2) कालम 3 में, क्रम संख्या (ii) के पदों के सामने "कार्य प्रबंधक" शब्दों के पश्चात्/"मुख्य रसायनज्ञ/मुख्य अभियन्ता" शब्दों को जोड़ा जाएगा ; और

(ख) भाग ii में,

कालम संख्या 3 में क्रम संख्या (ii) के पदों के सामने, "मुख्य रसायनज्ञ" शब्दों के पश्चात् "/मुख्य अभियंता" शब्दों को जोड़ा जोड़ा जाएगा।

[फ.स. 4 (55)/84-बी. एन० पी.]

सी. जी. पथरोज, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 20th April, 1985

S.O. 3459.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rule, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. SRO 627, dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said Order,—(a) in Part II,—

(i) in the entries against serial No. (i), in column 1, for the words "Junior Supervisor", the words "Deputy Technical Officer" shall be substituted;

(ii) in column 3, against the posts at serial No. (ii) after the words "Works Manager", the words "/Chief Chemist/Chief Engineer" shall be inserted; and

(b) in Part III,—

in column No. 3, against the posts at serial No. (ii), after the words "Chief Chemist", the words "/Chief Engineer" shall be inserted.

[F. No. 4(55)|84-BNP]

C. G. PATHROSE, Under Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1985

का०आ० 3460—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (1) और (2) के के उपबंध जम्मू और कश्मीर बैंक लिमिटेड जम्मू पर 6 जून, 1985 से 5 सितम्बर, 1985 तक की तीन महीने की अवधि के वास्ते, अथवा जब तक इस बैंक के लिये नियमित पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो जाती इनमें से जो भी पहले हो लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/4/85-बी०ओ०-III]

(Banking Division)

New Delhi, the 5th July, 1985

S.O. 3460.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 10-B of the said Act, shall not apply to the Jammu and Kashmir Bank Limited, Jammu for a period of 3 months from 6th June, 1985 to 5th September, 1985 or till the appointment of a regular whole-time Chairman for that Bank, whichever is earlier.

[No. 15|4|85-B.O.III]

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1985

का.आ. 3461.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतदद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध 10 अप्रैल, 1986 तक की अवधि के लिए यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया कलकत्ता पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इनका संबंध यूनाइटेड इंडस्ट्रियल बैंक लिमिटेड, कलकत्ता, में इसके शेयरों की धारिता से है।

[सं. 15/6/84—बी. ओ.—III]

एम. के. एम. कुट्टि, अवर सचिव,

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O. 3461.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section 2 of section 19 of the said Act shall not apply to the United Bank of India, Calcutta, for a period upto the 10th April, 1986 in respect of its holding of the shares in the United Industrial Bank Ltd., Calcutta.

[No. 15|6|84-B.O.-III]

M. K. M. KUTTY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1985

का.आ. 3462.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री बी. रत्नाकर को 30 जून, 1985 से आरम्भ होने वाली और 29 जून, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है ।

[स. एफ. 9/39/85-बी. ओ. I (1)]

एस. एस. हसूरकर, निदेशक,

New Delhi, the 12th July, 1985

S.O. 3462.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri B. Ratnakar as the Managing Director of Canara Bank for a period commencing on June 30, 1985 and ending with June 29, 1988.

[No. F. 9|39|85-BO.I(1)]

S. S. HASURKAR, Director

योजना मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई, 1985

का. आ. 3463.—भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम (सं० 57) 1959 के खंड 8, उपखंड (1) के अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों की एक समिति का गठन करती है :—

1. श्री जी०सी० बावेजा, अध्यक्ष
   भा०प्रा० से० (सेवानिवृत्त)
   अध्यक्ष, गुजरात सिविल सेवा अधिकरण,
   के-9 सैक्रेटरीज बंगलो,
   सैक्टर-19, गांधीनगर,
   गुजरात ।
2. प्रो०ए०आर० राय, सदस्य
   109/19, हजरा रोड,
   कलकत्ता-26 ।
3. डा०जे०के० घोष सदस्य
   भारतीय सांख्यिकीय संस्थान,
   कलकत्ता ।
4. संयुक्त सचिव, सदस्य
   वित्त मंत्रालय तथा सांख्यिकी विभाग
   के वित्तीय सलाहकार,
   नई दिल्ली ।
5. महानिदेशक, सदस्य
   केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन एवं पदेन अपर
   सचिव, सांख्यिकी विभाग,
   नई दिल्ली ।
6. उप सचिव, सदस्य-सचिव
   सांख्यिकी विभाग,
   नई दिल्ली ।

और उक्त समिति के लिये निम्नलिखित कार्य निर्धारित करती है, अर्थात :—

(1) सम्मत कार्यक्रम तथा 1985-86 के वित्तीय अनुमानों (जैसी कि सरकार द्वारा भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता को सहायता-अनुदान देने के लिये 1985-86 के बजट अनुमानों में व्यवस्था की गई है) की समीक्षा करना और संशोधित अनुमान 1985-86 में व्यवस्था करने के लिये राशि के संबंध में सिफारिशें करना ; और

(2) वर्ष 1986-87 के दौरान भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता द्वारा किये जाने वाले कार्य का कार्यक्रम दर्शाते हुए विवरण तैयार करना और केन्द्र सरकार को प्रस्तुत करना ।

समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को 31 अक्तूबर, 1985 तक प्रस्तुत कर देगी ।

सांख्यिकी विभाग, समिति की सचिवालय सेवा प्रदान करेगा । समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

[सं० एस०-12011/2/85-समन्वय]

जोगेन्द्र सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF PLANNING
(Department of Statistics)

New Delhi, the 9th July, 1985

S.O. 3463.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 8 of the Indian Statistical Instiute Act (No. 57) of 1959, The Central Government hereby constitutes a Committee consisting of :—

1. Sh. G. C. Baveja, I.A.S. (Retd.)
   President Gujarat Civil Services
   Tribunal, K-9,
   Secretaries Bungalows, Sector-19,
   Gandhi Nagar, Gujarat. Chairman
2. Prof. A. R. Roy,
   109|19, Hazra Road,
   Calcutta-26. Member
3. Dr. J. K. Ghosh,
   Indian Statistical Institute,
   Calcutta. Member
4. Joint Secretary,
   Ministry of Finance and Financial
   Adviser to the Department of Statistics,
   New Delhi. Member

5. Director-General, Central Statistical Organisation & Ex-officio Additional Secretary, Department of Statistics, New Delhi. — Member

6. Deputy Secretary, Department of Statistics, New Delhi. — Member-Secretary

and assigns the following duties to the said Committee, namely :

(1) Review of the agreed programme of work and the financial estimates for 1985-86 (as provided by Government in Budget Estimates for 1985-86 for paying Grant-in-Aid to the Indian Statistical Institute, Calcutta) and making recommendations regarding the amount to be provided in the Revised Estimates, 1985-86 ; and

(2) Preparation and submission to the Central Government of statements showing programmes of work agreed to be undertaken by the Indian Statistical institute, Calcutta during the year 1986-87 for which the Central Government may provide funds, as well as general financial estimates of such work.

The Committee shall submit its Report to the Government by the 31st October, 1985.

The Department of Statistics shall render secretariat assistance to the Committee, the headquarters of which will be at New Delhi.

[No. M-12011/2/85-Coord]
JOGINDER SINGH, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

(इलायची नियंत्रण)

का. आ. 3464.—इलायची अधिनियम, 1965 (1965 का 42) की धारा 4 की उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री के. एम. चन्द्रशेखर भा.प्र.से. (केरल—70) को 9 जुलाई, 1985 (अपराह्न) से श्री के. मोहनचन्द्रन के स्थान पर इलायची बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[फाइल सं. 32/1/85—बागान (ख)]
बी. एम. एस. नेगी, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 10th July, 1985

(CARDAMOM CONTROL)

S.O. 3464.—In exercise of the powers conferred by clause (a), of sub-section (3), read with sub-section (4) of section 4 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965), the Central Government appoints Shri K. M. Chandrasekhar, IAS(KL-70) as Chairman, Cardamom Board, Cochin with effect from the 9th July, 1985 afternoon in place of Shri K. Mohanchandran,

[F. No. 32/1/85-Plant(B)]
B. M. S. NEGI, Under Secy.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1985

निरस्त आदेश

का.आ. 3465.—सर्व श्री इन्डैन्टो इन्टरनेशनल, ए—7, सैक्टर—3, नोएडा कामपलैक्स, जिला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) को एक आयात लाइसेंस सं. पी./एस. /1959919 दिनांक 25—1—84 वास्ते रु० 4,93,000/-अप्रैल-मार्च 84 की अवधि के लिये संलग्न सूची में दर्शाई हुई मदों के आयात के लिये ऑडियो टेप रिकार्डर और उनके कम्बीनेशन, रेडियो और कार कैसेट प्लेयर्स और रेडियो के साथ उनके कम्बीनेशन के निर्माण हेतु जारी किया गया था ।

आवेदक फर्म ने इस कथन के समर्थन में अब एक शपथ-पत्र, आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1984—85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है । जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेन्स सं० पी/एस/1959919 दिनांक 25—1—1984 अप्रैल मार्च 84 की अवधि के लिये, 4,93,000/- रु० की राशि के लिये की एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी नई देहली कस्टम प्राधिकारी के पास पंजीकृत करवाने एवं आंशिक रूप से उपयोग करने के बाद खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है ।

डुप्लीकेट एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी बकाया राशि 4-15,680/- रु. को पूरा करने के लिये चाहिए ।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है ।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि. 7-12-55 यथा (संशोधित) की धारा में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं उपरोक्त लाइसेंस सं. पी/एस/1959919 दि. 25-1-84 की मूल एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूं ।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्य-विधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352-355 के अनुसार उक्त लाइसेंस सं. पी/एस/1959919 दि. 25-1-84 की एक्सचेंज कन्ट्रोल कापी की अनुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा ।

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

(CENTRAL LICENSING AREA)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 27th July, 1985

S.O. 3465.—M|s. Indento International, A-7, Sector-III, NOIDA Complex, Distt. Ghaziabad-UP were granted import licence No. P|S|1959919 Dt. 25-1-84 for Rs. 4,93,000 for Import of items as per list enclosed for April-March, 84 period required for manufacture of Audio tape recorder and combination thereof with radio and car cassette players and combination with radio.

The applicant has filled an affidavit as required under para 353 of Hand Book of Import-Export procedure 1984-85 wherein they have stated that exchange control copy of the licence No. P|S|1959919 Dt. 25-1-84 for Rs. 93,000 issued for the period of April-March, 84 has been lost|Misplaced after having been registered with New Delhi, custom authority and utilised partly.

The duplicate exchange control copy is required to cover the part value of Rs. 4,15,680.

I am satisfied that exchange control copy of the licence has been misplaced|lost.

In exercise of the powers conferred on me under subject clause 9(cc) in the import trade control order 1955 dt. 7-12-55 as amended up-to-date, the said exchange control copy of licence No. P|S|1959919 dt. 25-1-84 for the value of Rs. 4,93,000 is hereby cancelled.

The applicant is now beng issued duplicate Exchange Control copy of Import Licence No. P/S/1959919 dt. 25-1-85 for Rs. 4,15,680 in accordance with the provision of paras 252-355 or hand book of Import & Export procedure 1984-85.

निरस्त आदेश

का० आ० 3466—सर्व श्री मेटाचैम इन्डस्ट्रीज बागपत खेवड़ा रोड, बहालगढ़ सोनीपत की एक आयात लाइसेंस सं० पी०/एस/1959945 दिनांक 3-2-84 को डाईस्टफ़्स और कैमिकल्स के निर्माणहेतु कुल रकम 4,01,000/- के लिये दिया गया था।

आवेदक फ़र्म को इस कथन के समर्थन में अब एक शपथ-पत्र, आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेंस सं०/पी०/एस/1959945 दिनांक 3-2-84 को 4,01,000 रु० के लिये अप्रैल-मार्च 84 की अवधि हेतु जारी किया हुआ लाइसेंस की कस्टम प्रयोजन कापी आंशिक रूप में 3,70,727 रु० तक उपयोग करने के बाद कहीं खो गई है / अस्थानस्थ हो गई है ।

डुप्लीकेट कस्टम प्रयोजन कापी बकाया राशि 30,277 रु० को पूरा करने के लिये अपेक्षित है ।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल कस्टम प्रयोजन कापी खो गई है । अस्थानस्थ हो गई है ।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि० 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा 9 (सी सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं उपरोक्त लाइसेंस सं० पी/एस/1959945 दि० 3-2-84 कुल राशि 4,01,000/- की मूल कस्टम प्रयोजन कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूं ।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्य विधि-पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352-355 के अनुसार उक्त लाइसेंस सं० पी/एस/1959945 दि० 3-2-84 की कस्टम प्रयोजन कापी की अनुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा ।

[फा० सं० हरियाणा/एम-5/ए एम-84/ए यू आई/सी एल ए]

CANCELLATION ORDER

S.O. 3466.—Metachem Industries, Bhagat Khewra Road, Bahalgarh, Sonepat were granted Import licence No. P|S|1959945 dt. 3-2-84 for Rs. 4,01,000 for manufacture of "Dyestuffs & Chemicals".

The applicant has filed an affidavit as required under para-353 of Hand Book of Import & Export Procedure 1984-85 where in they have stated that Customs Purpose Copy of the licence No. P|SS|1959945 dt. 3-2-84 for Rs. 4,01,000 issued for the period of April-March 84 has lost|misplaced having been partly utilised for Rs. 3,70,727.

The Duplicate Customs, Purpose Copy is required to cover the balance value of Rs. 30,277.

I am satisfied that the Custom Purpose Copy of the licence has been lost|misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Sub-clause 9(cc) in the Import Trade Control Order, 1955 dated 7-12-55 as amended up-to-date the said Custom Purpose Copy of licence No. P|S|1959945 dt. 3-2-84 for the value of Rs. 4,01,000 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Custom purpose copy of import licence P|S|1959945 dt. 3-2-84 for Rs. 30,277 in accordance with the provision of Paras, 352-355 of Hand Book of Import & Export Procedure 1984-85.

[F. No. HAR|M-5|A.M. 84|A.U.I.|CLA]

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1985

निरस्त आदेश

का० आ० 3467—सर्वश्री एम० एस० चावला एण्ड कम्पनी ए-40-41, नारायणा इन्डस्ट्रियल एरिया फेज-I, नई दिल्ली को एक आयात लाइसेंस सं० पी०/एस/1959889 दिनांक 17-1-84 को टी० वी० ट्यूनर के निर्माण हेतु 12,05,847 रु० का दिया गया था ।

आवेदक फर्म को इस कथन के समर्थन में अब एक शपथ-पत्र आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1984–85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेंस सं पी/एस/1959889 दिनांक 17-1-84 को 1205847/- रु० का जो अप्रैल-मार्च 84 की अवधि के लिये दिये गये की एक्सचेंज प्रयोजन कापी आंशिक मूल्य 639154/-रु० तक उपयोग करने के बाद दंगे फ़साद में कहीं जल गई है।

डुप्लीकेट कस्टम प्रयोजन कापी बकाया राशि 566693/- रु० को पूरा करने के लिये अपेक्षित है।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कापी खो गई है / नष्ट हो गई है एवं दंगे फ़साद में कहीं जल गई है।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि० 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा (9 सी सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस सं० पी/एस/1959889 दिनांक 17-1-84 कुल राशि 1205847/- की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूं।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्य-विधि पुस्तिका 1984–85 के पैरा 352–355 के अनुसार उक्त लाइसेंस सं० पी/एस/1959889 दि० 17-1-84 की एक्सचेंज प्रयोजन कापी की कुल राशि रु० 566693/-रु० के लिये आशुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[फाईल सं० देहली/एम-17/आटो/ए एम 84/एयू० I/सीएलए/8001]

New Delhi, the 17th April, 1985

CANCELLATION ORDER

S.O. 3467.—Mr. M. S. Chawla & Company, A-40 & 41, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi were granted Import Licence No. P|S|1959889 dt. 17-1-84 for Rs. 1205847 for manufacturer of T.V. Turner.

The applicant has filed an affidavit as required under para 353 of Hand Book of Import & Export Procedure, 1984-85 where in they have stated that Exchange purpose Copy of the licence No. P|S|1959889 dated 17-1-84 for Rs. 1205847 issued for the period of A.M. 84 has burnt in riots having been partly utilised for Rs. 639154.

The Duplicate Customs Purpose Copy is required to cover the balance value of Rs. 566693 only.

I am satisfied that the Exchange Purpose Copy of the licence has been lost, destroyed and burnt in riots.

In exercise of the powers conferred on me under sub-Clause 9(CC) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended uptodate, the said Exchange Purpose Copy of licence No. P|S|1959889 dated 17-1-84 for the value of Rs. 1205847 is hereby cancelled.

The Applicant is now being issued Duplicate Exchange Purpose Copy of Import Licence No. P|S|1959889 daed 17-1-84 for Rs. 566693 in accordance with the provision of Paras-352—355 of Hand Book of Import & Export Procedure 1984-85.

[File No. Delhi/M-17/AUTO/AM 84|A.U.I.|CIA|8001]

निरस्त आदेश

का. आ 3468.—सर्वश्री एम० एस० चावला एण्ड कम्पनी, ए-40/41, नारायणा इन्डसट्रियल एरिया, फेज-I, नई दिल्ली को एक आयात लाइसेंस सं०पी०/एस/1960315 दिनांक 20-7-84 को डी० सी० माइक्रो मोटर्स के निर्माण हेतु कुल राशि 1089200 रु० के लिये दिया गया था।

आवेदक फर्म ने इस कथन के समर्थन में अब एक शपथ-पत्र, आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 353 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि लाइसेंस सं० पी/एस/1960315 दिनांक 20-7-84 जो 1089200 रु० का अप्रैल-मार्च 1985 की अवधि के लिये दिया गया था, आंशिक रूप में 651152/- रु० की राशि तक उपयोग करने के बाद दंगे-फसाद में जल गया है।

एक्सचेंज प्रयोजन कापी की डुप्लीकेट कापी बकाया राशि 438048 को पूरा करने के लिये अपेक्षित है।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कापी खोई गई है/नष्ट हो गई है एवं दंगे-फसाद में जल गई है।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि० 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा (9 सी सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस सं० पी/एस/1960315 दि० 20-7-84 को 1089200 रु० की मूल एक्सचेंज प्रयोजन कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूं।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्य-विधि पुस्तिका 1984-85 के पैरा 352–355 के अनुसार उक्त लाइसेंस सं० पी/एस/1960315 दि० 20-7-84 को कुल रकम 438048 रु० के लिये एक्सचेंज प्रयोजन कापी की आशुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[सं० देहली/52/ए एम–85/आटो/एयू-I/सीएलए/8045]

आर० के० धवन,
उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

CANCELLATION ORDER

S.O. 3468.—M|s. Chawla & Company, A-40-41, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi were granted Import licence No. P|S|1960315 dt. 20-7-84 for Rs. 1089200 for manufacture of D. C. Micro Motors.

The applicant has filed an affidavit as required under Para-353 of Hand Book of Import & Export Procedure, 1984-85 wherein they have stated that Exchange Purpose Copy of the licence No. P|S|1960315 dated 20-7-84 for Rs. 1089200 issued for the period of AM 85 has burnt in roits having been partly utilised for Rs. 651152.

The Duplicate Exchange Purpose Copy is required to cover the balance vale of Rs. 438048 only.

I am satisfied that the Exchange Purpose Copy of the licence has been lost, destroyed and burnt in riots.

In exercise of the powers conferred on me under sub-Clause 9(CC) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended uptodate the said Exchange Purpose Copy of licence No. P|S|1960315 dated 20-7-84 for the value of Rs. 1089200 is hereby cancelled.

The Applicant is now being issued duplicate Exchange Purpose Copy of Import licence No. P|S|1960615 dated 20-7-84 for Rs. 438048 in accordance with the provision of paras-352-355 of Hand Book of Import & Export procedure 1984-85.

[F. No. Delhi|52|Auto|AM. 85|AU. I|CLA|8045]

DR. R. K. DHAWAN, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

for Jt. Chief Controller of Imports & Exports

उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1985

का.आ. 3469—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिय प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत कर्मचारी वृन्द ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. भारत लैदर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली।
2. राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड, नई दिल्ली।
3. औद्योगिक लागत तथा मूल्य ब्यूरो, नई दिल्ली।

[सं. 12012/1/84— हि. अ.]

ब्रजेन्द्र सहाय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 28th June, 1985

S.O. 3469.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Govt. hereby notifies the following offices whose 80 per cent staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Bharat Leather Corporation Ltd., New Delhi.
2. National Small Industries Corporation Ltd., New Delhi.
3. Bureau of Industrial Costs & Prices, New Delhi.

[No. 12012|1|84-HS]

BRIJENDRA SAHAY, Jt. Secy.

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

का. आ. 3470—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स कोठारी शुगर्स एंड केमीकल्स लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय, कोठारी बिल्डिंग 115, ननगम्बक्कम, हाई रोड, मद्रास— 600034 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या 1313/76) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/2/85— एम. 3]

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3470.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Kothari Sugars & Chemicals Ltd., having their registered office at Kothari Buildings, 115, Nungambakkam High Road, Madras-600034 under the said Act (Certificate of Registration No. 1313|76).

[No. 16|2|85-M.III]

का. आ. 3471—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा मैसर्स भालचन्द्र इन्वैस्टमैन्ट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय, मनडवा, पुणे कैन्टूनमैन्ट, पुणे— 411036 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पत्र— संख्या 1838/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/30/85—एम—3]

S.O. 3471.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Bhalchandra Investment Limited having their registered office at Mundhwa, Pune Contonment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1838|84).

[No. 16|30|85-M.III]

का. आ. 3472.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स मन्ढवा इन्वैस्टमैन्ट लिमिटेड, जिसका पूंजीकृत कार्यालय, मन्ढवा पूणे केन्टनमैन्ट, पूणे–411036 के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण पत्र संख्या 1840/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/31/85–एम–3]

S.O. 3472.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Mundhwa Investment Ltd. having their registered office at Mundhwa, Pune Contonment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1840|84).

[No. 16|31|85-M.III]

का. आ. 3473.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स आटोमोटिव एक्सिल्स लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय, हुतागल्ली इन्डस्ट्रीयल एरिया, अप. हुन्सूर रोड, मैसूर– 571186 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण–पत्र संख्या 1878/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/33/85–एम–3]

S.O. 3473.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Automotive Axles Ltd. having their registered office at Hootagalli Indusrial Area, Off. Hunsur Road, Mysore-571186 under the said Act (Certificate of Registration No. 1878|84).

[No. 16|33|85-M.III]

का. आ. 3474.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स भारत फोर्ज कंपनी लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय मन्ढवा, पुणे केन्टुनमैन्ट, पुणे– 411036 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण–पत्र संख्या 1337/77) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/34/85–एम–3]

S.O. 3474.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Bharat Forge Company Ltd., having their registered office at Mundhwa, Pune Contonment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1337/77).

[No. 16|34|85-M.III]

का. आ. 3475.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स फोर्ज इन्वैस्टमैन्ट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय, मन्ढवा पुणे केन्टुनमैन्ट, पुणे– 411036 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण–पत्र संख्या 1839/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/35/85–एम–3]

S.O. 3475.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Forge Investment Ltd. having their registered office at Mundhwa, Pune Cononment, Pune-411036 under the said Act (Certificate of Registration No. 1839|84).

[No. 16|35|85-M.III]

का. आ. 3476.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप–धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स ऊषा ब्रेको लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बैरिक भवन, दूसरी मंजिल, 8 चितरंजन ऐवन्यू, कलकत्ता–, 700072 के कथित अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण–पत्र संख्या 1456/79) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं. 16/37/81-एम–3]

वी. पी. गुप्त, निदेशक

S.O. 3476.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M|s. Usha Breco Limited having their registered office at Barick Bhawan, 2nd floor, 8-Chitranjan Avenue, Calcutta-700072 under said Act (Certificate of Registration No. 1456|79).

[No. 16|37|81-M.III]

V. P. GUPTA, Director.

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 10 जून, 1985

का.आ. 3477 :—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम और विनियम, 1955 के नियम 3 के उपनियम (2) और विनियम 3 के उपविनियम (2) एवं (3) के अनुसरण, भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे दिये गये हैं, वे 1982-08-31 को निर्धारित किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा रद्द हुए भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
1	2	3	4
1.	*IS : 275—1982 लीवर टाइप हस्तनिर्मित तालों की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	IS : 275—1961 तालों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये IS : 275-1982 1983-01-01 से लागू होगा
2.	IS : 657—1982 मैग्नेसियम आक्सीक्लोराइड फ़र्श मसाले के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 657—1962 मैग्नेसियम आक्सीक्लोराइड फ़र्श मसाले के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की विशिष्टि (संशोधित)	1982-07-31 को निर्धारित
3.	IS : 3416—1982 सूत या पुनरुत्पादित सेलुलोज के साथ पालीएस्टर मिश्रणों के मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण की पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 3416—1966 सूत या पुनरुत्पादित सेलूलोज के साथ पालीएस्टर मिश्रणों के मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण की पद्धति	1982-07-31 को निर्धारित
4.	IS : 5157—1981 आंख की पुतली की चिमटी की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 5157—1969 आंख की पुतली की चिमटी की विशिष्टि	—
5.	IS : 5182 (भाग II)—1982 वायु-प्रदूषण मापन पद्धतियां भाग II बेंजीन	—	—
6.	*IS : 7898—1981 हस्तचालित कुट्टी मशीन की विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 7898—1975 हस्तचालित कुट्टी मशीन की विशिष्टि	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये, IS : 7898-1981 1982-12-01 को लागू होगा
7.	IS : 8198 (भाग 12)- 1982 संपीडित गैसों के लिये इस्पात सिलिन्डरों की रीति संहिता : भाग 12 चिकित्सीय उपयोग के लिये गैसें	—	—
8.	IS : 9001 (भाग 13) -1981 पर्यावरण परीक्षण के लिये मार्गदर्शी सिद्धान्त : भाग 13 कम्पन (ज्यावक्रीय परीक्षण)	—	—

1	2	3	4
9.	IS 9527 (भाग 1)—1981 गोदी और बन्दरगाह संरचनाओं के डिजाइन और निर्माण की रीति संहिता : भाग 1 कंक्रीट स्तम्भ	—	—
10.	IS : 9859—1981 इलेक्ट्रोनिक मापन उपस्कर की सुरक्षा अपेक्षायें	—	—
11.	IS : 9902—1982 क्षरण परीक्षण की अनुशंसित रीति	—	—
12.	IS : 9912—1981 लोहे या इस्पात की पाइप लाइनों की सुरक्षा के लिये कोलतार से बनी लेप सामग्री और आयुक्त अस्तरों की विशिष्ट	—	—
13.	IS : 10011—1981 रबर से बनी दांतों भरने की सामग्रियों की विशिष्टि	—	—
14.	IS : 10012—1981 जस्ता आक्साइड/यूजीनोल की दांत भरने की सामग्रियों की विशिष्टि	—	—
15.	IS : 10014 (भाग 2)—1981 कृत्रिम स्टैपल रेशों की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 रैखिक घनत्व ज्ञात करना	—	—
16.	IS : 10018—1981 लकड़ी के लिये साफ़, फिनिशिंग चमकीले सेलुलोज नाइट्रेट लैकर की विशिष्टि	—	—
17.	IS : 10046—1981 खान में ढुलाई मार्गों के लिये कुत्तोकोलों की विशिष्टि	—	—
18.	IS : 10120—1982 चूर्णी शुष्ककों के लिये पूर्तिकर्ता का आंकड़ा पत्र	—	—
19.	IS : 10126—1982 स्फुलिंग विसर्जकों की विशिष्टि	—	—
20.	IS : 10127—1982 कोयला खनन और धोवन उद्योगों के ठोस अपशिष्ट के उपयोग एवं निपटान के मार्गदर्शी सिद्धान्त	—	—
21.	IS : 135—1982 भाराश्रित बांधों की जल निकास व्यवस्था की रीति संहिता	—	—
22.	IS : 10140—1982 लगड़ी के काम के लिये पट्टी आरा ब्लेडों की विशिष्टि	—	—
23.	IS : 10156—1982 गर्भाशय-डिम्बवाहिनी चित्रण के लिये कैनुला की विशिष्टि	—	—
24.	IS : 10184—1982 लम्बरड कृत्रिम क्वार्ट्ज क्रिस्टल की विशिष्टि	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली—110002, तथा अहमदाबाद, बम्बई बंगलोर, भोपाल, भुवनेश्वर, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मोहाली, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित इसके शाखा कार्यालयों में विक्रयार्थ उपलब्ध है ।

[सं. सी डी/13:2)]

MINISTRY OF FOOD AND SUPPLIES
(Deptt. of Civil Supplies)
INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 10th June, 1985

S.O. 3477:—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1982-08-31:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS:275-1982 Specification for padlocks, lever type, handmade (third revision)	IS : 275-1961 Specification for padlocks (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 275-1982 shall come into force with effect from 1983-01-01
2.	IS : 657-1982 Specification for materials for use in the manufacture of magnesium oxychloride flooring compositions (second revision)	IS : 657-1962 Specification for materials for use in the manufacture of magnesium oxychloride flooring compositions (revised)	Established on 1982-07-31
3.	IS : 3416-1982 Method for quantitative chemical analysis of mixtures of polyester fibres with cotton or regenerated cellulose (first revision)	IS : 3416-1966 Method of quantitative chemical analysis of mixtures of polyester fibres with cotton or regenerated cellulose	Established on 1982-07-31
4.	IS : 5157-1981 Specification for forceps, eye, iris (first revision)	IS : 5157-1969 Specification for forceps, eye, iris	—
5.	IS : 5182—(Part XI)—1982 Methods for measurement of air pollution: Part XI Benzene	—	—
6.	*IS : 7898—1981 Specification for manually-operated chaff cutter (first revision)	IS : 7898—1975 Specification for manually-operated chaff cutter	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 7898—1981 shall come into force with effect from 1982-12-01
7.	IS : 8198 (Part XII)—1982 Code of practice for steel cylinders for compressed gases: Part XII Gases for medical use	—	—
8.	IS : 9001 (Part XIII)—1981 Guidance for environmental testing: Part XIII Vibration (sinusoidal) test	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	IS : 9527 (Part I)—1981 Code of practice for design and construction of port and harbour structures : Part I. Concrete monoliths	—	—
10.	IS : 9859—1981 Safety requirements for electronic measuring apparatus	—	—
11.	IS : 9902—1982 Recommended practice for leak testing	—	—
12.	IS : 9912—1981 Specification for coal tar based coating materials and suitable primers for protecting iron or steel pipelines	—	
13.	IS : 10011—1981 Specification for resin-based dental filling materials	—	
14.	IS : 10012—1981 Specification for dental zinc oxide eugenol filling materials	—	
15.	IS : 10014 (Part II)—1981 Methods of tests for man-made staple fibres: Part II Determination of linear density	—	—
16.	IS : 10018—1981 Specification for lacquer, cellulose nitrate, clear, finishing, glossy for wood	—	—
17.	IS : 10046—1981 Specification for dog spikes for mine haulage tracks	—	
18.	IS : 10120—1982 Supplier's data sheet for rotary dryers	—	—
19.	IS : 10126—1982 Specification for sparklers	—	—
20.	IS : 10127—1982 Guidelines for utilization and disposal of solid wastes from coal mining and washery industries	—	
21.	IS : 10135—1982 Code of practice for drainage system for gravity dams	—	
22.	IS : 10140—1982 Specification for band-saw blades for woodworking	—	
23.	IS : 10156—1982 Specification for cannula, intra-uterine, hysterosalpingography	—	—
24.	IS : 10184—1982 Specification for lumbered synthetic quartz crystal	—	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institutio , 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its Branch Offices at Ahmedabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Mohali, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13:2]

नई दिल्ली, 24 जून, 1985

का० आ० 3478.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल 0620838, 0620939, 0621032, 0621133 और 0621234 जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिये गये है, 1985-03-01 से रद्द कर दिये गये हैं :

अनुसूची

क्र सं.	लाइसेंस संख्या और दिनांक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस अधीन वस्तु/सम्बद्ध प्रक्रिया	भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	एल- 0620838 1977-07-01	मैसर्ज के. सी. ए. लि. बिदेश्वर, जामनगर	"टैट्राजिन, खाद्य श्रेणी	IS : 1691-1974 टैट्राजिन, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)
2.	एल-0620939 1977-07-01	मैसर्ज के. सी. ए. लि. बिदेश्वर, जामनगर	कार्मोईसिन, खाद्य श्रेणी	IS : 2923- 1974 कार्मोईसिन, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)
3.	एल- 0621032 1977-07-01	मैसर्ज के. सी. ए. लि. बिदेश्वर, जामनगर	अमराथ, खाद्य श्रेणी	IS : 1696- 1974 अमरांथ, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)
4.	एल- 0621133 1977-07-01	" " "	पांसो 4 आर, खाद्य श्रेणी	IS : 2558-1974 पांसो 4 आर खाद्य श्रेणी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)
5.	एल- 0621234 1977-07-01	" " "	सनसेट येलो एफसीएफ, खाद्य श्रेणी	IS : 1695-1974 सनसेट येलो एफसीएफ, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)

[सं सीएमडी 55 : 0620838]

वी. एन. सिंह अपर महानिदेशक

New Delhi, the 24th June, 1985

S.O. 3478 :—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence Nos. 0620838, 0620939, 0621032, 0621133 and 0621234 particulars of which are given below have been cancelled with effect from 1985-03-01.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. & Date	Name and Address of the licensee	Article/Process Covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
1.	L—0620838 1977-07-01	M/s. K.C.A Limited, Bedeshwar, Jamnagar.	Tatrazine Food Grade	IS : 1694—1974 Specification for Tatrazine, Food Grade (First Revision)
2.	L—0620939 1977-07-01	-do-	Carmoisine, Food Grade	IS : 2923—1974 Specification for Carmoisine, Food Grade (First Revision)
3.	L—0621032 1977-07-01	-do-	Amaranth Food Grade	IS : 1696—1974 Specification for Amaranth, Food Grade (First Revision)
4.	L—0621133 1977-07-01	do-	Ponceau 4R Food Grade	IS : 2558—1974 Specification for Ponceau 4R Food Grade (First Revision)

1	2	3	4	5
5.	L—0621234 1977-07-01	M/s. K.C.A. Limited, Bedeshwar, Jamnagar	Sunset Yellow FCF Food Grade	IS : 1695—1974 Specification for Sunset Yellow FCF, Food Grade (First Revision)

[No. C. M. D. 55/0620838]

नई दिल्ली 26 जून, 1985

का० आ० 3479 :—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम (1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या 0746557, जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, 85-03-31 से रद्द कर दिया गया है और वापस ले लिया गया जाये।

अनुसूची

क्र. सं.	लाइसेंस संख्या और दिनांक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द लाइसेंस के अधीन वस्तु प्रक्रिया	सम्बद्ध भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	एल- 0746557 1979-01-16	मैसर्ज राजुकेश इंटर-प्राईजेज (केमिकल्स) रोड सं. 13 पनकी, इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर	कैरामेल	IS : 4467- 1967 कैरामेल की विशिष्टि

[सं० सीएमडी : 55/0746557]
बी. एन. सिंह अपर महानिदेशक

New Delhi, the 26th June, 1985

S.O. 3479 :—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amnded from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. 0746557 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 85-03-31.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. & Date	Name and Address of the licensee	Article/Process Covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
1.	L—0746557 1979-01-16	M/s. Rajukesh Enterprises (Chemicals) Shed No. 3, Panki Industrial Area, Kanpur.	Caramel	IS : 4467—1967 Specification for Caramel

[No. CMD/55 : 9746557]
B.N. SINGH,
Additional Director General

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 15th May, 1985

CORRIGENDUM

S.O. 3480—Whereas, by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) S.O.3295 dated the 27th August, 1982, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at pages 3349 to 3352, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows :—

At page 3350 in first column,
in line 56, for "378 (Part "
read "378 (Part),"

At page 3350, in second column
in line 45 for "864 (Part)"
read "764 (Part)"

At page 3351 in first column,
in line 5 for "3205 (Part)"
read "3205 (Part)",
in line 15 for "3575" read "3576",
in line 21 for "3198 read "3193";
in line 23 for "3289 read "3239";
in line 26 for "1685" read "1635";
in line 29 for "1550" read "1559";
in line 31 for " O-R line" "read O-P line";
in lines 47 to 52 under Remarks column insert "Part" :
in line 57 for "837" read "737"

At page 3351 in second column,
in line 42 for "642" read "742"
in line 48 for "792" read "742"

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may, within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any right in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

[No. 19/41/82-CI (CA)]

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1985

का. आ. 3481 :—जबकि कोयलाधारी क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन जारी और भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में पृष्ठ सं. 2119 से 2923 में प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) के का. आ. सं. 2902 दिनांक 24 जून, 1983 की अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि का अधिग्रहण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह लाया गया है कि राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन में छपाई की कुछ त्रुटियां हो गई हैं ,

अब, इसलिए, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में अधिकार प्रदान करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

पृष्ठ 2918 पर : अनुसूची में क्रम सं. 3 में टिप्पणी स्तंभ के लिए "भाग" के स्थान पर "पूर्ण" पढ़ें ।

पृष्ठ 2919 पर (1) ग्राम केसला में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक में—"145 भाग" के स्थान पर "146 भाग" पढ़ें ।

(2) "ग्राम सवनारा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक" के स्थान पर "ग्राम तैवनारा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक" पढ़ें ।

जिस भूमि के संबंध में उपर्युक्त संशोधन जारी किया गया है, उससे हितबद्ध कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के जारी होने के तीस दिन के अंदर उक्त सारी भूमि अथवा उसके किसी भी भाग के अर्जन पर अथवा उक्त अधिनियम की धारा 8 की उप-धारा (1) के अनुसार ऐसी किसी भूमि में किन्हीं अधिकारों के अर्जन पर आपत्ति कर सकता है ।

[सं. 19/3/83-सी. एल./सी. ए.]

समय सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 9th July, 1985

S.O. 3481.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2902 dated the 24th June, 1983, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), at pages 2919 to 2923, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification ;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows :—

At page 2920, under the heading "Plot Numbers, to be for acquired in village Kesla",—

(i) '82|2' read "83|2", and

(ii) for "146" read "146 (Part)".

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may, within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any rights in any of such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

[No. 19/3/83-CL/CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1985

का. आ. 3483.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन.के.ए.डब्ल्यू.-से एन.के.जी.जी.एस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एन. के. ए.डब्ल्यू से एन. के. जी. जी. एस –II तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात, जिला: अहमदाबाद तालुका विरम गाम

गांव	सर्वे नं.	हे.	आरे.	मैं.
बालसासन	413	0	01	00
	402/3	0	06	84
	402/2	0	02	75
	403	0	10	80
	402/1	0	07	20
	398	0	06	50

[सं. O-12016/86/85-ओ एन जी डी 4]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 16th July, 1985

S.O. 3482.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from NKAW to NKGGS II in Gujarat State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Autrority, Gas Authorityy of India, Ltd. NKAW to NKGGS-II.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE

(Pipeline from NKAW to NK GGS)

State : Gujarat, Distt. : Ahmedabad , Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Balsasan	413	0	01	00
	402/3	0	06	84
	402/2	0	02	75
	403	0	10	80
	402/1	0	07	20
	398	0	06	50

[No. O-12016/86/85-ONGD 4]

का. आ. 3483—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० I-10 से कूप नं० 50 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्दुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

(कूप नं. I-10 से कूप नं. 50 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।)

राज्य : गुजरात, जिला : भरूच तालुका : हांसोट

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आरे	मैं.
दिगस	227	0	21	06
	241	0	11	96
	214	0	02	10
	245	0	13	74
	208	0	03	90
	206	0	08	84
	200	0	13	65

[सं० O-12016/87/85-ओ एन जी डी-4

S.O. 3483.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 1—10 to Well No. 50 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commision;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from WELL No. 1-10 to WELL No. 50
State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Hansot

Village	Block No.	Hectare	Are	Centare
DIGAS	227	0	21	06
	241	0	11	96
	244	0	22	10
	245	0	12	74
	208	0	03	90
	206	0	08	84
	200	0	12	65

[No. O-12016/87/85-ONG-D 4]

का. आ. 3484—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.एन.ऐ.पी. से एस.एन.ए.जे. पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एस.एन.ए.पी. से एस.एन.ए.जे. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : तालुका : मेहसाना

गांव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
सथाल	423	0	09	40
	420	0	06	50

(सं० O-12016/88/85 ओ एन जी डी 4)

S.O. 3484.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNAP to SNAJ in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from SNAP to SNAJ

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centare
ANTHAL	423	0	09	
	420	0	06	4

[No. O-12016/85/85 ONG-D 4]

का. आ. 3485.—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य एस.एन.एफ से सथा जी.जी.-एस तक में पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एस. एन. एच. से संथाल जी. जी. एस. तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हे.	आर	सें.
जोटाना	1246 1245	0	20	76
	1244	0	08	72
	1251	0	09	72
	1260	0	09	12
	1227	0	04	3?

[सं० O-12016/89/85 ओएनजीडी 4]

S.O. 3485.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from S.N.H to Santhal GGS in Gujarat State Pipeline should be laid by the oil and Natural Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from SNH to SANTHAL GGS

State : Gujrat: District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
JOTANA	1246 1245	0	20	76
	1244	0	08	72
	1251	0	09	72
	1260	0	09	12
	1227	0	04	32

[No. O-12016/89/85 ONGD 4]

का. आ. 3486—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन० के० एफ० एक्स० से एन० के० एफ० वाई० से एन० के० एफ० ई० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एन. के. एफ. एक्स से एन. के. एफ. वाई. से एन. के. एफ. ई.

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाणा

गांव	ब्लाक नं.	हे.	आर.	सें.
मेहमदपुरा	7	0	07	20
	6	0	04	44
	6	0	04	68
	358	0	11	04
	354	0	05	76
	353	0	08	64
	350	0	02	40
	349	0	07	44
	348	0	06	00

[सं० O-12016/90/85 ओएनजीडी 4]

S.O. 3486.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from NKFX to NKFY to NKFE in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Nathral Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from NKFX to NKFY to NKFE

State : Gujarat ; Di trict & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
MEMADPURA	7	0	07	20
	6	0	04	44
	6	0	04	68
	358	0	11	04
	354	0	05	76
	353	0	08	64
	350	0	02	40
	349	0	07	44
	348	0	06	00

[No. O 12016/90/86 ONGD-4]

का. आ. 3487.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० 26 से जी० सी० ऐस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा–9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

कूप नं. 26 से जी. सी. ऐस.

राज्य : गुजरात जिला : खेडा तालुक : केम्बे

गाँव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
लुनज	252	0	06	65
	251	0	07	78
	249	0	07	74

[फा० O-12016/91/85-ओ एन जी डी-4]

S.O. 3487.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No. 26 to GCS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009)

And every person making such an objection shall also state specifically wheher he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from WELL No. 26 to G.C.S.

State : Gujarat; District : Kheda; Taluka : Cambay

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen tiar
LUNAJ	252	0	06	65
	251	0	07	78
	249	0	07	74

[No. O-12016/91/85-ONGD-4]

का. आ. 3488.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जे एन ए ए से जे एन ओ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा–9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसक सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जे. एन. ए. ए० से जे. एन. ओ. तक पाईप लाईन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका . मेहसाना

गाँव	ब्लाक नं.	हे.	आर ई	सें.
माकणज	1154	0	19	08
	1101	0	07	68

[सं० O-12016/92/85 ओएनजीडी-4]

S.O. 3488.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNAA to JNO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying, such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE

PIPELINE from JNAA to JNO

State : Gujarat; District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cen tiare
MAKNAJ	1154	0	19	08
	1101	0	07	68

[No. O-12016/92/85-ONGD-4]

का. आ. 3489 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. ई.एन. से एन.के.ई.पी. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

ऐन. के. ई. ऐन. से ऐन. के. ई. पी. तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य गुजरात : जिला अहमदाबाद तालुका : विरम गाम

गाँव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
बालससन	373/1	0	06	96
	374/4	0	02	88
	374/1	0	03	00
	372/3	0	11	52
	371/1	0	05	88
	371/1	0	02	16
	371/2	0	04	56

[सं० O-12016/93/85-ओएनजीडी-4]

S.O. 3489.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKEN to NKEP in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from NKEN to NKEP

State : Gujarat; District: Ahmedabad ; Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen tiare
BALSASAN	373/1	0	06	96
	374/4	0	02	88
	374/1	0	03	00
	372/3	0	11	52
	371/1	0	05	88
	37./1	0	02	16
	371/2	0	04	56

[No. O-12016/93/85 ON GD

का. आ. 3490—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. 52 से एन. के. सी. टी. एफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एन. के. 52 से एन. के. सी. टी. एफ तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : विरमगाम

गाँव	सर्वे नं.	हे.	ए.	सें.
बालसासण	189	0	05	46
	कार्ट ट्रेक	0	00	66
	197	0	07	08
	198	0	05	22
	199	0	00	72
	199/2/ए	0	05	40
	199/3	0	02	88
	199/4	0	02	38
	201/2	0	05	40
	201/3	0	04	32
	202	0	04	68
	कार्ट ट्रेक	0	00	90
	218/1	0	00	72
	218/2	0	06	24
	217	0	03	28
	216/1	0	07	80
	216/3	0	03	60
	216/3	0	01	20
	216/5	0	04	56
	216/5	0	06	24

[सं० ओ 12016/94/85 ओ एन जी डी-4]

S.O. 3490.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from NK-52 to NK CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from NK-52 to NK-CTF

State : Gujarat; District : Ahmedabad ; Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
BALSASAN	189	0	05	46
	Cart track	0	00	66
	197	0	07	08
	198	0	05	22
	199	0	00	72
	199/2/A	0	05	40
	199/3	0	02	88
	199/4	0	02	38
	201/2	0	05	40
	201/3	0	04	32
	202	0	04	68
	C.T.	0	00	90
	218/1	0	00	72
	218/2	0	06	24
	217	0	08	28
	216/1	0	07	80
	216/3	0	03	60
	216/3	0	01	20
	216/5	0	04	56
	216/5	0	06	24

[No. O 12016/94/85 ONGD-4]

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1985

का. आ. 3491.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जे आर. आई (जे 29) से जी जी ऐस जनोरा-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत् ।

अनुसूची

कुवा सं. जे. आर आई (जे. 29) से जी. जी. एस जालोरा-2 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कड़ी

गांव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
अदरज	1327	0	09	72
	1145/1	0	05	00
	1145/2	0	03	10
	1143	0	07	53
	1141/1	0	09	22
	1141/2	0	02	64
	1136/1	0	08	79
	1135	0	05	77
	1134	0	09	07

[सं.ओ-12016/80/85-ओ एन.जी.-डी-4]

New Delhi, the 17th July, 1985

S.O. 3491.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No. JRI (J. 29) to GGS Jhalora-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from Well No. JRL (J.2 9) to GGS Jhalora I
State : Gujarat; District : Mehsana; Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
ADRAJ	1327	0	09	72
	1145/1	0	05	00
	1145/2	0	03	10
	1143	0	07	53
	1141/1	0	09	22
	1141/2	0	02	64
	1136/1	0	08	79
	1135	0	05	77
	1134	0	09	07

[No. O-12016|80|85-ONG-D.4]

का० आ० 3492.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी.जी.एस जालोरा–2 से मेईन ट्रन्क लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा–9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जी. जी. एस. जालोरा-II से मेईन ट्रन्क लाइन तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कड़ी

गांव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
अदरज	1103/1	0	03	60
	1103/2	0	06	60
	1105	0	14	32
	1106	0	02	40
	1107/1	0	03	90
	1107/2	0	02	40

[सं O 12016/81/85-ओ-एन.जी.डी.-4]

S.O. 3492.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from GGS Jhalora-II to Main Trunk Line in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from GGS Jhalora II to Main Trunk Line

State : Gujarat; District : Mehsana; Taluka : Kadi.

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
ADRAJ	1103/1	0	03	60
	1103/2	0	06	60
	1105	0	14	32
	1106	0	02	40
	1107/1	0	03	90
	1107/2	0	02	40

[No. O-12016|81|85-ONG-D.4]

का. आ. 3493.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस बी ए एच से स्टीम बिन्दु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्‌पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्‌द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग मकरपुरा रोड बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एस. बी. ए. एच. से स्टीम बिन्दु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाना

गाँव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
जगुदन	1096	0	03	84

[सं. O-12016/82/85-ओ.एन.जी.डी.4]

S.O. 3493.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBAH to Steam Point in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby **declares** its intention to acquire the right of user **therein;**

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE from SBAH to STEAM POINT

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
JAGUDAN	1096	0	03	84

[No. O-12016/82/85-ONG D4]

का. आ. 3494.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस. एन. एच. से संथाल जी जी एस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्‌पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्‌द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग मकरपुरा रोड बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति, विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एस. एन. एच. से संथाल जी. जी. एस.

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाना

गाँव	सर्वे न.	हे.	आर.	सें.
संथाल	867	0	04	92
	872	0	06	72
	873	0	03	80
	878	0	1[illegible]	36
	821	0	05	16
	820	0	12	96
	881	0	07	68
	882	0	18	48

[सं. O-12016/83/85-ओ. एन० जी०डी० 4]

S.O. 3494.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from SNH to Santhal GGS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from SNH to Santhal GGS

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Santhal	867	0	04	92
	872	0	06	72
	873	0	03	80
	878	0	12	36
	821	0	05	16
	820	0	12	96
	881	0	07	68
	882	0	18	48

[No. O-12016/83/85-ONGD-4]

का. आ. 3495.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन के एफ आई से एन के जी जी ऐस-I तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत् ।

अनुसूची

ऐन. के. एफ. आई. से एन. के. जी. जी. एस -I

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका विरमगाम

गाँव	सर्वे.	हे.	आर.	से.
तेलावी	139/2	0	03	00
	139/1	0	02	40
	139/1/P	0	01	68
	139/4	0	01	56
	140/3	0	07	76
	कार्ट ट्रेक	0	06	30
	140/4	0	10	20
	कार्ट ट्रेक	0	01	03
	55	0	02	40

[संख्या O-12016/84/85-ओ.एन.जी.डी.-4]

S.O. 3495.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKFI to NK GGS I in Gujarat State pipeline should, be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from NKFI to NK.GGS I

State : Gujarat; District : Ahmedabad; Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
TELAVI	139/2	0	03	00
	139/1	0	02	40
	139/1/P	0	01	68
	139/4	0	01	56
	140/3	0	07	76
	Cart track	0	06	30
	140/4	0	10	20
	Cart track	0	01	03
	55	0	02	40

[No. O-12016/84/85-ONGD-4]

का. आ. 3496.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में ऐस. ऐस.बी. ए से ऐस ऐस सी टी एफ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बड़ोदरा-9 इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एस. एन. बी. ए. से एस. एस. सी. टी. एफ.

राज्य :- गुजरात जिला व तालुका :- मेहसाना

गाँव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
संथाल				
	564	0	03	00
	कार्टट्रेक	0	00	96
	604	0	05	40
	575	0	08	64
	576	0	04	80
	603	0	03	00
	601	0	16	56
	600	0	00	84
	599	0	14	16
	616/2	0	01	32

[सं० O-12016/85/85/ओएनजीडी०-4]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 17th July, 1985

NOTIFICATION

S.O. 3496.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from SNBA to S.S.CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vaddara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from SNBA to S.S.CTF

State : Gujarat; District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No	Hectare	Are	Centiare
SANTHAL	564	0	03	00
	Cart track	0	00	96
	604	0	05	40
	575	0	08	64
	576	0	04	80
	603	0	03	00
	601	0	16	56
	600	0	00	84
	599	0	14	16
	616/2	0	04	32

[No. O-12016/85/85-ONGD-4]

का. आ. 3497.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 2239 तारीख 28-6-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कावोल से बिरमगाम तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

राज्य :- गुजरात जिला :- अहमदाबाद तालुका - बिरमगाम

गाँव	सर्वे नं.	हे.	आर.	सें.
हासलपुर	939	0	16	50
	940	0	11	85

[सं० O-12016/50/84/ओएनजीडी-4]

S.O. 3497.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy Department of Petroleum S.O. 2239 dated 28-6-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of ucr in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Kalol to Viramgam

State : Gujarat: District : Ahmedabad; Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
HANSALPUR	939	0	16	50
	940	0	11	85

[No. O--12016/50/84-OGN-D-4]

का. आ. 3498 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने का प्रयोग के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58 बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा, बरेली, जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा	
1	2	3	4	5	6	
शाहजहांपुर	तिलहर	तिलहर	शिवदासपुर	4	1—	30
				12	0—	80
				13	0—	91
				14	0—	95
				16	0—	60
				1	0—	15
				15	0—	06
				111	0—	52
				113	0—	38
				8	0—	02

[सं० O 14016/40/85 जी.पी.]

S.O. 3498.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira Bareilly Jagdishpur Gas pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahjahan-pur	Tilhar	Tilhar	Shivdaspur	4	1-30
				12	0-80
				13	0-91
				14	0-95
				16	0-60
				1	0-15
				15	0-06
				111	0-52
				113	0-38
				8	0-02

[No.O-14016/40/85 G.P].

का. आ. 3499 —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., ब-58/ब, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़ डिसमिल
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	सदर	कांट	टांडाकनवा	9	— 13
				12	— 45
				14	— 95
				15	— 12
				21	— 55
				23	— 10
				24	— 15
				25	— 10
				26	— 10
				27	— 01
				28	— 07
				29	— 04
				30	— 12
				31	— 15
				34	— 10
				36	— 24
				37	— 99
				91	— 45
				92	— 40
				94	— 15
				96	— 61
				104	— 36
				105	— 07
				106	— 69
				118	— 06
				38	— 01
				13	— 35

[सं० 14016/394/85—जी.पी.]

S.O. 3499.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acd.	Dismil
1	2	3	4	5	6	
Shahjahanpur	Sadar	Kant	Tandakanwa	9	—	13
				12	—	45
				14	—	95
				15	—	12
				21	—	55
				23	—	10
				24	—	15
				25		10
				26	—	10
				27	—	01
				28	—	07
				29	—	04
				30		12
				31		15
				34		10
				36	—	24
				37	—	99
				91	—	45
				92	—	40
				94		15
				96		61
				104	—	36
				105	—	07
				106	—	69
				118	—	06
				38	—	01
				13	—	36

[No. O-14016/394/85-G.P.]

का. आ. 3500.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध [अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।]

अत. अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., ब-58/ब, अलीगंज, लखनऊ- 226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़ डिसमिल
1	2	3	4	5	6
शाहजहां- पुर	सदर	जमौर	गंधार	1177	— 04
				1182	— 63
				1183	— 08
				1184	— 50
				1227	— 30
				1228	— 10
				1231	— 07
				1232	— 32
				1233	— 33
				1240	— 40
				1241	— 20
				1242	— 03
				1243	— 02
				1244	— 18
				1245	— 62
				1316	— 01
				1317	— 28
				1318	— 40
				1319	— 46
				1374	— 26
				1380	— 04
				1382	— 58
				1387	— 16
				1391	— 02
				1395	— 45
				1396	— 12
				1398	— 09
				1436	— 01
				1438	— 12
				1439	— 08
				1440	— 15
				1441	— 62
				1442	— 15
				1443	— 23
				1444	— 06
				1445	— 12
				1446	— 04
				1447	— 48
				1751	— 40
				1752	— 70
				1752/1814	— 06
				1753	— 18
				1779	— 12
				1239	— 18
				1315	— 12
				1388	— 06
				1230	— 32
				1389	— 24
				1394	— 15
				1425	— 10
				1461	— 12
				1780	— 04
				1437	— 02
				1446/1810	— 03
				1390	— 02
				1384	— 03
				1178	— 02
				1379	— 04
				1423	— 04

[सं.—14016/395/85—जी.पी.]

S.O. 3500.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd	Dis-mil
1	2	3	4	5	6	
Shahjan-pur	Sagar	Jamour	Gaddhar	1177	—	04
				1182	—	63
				1183	—	08
				1184	—	50
				1227	—	30
				1228	—	10
				1231	—	07
				1232	—	32
				1233	—	33
				1240	—	40
				1241	—	20
				1242	—	03
				1243	—	02
				1244	—	18
				1245	—	62
				1316	—	01
				1317	—	28
				1318	—	40
				1319	—	46
				1374	—	26
				1380	—	04
				1382	—	58
				1387	—	16
				1391	—	02
				1395	—	45
				1396	—	12
				1398	—	09
				1436	—	01
				1438	—	12
				1439	—	08
				1440	—	15
				1441	—	62
				1442	—	15
				1443	—	23
				1444	—	06
				1445	—	12
				1446	—	04
				1447	—	48
				1751	—	40
				1752	—	70
				1752/1814	—	06
				1753	—	18
				1779	—	12
				1239	—	18
				1315	—	12
				1388	—	06
				1230	—	32
				1389	—	24
				1394	—	15
				1425	—	10
				1461	—	12
				1780	—	04
				1437	—	02
				1446/1810	—	03
				1390	—	02
				1384	—	03
				1170	—	02
				1379	—	04
				1423	—	04

[No. 14016/395/85-G.P.]

का. आ. 3501.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58 बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	डिसमिल
1	2	3	4	5	6	
शाहजहांपुर	सदर	कांट	कुर्याककला	985	—	65
				982	—	32
				981	—	31
				977	—	50
				976	—	05
				967	—	05
				968	—	83
				970	—	80
				971	—	25
				951	—	32
				950	—	29
				949	—	09
				948	—	50
				947	—	11
				943	—	15
				1011	—	08
				1074	—	10
				978	—	03
				946	—	02
				972	—	03

[सं 14016/396/85–जी.पी.]

S.O. 3501.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B. Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.	Area Dismil
1	2	3	4	5	6	
Shahjahanpur	Sadar	Kant	Kurryakal	985	—	65
				982	—	32
				981	—	31
				977	—	50
				976	—	05
				967	—	05
				968	—	83
				970	—	80
				971	—	25
				951	—	32
				950	—	29
				949	—	09
				948	—	50
				947	—	11
				943	—	15
				1011	—	08
				1074	—	10
				978	—	03
				946	—	07
				972	—	03

[No. 14016/396/85-G.P.]

का. आ. 3502.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि गैस लाईनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

यतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. ब-58 ब, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना के तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी उथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के माध्यम से।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल डिसमिल
1	2	3	4	5		
शाहजहांपुर	सदर	जमौर	मुकुन्दपुर	1	—	10
				2	—	21
				6	1	52
				7	—	21
				25	—	54
				26	1	45
				33	—	03
				34	—	14
				35	—	03
				36	—	20
				37	—	55

[सं. 14016/396/85 जी.पी.]

S.O. 3502.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B. Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

H.B.J Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd	Area Dismil
1	2	3	4		5	6
Shahjahanpur	Sadar	Jamour	Mukundpur	1	—	10
				2	—	21
				6	—	52
				7	—	21
				25	—	54
				26	1	45
				33	—	03
				34	—	14
				35	—	03
				36	—	20
				37	—	55

[No. 14016/397/85-GP]

का. आ. 3503—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. ब.-58 ब, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	डिसमिल
1	2	3	4	5	6	
शाहजहांपुर	सदर	कांट	टाडापर्वत	14	1	00
				15	—	74
				16	—	09
				50	—	02
				137	—	02
				150	—	03
				156	—	27
				157	—	15
				158	—	61
				159	—	25
				243	—	07
				345	—	33
				247	—	33
				248	—	28
				249	—	24
				250	—	82
				251	—	30

[सं 140 16/398/85-जीपी]

S.O. 3503.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Comretent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

District	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.	Afea Acd.	Dismil
1	2	3	4	5	6	
Shahjajahnpur	Sadar	Kant	Tadaparawat	14	1	00
				15	—	74
				16	—	09
				50	—	02
				137	—	02
				150	—	03
				156	—	27
				157	—	15
				158	—	61
				159	—	25
				243	—	07
				245	—	33
				247	—	33
				248	—	28
				249	—	24
				250	—	82
				251	—	30

[No. 14016/398/85- GP

का. आ. 3504 : यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसे लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी.-58 बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरैली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	डिसमिल
1	2	3	4	5	6	
शाहजहांपुर	सदर	जमौर	अख्त्यार नगर उर्फ इकनौरा	2302	—	23
				2303	—	03
				2342	—	35
				2343	—	65
				2344	—	02
				2403	—	7
				2404	—	42
				2405	—	74
				2406	—	02
				2447	—	04
				2477	1	01
				2488	—	30
				2489	—	10
				2491	—	33
				2492	—	33
				2309	—	10
				2495	—	26
				2496	—	32
				2500	—	32
				2502	—	02
				2509	—	02
				2510	—	36
				2511	—	16
				2512	—	08
				2513	—	38

[सं O 14016/399/85-जीपी]

S.O. 3504.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd	Dismil
1	2	3	4	5	6	
Shahan-Jahanpur	Sadar	Jamour	Akhta-yarnagar Urf Eknoura	2302	—	23
				2303	—	03
				2342	—	35
				2343	—	65
				2344	—	02
				2403	—	07
				2404	—	42
				2405	—	74
				2406	—	02
				2447	—	04
				2477	1	01
				2488	—	30
				2489	—	10
				2491	—	33
				2492	—	33
				2309	—	10
				2495	—	26
				2496	—	32
				2500	—	32
				2502	—	02
				2509	—	02
				2510	—	36
				2511	—	16
				2512	—	08
				2513	—	38

[No. O 14016/399/85 G. P.]

का. आ. 3505.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर ——————तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसे लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी- अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लाट सं.	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	तिलहर	तिलहर	हबीबपुर उर्फ भाड़खिरिया	1	0—13
				6	0—17
				7	0—52
				8	0—20
				9	0—24
				14	0—49
				11	0—45
				32	0—02
				39	0—20
				40	1—16
				33	0—48
				36	0—34
				37	0—27
				38	0—40
				98	0—13
				106	0—24
				107	0—34
				108	0—21
				109	1—00

[सं० O-14016/400/85/जी०पी०]

S.O. 3505.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira–Bareilly–Jagdishpur Gas pipe line project

Distt.	Tahshil	Pargana	Village	Plot No	Area Aquired
1	2	3	4	5	6
Shahjahan Pur	Tilhar	Tilhar	Habibpur V/s Bharkheriya	1	0 13
				6	0 17
				7	0 52
				8	0 20
				9	0 24
				14	0 49
				11	0 45
				32	0 02
				39	0 20
				40	1 16
				33	0 48
				36	0 34
				37	0 27
				38	0 40
				98	0 13
				106	0 24
				107	0 34
				108	0 21
				109	1 00

[No. O-14016/400/85 G.P.]

का. आ. 3506 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल डिसमिल
1	2	3	4	5	6	
शाहजहां-पुर	सदर	जमौर	सिमरिया सहसपुर	512	—	27
				529	—	36
				528	—	12
				530	—	86
				531	—	40
				532	—	04
				566	—	05
				567	—	10
				568	—	16
				569	—	19
				600	1	15
				602	—	24
				603	—	30
				604	—	05
				650	—	95
				651	—	55
				851	—	02
				852	—	16
				869	—	01
				870	—	06
				872	—	01
				873	—	32
				874	—	15
				875	—	03
				876	—	14
				885	—	15
				886	—	15
				887	—	18
				889	—	10
				890	—	18
				892	—	20
				893	—	30
				894	—	74
				898	—	57
				899	—	02
				900	—	30
				901	—	70
				918	—	57
				919	—	51
				916	—	07

[सं O-14016/402/85 GP]

S.O. 3506.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.Dis.
1	2	3	4	5	6
Shahjahan-pur	Sadar	Jamour	Simriya-Sahaspur	512	— 27
				529	— 36
				528	— 12
				530	— 86
				531	— 40
				532	— 04
				566	— 05
				567	— 10
				568	— 16
				569	— 19
				600	— 15
				602	— 24
				603	— 30
				604	— 05
				650	— 95
				651	— 55
				851	— 02
				852	— 16
				869	— 01
				870	— 06
				872	— 01
				873	— 32
				874	— 15
				875	— 03
				876	— 14
				885	— 15
				886	— 15
				887	— 18
				889	— 10
				890	— 18
				892	— 20
				893	— 30
				894	— 74
				899	— 57
				898	— 02
				900	— 30
				901	— 70

1	2	3	4	5	6
				918	— 57
				919	— 51
				916	— 07

[No. O-14016/402/85 G.P.]

का. आ. 3507 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	डिसमिल
1	2	3	4	5	6	
शाहजहां-पुर	सदर	कांट	गोपाल-पुर ठठिपुरा	6	1	68
				8	—	34
				651	—	45
				652	—	55
				653	—	12
				650	—	05
				708	—	01
				709	—	02

[सं० O-14106/403/85 जी०पी०]

S.O. 3507.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.	Dismil
1	2	3	4	5	6	
Shahja-hanpur	Sadar	Kant	Gopalpur Thathi-pura	6	1	68
				8	—	34
				651	—	45
				652	—	55
				653	—	12
				650	—	05
				708	—	01
				709	—	02

[No. O-14016/403/85 G.P.]

का. आ. 3508 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहां-पुर	तिलहर	तिलहर	खन्ड-सार	13	0 36
				30	0 02
				31	0 02
				32	0 76
				37/1	0 47
				37/2	0 47
				38	0 01
				39	1 13
				40	0 05
				42	0 01
				44	0 90
				45	0 02
				46	0 02
				47	0 45
				53	0 18
				265	1 02
				266	0 17
				264	0 02
				263	0 02
				260	0 01
				259	1 27
				258	0 13
				257	0 73
				250	0 64
				247	1 40
				286	2 90
				291	0 02
				237	0 02
				238	0 02

[सं–14016/404/85–जी.पी.]

S.O. 3508.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of th's notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project, B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira-Bareily-Jagdishpur Gas pipe Line project.

Distt.	Tahshil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquire
1	2	3	4	5	6
Shahja-hanpur	Tilhar	Tilhar	Khandsar	13	0 36
				30	0 02
				31	0 02
				32	0 76
				37/1	0 47
				37/2	0 47
				38	0 01
				39	1 13
				40	0 05
				42	0 01
				44	0 90
				45	0 02
				46	0 02
				47	0 45
				53	0 18
				265	1 02
				266	0 17
				264	0 02
				263	0 02
				260	0 01
				259	1 27
				258	0 13
				257	0 73
				250	0 64
				247	1 40
				286	2 90
				291	0 02
				237	0 0
				238	0 02

[No. 14016/404/85 G.P.]

का. आ. 3509 :—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी,

भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	डिसमिल
1	2	3	4	5		6
शाहजहां-पुर	सदर	कांट	सिकरहन	108		40
				107		18
				106		03
				110		27
				112		40
				128		11
				149		06
				150		36
				145		20
				144		04
				143		02
				142		05
				159		21
				160		31
				135		09
				161		42
				162		32
				163		05
				165		03
				175		36
				174		17
				171		06
				172		02
				167		05
				169		01
				170		15
				190		39
				189		15
				198		05
				197		53
				238		80
				239		10
				227		41
				228		36
				222		30
				213		55
				214		16
				229		25
				134		02
				168		10
				173		05
				176		05
				195		05
				109		10
				151		01
				158		05
				191		03
				194		03
				224		01
				212		05
				225		05
				116		20
				226		03
				280		18

[सं- 14016/405/85-जी.पी.]

S.O. 3509.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.	Dismal
1	2	3	4	5		6
Shahjahan-pur	Sadar	Kant	Sikarhan	108		40
				107		18
				106		03
				110		27
				112		40
				128		11
				149		06
				150		36

	5	6
	145	20
	144	04
	143	02
	142	05
	159	21
	160	31
	135	09
	161	42
	162	32
	163	05
	165	03
	175	36
	174	17
	171	06
	172	02
	167	05
	169	01
	170	15
	190	39
	189	15
	198	05
	197	53
	238	80
	239	10
	227	41
	228	36
	222	30
	213	55
	214	16
	229	25
	134	02
	168	10
	173	05
	176	03
	195	05
	109	10
	151	01
	158	05
	191	03
	194	03
	224	01
	212	05
	225	05
	116	20
	226	03
	280	18

[14016/05/85—G.P.]

का. आ. 3510 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया रकबा	गया
1	2	3	4	5	6	
शाहजहां-पुर	तिलहर	तिलहन	इकड़ा-पुर	108	1	05
				117	0	58
				119	0	27
				121	0	03
				183	0	45
				184	0	53
				185	0	45
				186	0	06

[सं. O-14016/406/85—जी.पी.]

S.O. 3510.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahja-hanpur	Tilhar	Tiljar	Ekkarapur	108	1 05
				117	0 58
				119	0 27
				121	0 03
				183	0 45
				184	0 53
				185	0 45
				186	0 06

[No. O—14016//85—G.P.]

का. आ. 3511 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	डिसमिल
1	2	3	4	5		6
शाहजहां-	सदर	कांट	बांसखेड़ा	8		45
पुर				9		55
				10		47
				11		26
				25		72
				26		27
				120		08
				124		45
				121		18
				115		28
				113		15
				114		45
				127		20
				132		33
				135		06
				134		05
				136		12
				138		14
				140		12
				139		19
				142		36
1	2	3	4	5		6
शाहजहां-	सदर	कांट	बांसखेड़ा	164		68
पुर				163		58
				424		48
				425		35
				423		30
				394		40
				392		28
				391		38
				395		11
				390		51
				384		11
				389		22
				341		70
				303		15
				302		39
				301		55
				298		12
				12		22
				27		05
				122		06
				165		05
				183		03
				393		03
				383		05
				388		07
				387		03
				304		01
				125		06
				7		10
				1		06
				3		20

[सं.—14916/407/85—जी.पी.]

S.O. 3511.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed herete;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.	Area Acq. Dismil
1	2	3	4	5	6
Shahja-hanpur	Sadar	Kant	Banskheda	8	— 45
				9	— 55
				10	— 47
				11	— 26
				25	— 72
				26	— 27
				123	— 08
				124	— 45
				121	— 18
				115	— 28
				113	— 15
				114	— 45
				127	— 20
				132	— 33
				135	— 06
				134	— 05
				136	— 12
				138	— 14
				140	— 12
				139	— 10
				142	— 36
				164	— 68
				163	— 58
				424	— 48
				425	— 35
				423	— 30
				394	— 40
				392	— 28
				391	— 38
				395	— 11
				390	— 51
				384	— 11
				389	— 22
				341	— 70
				303	— 15
				302	— 39
				301	— 55
				298	— 12
				12	— 22
				27	— 03
				122	— 06
				165	— 05
				183	— 03
				393	— 03
				383	— 05
				388	— 07
				387	— 03
				304	— 01
				125	— 06
				7	— 10
				1	— 06
				3	— 20

[No. 1406/407/85—G.P.]

का. आ. 3512 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उप-योग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उप-योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति-गत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हजीरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहां-पुर	तिलहर	खेड़ा बझेरा	खेड़ारठ	34	0—22
				35	0—48
				36	0—02

[सं. O—14016/408/85—जी.पी.]

S.O. 3512.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahja hanpur	Tilhar	Khera Bajhera	Khera Rath	34	0 22
				35	0 48
				36	0 02

[N. O—14016/408/85—G.P.]

का. आ. 3513 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली,–जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहां-पुर	तिलहर	खेड़ा बझेड़ा	जल्लापुर	13	0—25
				14	0—60
				15	0—25
				16	0—01
				17	0—01
				18	0—70

[सं.—14016/408/85—जी.पी.]

S.O. 3513.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Barelly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahja-hanpur	Tilhar	Khera Baihera	Jallapur	13	0 25
				14	0 60
				15	0 25
				16	0 01
				17	0 01
				18	0 70

[No. 14016/408/25—G.P.]

का. आ. 3514 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहां-पुर	तिलहर	तिलहर	जोधपुर नवदिया	174	0—36
				175	0—70
				177	0—30
				307	0—16
				315	0—60
				316	0—08
				330	0—25
				331	0—10
				332	0—13
				313	0—28

1	2	3	4	5	6
				311	0— 10
				387	0— 50
				389	0— 25
				308	0— 13
				309	0— 20
				394	0— 30
				395	0— 20
				398	0— 16
				399	0— 09
				400	0— 46
				401	0— 18
				407/6	0— 94
				409	0— 08
				410	0— 32
				412	0— 23
				413	0— 14
				414	0— 05
				411	0— 03
				491	0— 52
				492	0— 10
				493	0— 28
				496	0— 54
				169	0— 04
				310	0— 13
				402	0— 01

[सं० 14016/410/85—जी०पी०]

S.O. 3514.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahja-hanpur	Tilhar	Tilhar	Jodhpur Nawadia	174	0 36
				175	0 70
				177	0 30
				307	0 16
				315	0 60
				316	0 08
				330	0 25
				331	0 10
				332	0 13
				313	0 28
				311	0 10
				387	0 50
				389	0 25
				308	0 13
				309	0 20
				394	0 30
				395	0 20
				398	0 16
				399	0 09
				400	0 46
				401	0 18
				407/6	0 94
				409	0 08
				410	0 32
				412	0 23
				413	0 14
				414	0 05
				411	0 03
				491	0 52
				492	0 10
				493	0 28
				496	0 54
				169	0 04
				310	0 13
				402	0 01

[No. 14016/410/85 GP]

का. आ. 3515 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

शर्तें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-

226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल डिसमिल
1	2	3	4	5	6	
शाहजहाँपुर	सदर	कांट	पलहौरा	1818	—	55
				1807	1	02
				1808	—	25
				1806	—	82
				1804	—	35
				1834	—	52
				1835	—	13
				1836	1	02
				1837	—	02
				1737	—	05
				1739	—	24
				1745	—	14
				1738	—	37
				1741	—	04
				1740	—	15
				1666	—	27
				1667	—	30
				1750	—	10
				810	—	08
				811	—	27
				1665	—	10
				812	—	36
				813	—	04
				814	—	04
				815	—	42
				824	—	29
				825	—	87
				826	—	01
				828	—	54
				857	—	27
				838	—	50
				840	—	15
				839	—	84
				841	—	02
				842	—	30
				844	—	50
				843	—	18
				845	—	10
				846	—	20
				849	—	11
				854	—	05
				906	—	11
				255	—	28
				254	—	27
				253	—	21
				251	—	04
				252	—	25
				245	—	14
				247	—	09
				248	—	30
				249	—	02
				233	—	18
				235	—	27
				236	—	26
				237	—	30
				224	—	12
				225	—	22
				226	—	08
				222	—	09
				221	—	39
				220	—	18
				217	—	02
				218	—	34
				219	—	24
				188	—	05
				207	—	04
				208	—	40
				203	—	24
				201	—	25
				202	—	12
				1822	—	30

[सं. 14016/411/85-जी.पी.]

S.O. 3515.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aligang Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargna	Village	Plot No.	Area Acd.	Area Dis.
1	2	3	4	5	6	
Shahja-npur	Sadar	Kant	Palhoura	1818	—	55
				1807	1	0
				1808	—	25
				1806	—	82

1	2	3	4	5	6
Shahjahanpur	Sadar	Kant	Pahoura	1804	— 35
				1834	— 52
				1835	— 13
				1836	1 02
				1837	— 0[illegible]
				1737	— 05
				1739	— 24
				1745	— 14
				1738	— 37
				1741	— 04
				1740	— 15
				1666	— 27
				1667	— 30
				1756	— 10
				810	— 08
				811	— 27
				1665	— 10
				812	— 36
				813	— 04
				814	— 04
				815	— 42
				824	— 29
				825	— 87
				826	— 01
				828	— 54
				837	— 27
				838	— 50
				840	— 15
				839	— 84
				841	— 02
				842	— 30
				844	— 50
				843	— 18
				845	— 10
				846	— 20
				849	— 11
				854	— 05
				906	— 11
				255	— 28
				254	— 27
				253	— 21
				251	— 04
				252	— 25
				245	— 14
				247	— 09
				248	— 30
				249	— 02
				233	— 18
				235	— 27
				236	— 26
				237	— 30
				224	— 12
				225	— 22
				226	— 08
				222	— 09
				221	— 39
				220	— 18
				217	— 02
				218	— 34
				219	— 24
				118	— 05
				207	— 04
				208	— 40
				203	— 24
				201	— 25
				202	— 12
				1822	— 30

[No. O-14016/411/85-GP]

का. आ. 3516 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा	
1	2	3	4	5	6	
शाहजहाँपुर	तिलहर	खेड़ा	बजेड़ामिल्कीपुर	557	0	01
				560	0	30
				561	0	50
				562	0	01

[सं. ओ. 14016/412/85–जी.पी.]

S.O. 3516.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gaspipeline Project

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquire
1	2	3	4	5	6
Shahjahan pur	Tilhar	Khera Bhajera	Milki pur	557	0–01
				560	0–30
				561	0–50
				562	0–50

[No. O-14016/412/85-GP]

का. आ. 3517 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	तिलहर	खेड़ा बझेड़ा	विस-बिरावा	4	0 20
				7	0 02
				8	0 25
				9	0 40
				19	0 02
				30	0 35
				33	0 45
				34	0 01
				38	0 01
				49	0 08
				50	0 30
				52	0 67
				32	0 01

[सं० ओ० 14016/413/85 जी०पी०]

S.O. 3517.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project.

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in Acres
1	2	3	4	5	6
Shahjhanpur	Tilhar	Khera Bajhera	Bis-Birawa	4	0–20
				7	0–02
				8	0–25
				9	0–40
				19	0–02
				30	0–35
				33	0–45
				34	0–01
				38	0–01
				49	0–08
				50	0–30
				52	0–67
				32	0–01

[No. 14016|413|85-GP]

का. आ. 3518 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	तिलहर	खेड़ा बझेड़ा	हेमीपुर	11	0 04
			कौमीपुर	12	0 02
				33	0 28
				34	0 32
				35	0 16
				36	0 12
				198	0 15
				204	0 30
				205	0 20
				206	0 50
				214	0 30
				223	0 40
				222	0 30
				233	0 05
				234	0 10
				235	0 19
				236	0 07
				247	0 20
				248	0 22
				249	0 04
				250	0 09
				251	0 08
				265	0 05
				267	0 01
				268	0 02
				369	0 25
				270	0 10
				271	0 32
				272	0 34
				276	0 33
				277	0 05
				279	0 01
				280	0 20
				281	0 10
				282	0 10
				283	0 10
				284	0 16
				286	0 18
				287	0 25

[सं० ओ० 14016/414/85-जी०पी०]

S.O. 3518.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahjanpur	Tilhar	Kera Bajhera	Hemipur Komipur	11	0-04
				12	0-02
				33	0-28
				34	0-32
				35	0-16
				36	0-12
				198	0-15
				204	0-30
				205	0-20
				206	0-50
				214	0-30
				223	0-40
				222	0-30
				233	0-05
				234	0-10
				235	0-19
				236	0-07
				247	0-20
				248	0-22
				249	0-04
				250	0-09
				251	0-08
				265	0-05
				267	0-01
				268	0-02
				269	0-25
				270	0-10
				271	0-32
				272	0-34
				276	0-33
				277	0-05
				279	0-01
				280	0-20
				281	0-10
				282	0-10
				283	0-10
				284	0-16
				286	0-18
				287	0-25

[No. O. 14016/414/85 G.P.]

का. आ. 3519 :—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	गांव	गाटा सं	लिया गया रकबा (एकड़ में)	
1	2	3	4	5	6	
शाहजहांपुर	तिलहर	तिलहर	बाबापुर	235	0	35
			बुजुर्ग उर्फ	239	0	08
			नगला	240	0	15
				243	0	67
				244	0	64
				246	0	16
				247	0	28
				248	0	02
				249	0	63
				250	0	03

[सं० ओ० 14016/415/85-जी०पी०]

S.O. 3519.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajiara Bareilly Jagdishpur Pipe line Project

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Aarea Acquired in Acres
1	2	3	4	5	6
Shahjanjanpur	Tilhar	Tilhar	Babapur	235	0–35
			Bijurg	239	0–08
			Nagola	240	0–15
				243	0–67
				244	0–64
				246	0–16
				247	0–28
				248	0–02
				249	0–63
				250	0–03

[No. O. 14016/415/85-G.P.]

का. आ. 3520 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा	
1	2	3	4	5	6	
शाहजहांपुर	तिलहर	तिलहर	मझोला	6	1	25
				7	0	49
				8	0	03
				14	0	37
				28	0	21
				29	0	04
				30	0	02
				41	0	02
				42	0	50
				43	0	06
				44	0	41
				53	0	09
				60	0	09
				61	0	55
				62	0	80

[सं० ओ० 14016/416/85-जी०पी०]

S.O. 3520.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas pipe Line Project

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahjahanpur	Tilhar	Tilhar	Majhola	6	1–25
				7	0–49
				8	0–03
				14	0–37
				28	0–21
				29	0–04
				30	0–02
				41	0–02
				42	0–50
				43	0–06
				44	0–41
				53	0–09
				60	0–09
				61	0–55
				62	0–80

[No. O. 14016/416/85-G.P.[

का. आ. 3521 :—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	परगना	तहसील	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहाँपुर	तिलहर	तिलहर	पट्टी बिसरा	187	0 22
				188	0 50
				186	0 87
				177	0 04
				178	0 01
				179	0 01
				180	0 01
				181	0 01
				174	0 75
				172	0 34
				76	0 52
				75/1	0 52
				75/2	0 54
				69	0 47
				22	0 52
				23	0 42
				25	0 11
				26	0 51
				28	0 25
				29	0 28
				65	0 37
				64	0 15
				44	0 03
				45	0 15
				46	0 16
				63	0 32
				60	0 15
				61	0 19
				48	0 02
				49	0 16
				51	0 06
				52	0 01
				62	0 07
				182/1	0 03
				77	0 06
				76/199	0 04
				27	0 06
				50/1	0 02
				30	0 25

[सं॰ ओ॰ 14016/416/35-जी॰पी॰]

S.O. 3521.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline,i it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahjahan-pur	Tilhar	Tilhar	Pathi Bokra	187	0-22
				188	0-50
				186	0-87
				177	0-04
				178	0-01
				179	0-01
				180	0-01
				181	0-01
				174	0-75
				172	0-34
				76	0-52
				75/1	0-52
				75/2	0-54
				69	0-47
				22	0-52
				23	0-42
				25	0-11
				26	0-51
				28	0-25
				29	0-28
				65	0-37
				64	0-15
				44	0-03
				45	0-15
				46	0-16
				63	0-32
				60	0-15
				61	0-19
				48	0-02
				49	0-16
				51	0 06
				52	0-01
				62	0-07
				182/1	0-03
				77	0-06
				76/199	0-04
				27	0-06
				50/1	0-02
				30	0-05

[No. O. 14016/417/85-G.P.]

का. आ. 3522 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा, बरेली, जगदीशपुर गैस पाइपलाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा	
1	2	3	4	5	6	7
शाहजहां-पुर	तिलहर	तिलहर	साहम-पुर	4	0	23
				5	0	35
				6	1	17
				12	0	32
				13	0	70
				18	0	59
				22	0	55
				21	0	01

[सं० ओ० 14016/418/85-जी०पी०]

S.O. 3522.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 5 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Shahjahan-pur	Tilhar	Tilhar	Sahampur	4	0-23
				5	0-35
				6	1-17
				12	0-32
				13	0-70
				18	0-59
				22	0-55
				21	0-01

[No. O-14016/418/85-GP]

का. आ. 3523.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 (यू.पी.) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	तिलहर	तिलहर	दिया खेड़ा	69	1 50
				67	0 03
				66	0 12
				64/3	2 38
				64/87	0 11
				55	0 33
				49	0 25
				56	0 01
				57	0 54
				54	0 01
				58	0 16
				47	0 09
				59	0 30
				46	0 08
				48	0 14
				83	0 13

[सं० O-14016/419/85-जीपी]

S.O. 3523.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly to-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Teshil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in Acres
Shajahan-pur	Tilhar	Tilhar	Dia khera	69	1-50
				67	0-03
				66	0-12
				64/3	2-38
				64/87	0-11
				55	0-33
				49	0-25
				56	0-01
				57	0-54
				54	0-01
				58	0-16
				47	0-09
				59	0-30
				46	0-08
				48	0-14
				83	0-13

[No. O-14016/419/85-G.P.]

का. आ. 3524 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 (यू. पी.) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	तिलहर	खेड़ा बसेड़ा	नबाबा	1	1 25
				11	0 01
				14	0 94

1	2	3	4	5	6
				52	1 05
				56	0 07
				76	0 15
				75	1 05
				74	0 40
				73	0 11
				72	0 11
				71	0 11
				70/1	0 30
				70/2	0 30

[सं. O-14016/420/85-जी. पी.]

S.O. 3524.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020 (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
Shahja-hanpur	Tilhar	Khera Bajhera	Navada	1	1-25
				11	0-01
				14	0-94
				52	1-05
				56	0-07
				76	0-15
				75	1-05
				74	0-40
				73	0-11
				72	0-11
				71	0-11
				70/1	0-30
				70/2	0-30

[No. O 14016/420/85-G.P.]

का. आ. 3525.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 (यू. पी.) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा - बरेली - जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
शाह-	तिलहर	तिलहर	जग-	151	0 42
जहांपुर			न्नाथपुर	154	1 08
				153	0 40
				205	0 50
				206	0 25
				207	0 04
				210	0 08
				213/1	0 73
				214	0 25
				215	0 21
				216	0 62
				149	0 05
				184	0 02
				198	0 05

[सं० O-14016/421/85-जी-पी]

S.O. 3525.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020, (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Acquired (in acres)
1	2	3	4	5	6
Shahjahan-pur	Tilhar	Tilhar	Jaganna-thpur	151	0-42
				154	1-08
				153	0-40
				205	0-50
				206	0-25
				207	0-04
				210	0-08
				213/1	0-73
				214	0-25
				215	0-21
				216	0-62
				149	0-05
				184	0-02
				198	0-05

[No. O-14016/421/85-G.P.]

का. आ. 3526.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा- बरेली - जगदीशपुर, गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या		लिया गया रकबा (एकड़ में)	
1	2	3	4	5		6	
शाह-	तिलहर	तिलहर	मोहम्मद	7		0	84
जहांपुर			पुरहरा	31		0	90
				29		0	10
				30		0	28
				20		0	85
				21		0	70
				23		0	30
				80		0	60
				79		0	90
				78		1	65
				193		0	37
				194		0	23
				198		0	65
				17		0	16
				27		0	03
				93		0	15
				92		0	22
				12		0	03
				13		0	02
				197		0	10

[सं० O-14016/422/85-जी.पी.]

S.O. 3526.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification., object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in Acres
1	2	3	4	5	6
Shahjhan-	Tilhar	Tilhar	Moham-	7	0-84
pur			mad pur	31	0-90
			Hara	29	0-10
				30	0-28
				20	0-85
				21	0-70
				23	0-30
				80	0-60
				79	0-90
				78	1-65
				193	0-37
				194	0-23
				198	0-65
				17	0-16
				27	0-03
				93	0-15
				92	0-22
				12	0-02
				13	0-02
				197	0-10

[No. O-14016/422/85 G P]

का. आ. 3527.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा- बरेली - जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट ।

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या		लिया गया रकबा (एकड़ में)	
1	2		4	5		6	
शाह-	तिलहर	तिलहर	फतेह	2		0	79
जहांपुर			गैसरा	8		0	39
				5		0	94
				6		0	56
				7		0	05
				1		0	05

[सं० O-14016/422/85-जी.पी.]

S.O. 3527.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in Acres
1	2	3	4	5	6
Sahjahan-pur	Tilhar	Tilhar	Fatehpur Garra	2	0-79
				8	0-39
				5	0-94
				6	0-56
				7	0-05
				1	0-05

[No. O-14016/423/85-G.P.]

का. आ. 3528.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा- बरेली - जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या		लिया गया रकबा (एकड़ में)	
1	2	3	4	5		6	
शाहजहांपुर	तिलहर	तिलहर	सलेमपुर खुर्द	1		0	08
				2		0	30
				3		0	07
				4		0	01
				9		0	01
				10		0	20
				11		0	18
				12		0	05
				13		0	40
				14		0	15
				15		0	02
				116		0	60
				117		0	03
				115/220		0	10

[सं० O-14016/424/85-जी. पी.]

S.O. 3528.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in acres
Sahjahan-pur	Tilhar	Tilhar	Salemour Khurd	1	0-08
				2	0-30
				3	0-07
				4	0-01
				9	0-01
				10	0-20
				11	0-18
				12	0-05
				13	0-40
				14	0-15
				15	0-02
				116	0-60
				117	0-03
				115/220	0-10

[No. O-14016/424/85-G.P.]

का. आ. 3529.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
शाहजहांपुर	तिलहर	खेड़ा बझेड़ा	ताहरपुर जादोपुर	138	0-08
				139	0-01
				141	0-96
				142	0-01
				140	0-01
				147	0-10
				148	0-18
				149	0-03
				150	0-50
				151	0-24
				152	0-45
				153	0-17
				183	0-03
				184	0-03
				185	0-03
				202	0-20
				203	0-18
				204	0-03
				205	0-70

[सं० O-14016/425/85- जी०पी०]

S.O. 3529.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly-Jagdishpur in Uttar Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired in acres
1	2	3	4	5	6
Shahjan-pur	Tilhar	Khera Bojhara	Toharpur Jadopur	138	0-08
				139	0-01
				141	0-96
				142	0-01
				140	0-01
				147	0-10
				148	0-18
				149	0-03
				150	0-50
				151	0-24
				152	0-45
				153	0-17
				183	0-03
				184	0-03
				185	0-03
				202	0-20
				203	0-18
				204	0-03
				205	0-70

[No. O-14016/425/85-G. P.]

का. आ. 3530.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	लिया गया रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
शाहजहां-पुर	तिलहर	खेड़ा बझेड़ा	अग-रौला	3एम	0-19
				7	0-45
				8	0-26
				9	0-13

1	2	3	4	5	6
				10	0-25
				14	0-08
				17	0-33
				18	0-05
				19	0-03
				24	0-06
				25	0-04
				26	0-30
				28	0-02
				29	0-32
				30	0-09
				37	0-68

[सं. O-14016/426/85-जी.पी.]

S.O. 3530.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Gas pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired in Acers
1	2	3	4	5	6
Shahjahan-pur	Tilhar	Khera Gujura	Agrola	3M.	0 19
				7	0-45
				8	0-26
				9	0-13
				10	0-25
				14	0-08
				17	0-33
				18	0-05
				19	0-03
				24	0 06
				25	0-04
				26	0-30
				28	0 02
				29	0-32
				30	0-09
				37	0-68

[No. O-14016/426/85-G.P.]

का. आ. 3531 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद् उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

शर्तें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच. बी. जे. पाईप लाइन 45, गुलाब नगर सांवेर रोड, उज्जैन (म. प्र.) 456001 को इस अधिसूचना की तारीख 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम इंदौर तहसील ईसागढ़ जिला-गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

क्रम सं.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	1997	0.042
2.	1980/3	0.084
3.	1832/2	0.063
4.	1831	0.178
5.	1820	0.282
6	1819	0.219
7.	1821	0.146
8	1823	0.240
9	1814	0.345
10.	1792	0.502
11	1793	--
12	1794	--
13.	1795	--
14.	1789	0.523
15.	1798	0.219
16.	1801	0.272
17	1803	0.199
18	1778	0.219
19	1776	0.115
20.	1519	0.345
21.	1736	0.010
22	1520	0.324

1	2	3
23.	1521	0.303
24.	1531	0.105
25.	1530	0.439
26.	1534	0.010
27.	1535	0.387
28.	1541	0.355
29.	1484	0.063
30.	1494/1	0.418
31.	1394/2	0.512
32.	1394/3	0.157
33.	1393/1	0.021
34.	1380/1	0.627
35.	1374	0.376
36.	1368	0.042
37.	1367	0.042
38.	184	0.732
39.	202	0.031
40.	200/4	0.272
41.	236	0.021
42.	234	0.188
43.	227	0.314
44.	286/3ख	0.021
45.	229	0.125
46.	286/1	0.031
47.	286/3घ	0.178
48.	286/3ग	0.209
49.	302/1	0.178
50.	303	0.387
51.	304	0.105
52.	305	0.042
53.	306	0.658
54.	321	0.136
55.	332/1	0.219
56.	348	0.240
57.	349	0.005
58.	352/1	0.094
59.	353	0.021
60.	360	0.105
61.	355	0.094
62.	356	0.209
63.	359	0.261
64.	373	0.251
65.	374	0.282
66.	403	0.178
67.	402	0.167
68.	389	0.157
69.	388	0.209
70.	383	0.011
71.	385	0.105
72.	384	0.199
73.	1982	0.031
74.	1980/2	0.401
75.	1972/2843	0.157
76.	1817/2	0.021
77	1818	0.021
78.	1802	0.031
79	1538	0.084
80.	1395/2	0.272
81.	1392/1	0.094
82	1560	0.063
83.	1380/2	0.011
84	1377	0.272
85	1375	0.272
86.	181/1	0.042
87.	180/2	0.063
88	183	0.742
89.	186/1	0 722
90.	187	0.021
91.	199	0.084
92.	237	0 366
93.	238	0.105
94.	233	0.230
95.	228	0.382
96.	230	0 115
97.	284	0.021
98.	308	0.042
99.	307	0.031
100.	333	0.188
101.	347	0.021
102.	345	0.136
103.	344/2क	0.073
104.	371	0.042
105.	401	0.031
106.	394/2	0.052
107.	395	0.063
108.	182/01	0.021
109.	393/मी.	0.178
110.	393/मी.	0.136
111.	181/2	0.314
112.	1981	0.293
113.	1973/3	0.084
114.	185/2	0.021
योग :—कुल क्षेत्रफल		21.048

[सं. 14016/427/85 जी पी]

S.O. 3531.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Madhya Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, BBJ Gas Pipeline, 45 Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an object shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Indore, Tehsil : Isagarh, Distt : Guna, State Madhya Pradesh

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	1997	0.042
2.	1980/3	0.084
3.	1832/2	0.063
4.	1831	0.178
5.	1820	0.282
6.	1819	0.219
7.	1821	0.146
8.	1823	0.240
9.	1814	0.345
10.	1792	
11.	1793	0.502
12.	1794	
13.	1795	
14.	1789	0.523
15.	1798	0.219
16.	1801	0.272
17.	1803	0.199
18.	1778	0.219
19.	1776	0.115
20.	1519	0.345
21.	1775	0.010
22.	1520	0.324
23.	1521	0.303
24.	1531	0.105
25.	1530	0.439
26.	1534	0.010
27.	1535	0.387
28.	1541	0.355
29.	1484	0.063
30.	1394/1	0.418
31.	1394/2	0.512
32.	1394/3	0.157
33.	1393/1	0.021
34.	1380/1	0.627
35.	1374	0.376
36.	1368	0.042
37.	1367	0.042
38.	184	0.732
39.	202	0.031
40.	200/4	0.272
41.	236	0.021
42.	234	0.188
43.	227	0.314
44.	286/3 (KH)	0.021
45.	229	0.125
46.	286/1	0.031
47.	286/3 (DH)	0.178
48.	286/3 (C)	0.209
49.	302/1	0.178
50.	303	0.387
51.	304	0.105
52.	305	0.042
53.	306	0.658
54.	321	0.136
55.	332/1	0.219
56.	348	0.240
57.	349	0.005
58.	352/1	0.094
59.	353	0.021
60.	360	0.105
61.	355	0.094
62.	356	0.209
63.	359	0.261
64.	373	0.251
65.	374	0.282
66.	403	0.178
67.	402	0.167
68.	389	0.157
69.	388	0.209
70.	383	0.011
71.	385	0.105
72.	384	0.199
73.	1982	0.031
74.	1980/2	0.481
75.	1972/2843	0.157
76.	1817/2	0.021
77.	1818	0.021
78.	1802	0.031
79.	1536	0.084
80.	1395/2	0.272
81.	1392/1	0.094
82.	1560	0.063
83.	1380/2	0.011
84.	1377	0.272
85.	1375	0.272
86.	181/1	0.042
87.	180/2	0.063
88.	183	0.742
89.	186/1	0.722
90.	187	0.021
91.	199	0.084
92.	237	0.366
93.	238	0.105
94.	233	0.230
95.	228	0.382
96.	230	0.115
97.	284	0.021
98.	308	0.042
99.	307	0.031
100.	333	0.188
101.	347	0.021
102.	345	0.136
103.	344/2 K	0.073
104.	371	0.042
105.	401	0.031
106.	394/2	0.052
107.	395	0.063
108.	182/01	0.021
109.	393/M.	0.178
110.	393/M.	0.136
111.	181/2	0.314
112.	1981	0.293
113.	1973/2	0.084
114.	185/2	0.021
	TOTAL AREA	21.048

[No. O-14016/427/85-G.P.]

का. आ. 3532.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 659 तारीख 16-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : दावोदा : तहसील : चाचौड़ा जिला गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1	435	0.209
2	416	0 178
3	471	0.105
4.	470	0.105
5.	466	0.679
6.	465	0.167
7	460/1/1	0.147
8.	463/1	0 261
9.	463/3	0.314
10.	458	0 397
11.	459	0.461
12.	449	0.052
13	545	0.063
14.	547	0.481
15.	559	0.031
16	553	0.031
17.	557	0.502
18	573	0.042
19	575	0.125
20.	555	0.042
21.	556	0.125
22.	577	0.021
23.	578	0.042
24.	596	0.084
25.	602	0.219
26.	598	0.229
27.	576	0.230
28.	58/1698	0.157
29.	599	0.031
30.	600	0.126
31.	378	0.042
32.	1567	0.240
33.	957	0.084
34.	958	0.136
35.	959/1	0.188
36.	956	0.073
37.	930	0.188
38.	932	0.188
39.	929	0.094
40.	966	0.052
41.	1547	0.115
42.	1546	0.188
43	1519/1	0.073
44	1373/2	0.282
45	1376	0.324
46.	1377	0.157
47.	1378/1	0.021
48	1309	0 105
49.	1310	0.052
50.	1313/5ख	0.261
51.	1314	0 105
52.	1316	0.105
53	1320	0.105
54	1224/2	0.439
55.	1222	0.146
56.	1226	0.167
57.	1228	0.282
58	1231	0.366
59.	1237/1	0.010
60.	1293/1	0.021
61.	595	0.021
62.	1568/1	0.021
63.	959/2	0.084
64.	959/3	0.031
65	959/4	0.021
66.	959/5	0.031
67.	962	0.005

1	2	3
68	1313/5 ग	0.188
69.	1313/5 ङ	0.125
70	1313/4/1	0 031
71.	1218	0.042
72	1219	0 094
73.	1221	0.105
74.	1225	0 052
75.	1210/2	0 063
76	1229	0 005
77.	948	0.052
78	1339	0 031
	योग कुल क्षेत्रफल :	11.257

[सं. O-14016/54/85-जी० पी०]

S.O. 3532.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 659 dated 16-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Chachoda Tehsil : Chachoda Distt. : Guna

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	435	0.209
2.	416	0.178
3.	471	0.105
4.	470	0.105
5.	466	0.679
6.	465	0.167
7.	460/1/1	0.147
8.	462/1	0.261
9.	462/3	0.314
10.	458	0.397
11.	459	0.461
12.	449	0.052
13.	545	0.063
11	547	0.481
15.	559	0.031
16.	558	0.031
17.	557	0.502
18.	573	0.042
19.	575	0.125
20.	555	0.042
21.	556	0.125
22.	577	0.021
23.	578	0.042
24.	596	0.084
25.	602	0.219
26.	598	0.219
27.	576	0.230
28.	598/1698	0 157
29.	599	0.031
30.	600	0.126
31.	378	0.042
32.	1567	0.240
33.	957	0.084
34.	958	0.136
35.	959/1	0.188
36.	956	0.073
37.	930	0.188
38.	932	0.188
39.	929	0.094
40.	966	0.052
41.	1547	0.115
42.	1546	0.188
43.	1519/1	0 073
44.	1373/2	0.282
45.	1376	0.324
46.	1377	0.157
47.	1378/1	0.021
48.	1309	0.105
49.	1310	0.052
50.	1313/5 KH	0.261
51.	1314	0 105
52.	1316	0.105
53.	1320	0.105
54.	1224/2	0.439
55.	1222	0.146
56.	1226	0.167
57.	1228	0.282
58.	1231	0.366
59.	1237/1	0.010
60.	1293/1	0.021
61.	595	0.021
62.	1568/1	0.021
63.	959/2	0.084
64.	959/3	0.031
65.	959/4	0.021
66.	959/5	0.031
67.	962	0.005
68.	1313/5 G	0 188
69.	1313/5 D	0.125
70.	1313/4/1	0 031
71.	1218	0.042
72.	1219	0 094
73.	1221	0 105
74.	1225	0 052
75.	1210/2	0 063
76.	1229	0.005
77.	948	0.052
78.	1339	0.031
	Total Area	11 257

[No. O-14016/54/85-G[.P.

का.आ. 3533.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की* अधिसूचना का०आ० सं० 568 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम हारुखेड़ी तहसील तराना जिला उज्जैन राज्य (म. प्र.)

अनु क्र०	सर्वे नं.	उपयोग का क्षेत्र (हैक्टर में)
1	2	3
1.	51	0.027
2.	59	0.020
3.	60	0.121
4.	61	0.283
5.	62	0.050
6.	63	0.462
7.	64	0.012
8.	65	0.015
9.	66	0.040
10.	47	0.243
11.	48	0.165
12.	45/2/3	0.057
13.	44	0.648
14	55/1/3	0.060
15.	55/2/2	--
16	86	0.048
17.	87	0.048
18.	85	0.283
19	93	0.050
20.	88	0.050
21.	89	0.050
22	90	0.393
23.	97	0.391
24.	84	0.028
25	83/2	0.026
26.	80	0.040
27.	119	0.020
28.	22/3	0.012
29.	43	0.012
30.	46	0.121
	योग कुल क्षेत्रफल :—	3.778

[सं. O-14016/15/85-जीपी]

S.O. 3533.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 568 dated 9-2-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

[No.O-14016/15/85-G.P.]

SCHEDULE

HBJ Gas Pipeline Project

Village : Harukheri, Tehsil, Tarana, Distt : Ujjain (M.P.)

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	1	0.027
2.	59	0.020
3.	60	0.121
4.	61	0.283
5.	62	0.050
6.	63	0.462
7.	64	0.012
8.	65	0.015
9.	66	0.040
10.	47	0.243
11.	48	0.165
12.	45/2/3	0.057
13.	44	0.648
14.	55/1/3	0.060
15.	55/2/2	—
16.	86	0.048
17.	87	0.048
18.	85	0.283
19.	93	1.050
20.	88	0.050

1	2	3
21.	89	0.050
22.	90	0.393
23.	97	0.394
24.	84	0.028
25.	83/2	0.026
26.	80	0.040
27.	119	0.020
28.	22/3	0.012
29.	43	0.012
30.	46	0.121
Total Area		3778

[No. O-14016/15/85-GP]

का. आ. 3534:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 573 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

एच बी जे. गैस पाईप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : रेहवार, तहसील तराना जिला उज्जैन राज्य (म. प्र.)

क्रम सं.	खसरा नं	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	349	0.108
2.	351	0.071
3.	352/1/1/1	0.060
4.	350	0.018
5	234	0.120
6.	233/1	0.366
7.	229	0.080
8.	232/1	0.300
9.	346	0.010
10.	348/1/2	0.046
11.	352/1/2	0.060
12.	232/2	0.060
13	352/1/4	0.060
14	233/2	0.025
	योग कुल क्षेत्रफल —	1.114

[सं. O 14016/20/85 जी.पी.]

S.O. 3534.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 573 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Rohwari Tehsil : Tarana Distt : Ujjain

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	349	0.108
2.	351	0.071
3.	352/1/1/1	0.060

1	2	3
4.	350	0.048
5.	234	0.120
6.	233/1	0.366
7.	229	0.080
8.	232/1	0.300
9.	346	0.010
10.	348/1/2	0.046
11.	325/1/2	0.060
12.	232/2	0.060
13.	253/1/4	0.060
14.	233/2	0.025
Total Suivey		1.414

[No. O-1406/20/85 G. P.]

का०आ० 3535.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का०आ०सं. 874 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों का बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम मालनाखेडी तहसील नराना जिला उज्जैन, राज्य (मध्यप्रदेश)

अनुसूची

अनु क.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	200/245	0.012
2.	227	0.090
3.	219	0.048
4.	220/1	0.025
5.	225	0.150
6	222	0.025
7.	209	0.216
8.	210	0.096
9.	234/1	0.310
10	224	0.180
11.	179	0.402
12.	180	0.048
13.	149/2	0.012
14	148/1	0.058
15.	149/1	0.072
16.	147	0.130
17	151	0.045
18.	140	0.187
19.	137/1	0.138
20	137/2	0.132
21	146	0.131
22.	135/1	0.015
23	136	0.026
24	130	0.045
25.	128	0.210
26.	223	0.016
27.	226	0.018
28	143	0.012
29	127	0.024
30	157/1	0.024
31.	126	0.010
32.	124	0.103
33.	124/143	0.024
34.	129	0.040
35.	150	0.192
36.	152	0.015
37	144/1/1/3	0.026
38.	131	0.060
	योग कुल क्षेत्रफल .	3.906

[सं० O-14016/21/85 जीपी०]

S.O. 3535.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 574 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas he Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Salanakheri, Tehsil : Tarana, Distt : Ujjain (M.P.)

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	200/245	0.012
2.	227	0.090
3.	219	0.048
4.	220/1	0.025
5.	225	0.150
6.	222	0.025
7.	209	0.210
8.	210	0.096
9.	234/1	0.810
10.	224	0.180
11.	179	0.402
12.	180	0.048
13.	140/2	0.012
14.	148/1	0.058
15.	149/1	0.072
16.	147	0.180
17.	151	0.045
18.	140	0.187
19.	137/1	0.138
20.	137/2	0.132
21.	146	0.121
22.	135/1	0.015
23.	136	0.026
24.	130	0.045
25.	128	0.210
26.	223	0.016
27.	226	0.018
28.	153	0.012
29.	127	0.024
30.	157/2	0.024
31.	126	0.010
32.	124	0.108
33.	124/243	0.024
34.	129	0.040
35.	150	0.192
36.	152	0.015
37.	144/1/1/3	0.026
38.	131	0.060
Total Area		3.906

[No. O-14016/21/85-G.P.]

का. आ. 3536.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 594 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम बुखारी तहसील तराना जिला उज्जैन राज्य (मध्यप्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	सर्वे नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	56	0.180
2.	116	0.243
3.	55	0.330
4.	65	0.483
5.	66	0.024
6.	104	0.014
7.	105	0.012
8.	50	0.130
9.	51	0.170
10.	53	0.057
11.	119/1/1/1	0.048
12.	54	0.275
13.	108	0.048
14.	109	0.081
15.	107	0.089
16.	110	0.030
17.	115	0.020
18.	115/215	0.249
19	35	0.013
20	106	0.080
21.	113	0.012
	योग : कुल क्षेत्रफल	3.587

[सं० O-14016/36/85-जी०पी०]

S.O. 3536.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 593 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 5 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power confered by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bukhari Tehsil : Tarana Distt : Ujjain State (M.P.)

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	56	0.180
2.	116	0.243
3.	55	0.330
4.	65	0.483
5.	66	0.074
6.	104	0.014
7.	105	0.012
8.	50	0.130
9.	51	0.170
10.	53	0.057
11.	119/1/1/1	0.038
12	54	0.275
13.	108	0.038
14.	109	0.081
15.	107	0.089
16.	110	0.030
17.	115	0.070
18.	115/215	0.249
19.	35	0.017
20.	106	0.080
21.	117	0.012
Total Area		2 587

[No. O-14016|36|85-G.P.]

का. श्रा. 3537—यत: पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की श्रधिसूचना का. श्रा. सं. 869 तारीख 2-3-85 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए श्रर्जित करने का श्रपना श्राशय घोषित कर दिया था।

श्रौर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रौर श्रागे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रर्जित करने का विनिश्चय किया है।

श्रब, श्रत: उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्रर्जित किया जाता है।

श्रौर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मे निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाश्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट,

ग्राम ध्यावला तहसील भाण्डेर जिला ग्वालियर राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार का अर्जन क्षेत्र (हैक्टर में)
1.	48	0.072
2.	47	0.244
3.	46	0.072
4.	3	0.032
5	15	0 014
6	1	0.795
7	9	0.035
8	8	0 248
9.	7	0.031
10.	5	0.013
11	12	0.572
12.	26	0.382
13	25	0.016
14.	27	0.036
15.	24	0 031
16.	33	0.600
17.	22	0 169
18.	21	0.002
19.	20	0 112
20	158	0.072
	योग : कुल क्षेत्रफल	3.605

[सं० O 14016/84/85/ जी०पी०]

S.O. 3537.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 868 dated 2-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Piyaval Tehsil : Bhander Distt: Gwalior

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	48	0.072
2.	47	0.244
3.	46	0.072
4.	3	0.032
5.	45	0.014
6.	4	0.795
7.	9	0.035
8.	8	0.248
9.	7	0.031
10.	5	0.013
11.	12	0.572
12.	26	0.382
13.	25	0.046
14.	27	0.036
15.	24	0.031
16.	23	0.600
17.	22	0 169
18.	21	0.002
19.	20	0 117
20.	158	0 072
Total Area		3 695

[No. O-14016|84|85-G.P.]

का आ. 3538.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 869, तारीख 2-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अब केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम पियवली तहसील दतिया जिला-दतिया राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर में)
1.	521	0.181
2	524	0 020
3	522	0.020
4.	523	0.123
5	516	0.025
6	563	0.131
7.	561	0.065
8.	565	0.002
9.	566	0.149
10.	570	0.121
	योग :—कुल क्षेत्रफल	0 837

[सं० O-14016/85/85/जी०पी०]

S.O. 3538.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 869 dated 2-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Ghiwlani Tehsil : Datia Distt. Datia

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	521	0.181
2.	522	0 020
3.	522	0 020
4.	527	0 123
5.	516	0 0.5
6.	563	0 131
7.	564	0 065
8.	565	0.002
9.	566	0 149
10.	570	0.121
	Total Area	0 837

[F.No. O-14016-85/86 G.P.]

का.आ. 3539.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1120 तारीख 16-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

482GI/85—10

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : कांकड़ तहसील : अशोकनगर जिला : गुना राज्य (मध्यप्रदेश)

अनुसूची

अनुक्रम	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1	65	0.157
2.	66	0.031
3	67	0.157
4	68	0 221
5.	72	0.072
6.	101/2	0.105
7	102	0.185
8	148	0.081
9	347	0.052
10	149	0.578
11	150	0.157
12.	152	0.282
13.	151	0.209
14	210	0.105
15.	156	0.126
16.	157	0.031
17.	158	0 031
18.	159	0.186
19	160	0 031
20.	161	0.052
21	162	0.126
22.	207	0.021
23	165	0.157
24	164	0.052
25.	167	0.260
26.	209	0.020
27.	208/2	--
28.	168	0.052
29.	163	0.021
30	175/1290	0.470
31.	180	0.010
32	165	0.010
33.	166	—
34.	177	—
35.	178	-
36.	179	--
37.	431	0.063
38	192	0.010
39.	193	—
40.	360/2	0.052
41.	358	0.010
42	391	0.042
43.	175/2	0.157
44.	348	0.458
45	353	0 010
46.	354	0 013

1	2	3
47.	355	0.105
48.	356	0.010
49.	357	0.168
50.	359	0.100
51.	172	0.051
52.	176	0.052
	योग : --कुल क्षेत्रफल	5.372

[फा०सं० O-14016/140/85-जी०पी०]

S.O. 3539.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1120 dated 16-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Secion (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Kankad Teshil : Ashok Nagar Distt : Guna

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	65	0.177
2.	66	0.031
3.	67	0.157
4.	68	0.221
5.	72	0.072
6.	101/2	0.105
7.	102	0.185
8.	148	0.084
9.	347	0.052
10.	149	0.578
11.	150	0.157
12.	152	0.282
13.	154	0.209
14.	210	0.105
15.	156	0.126
16.	157	0.031
17.	158	0.031
18.	159	0.186
19.	160	0.031
20.	161	0.052
21.	162	0.126
22.	207	0.021
23.	165	0.157
24.	164	0.052
25.	167	0.260
26.	209	0.020
27.	208/2	—
28.	168	0.052
29.	163	0.021
30.	175/1290	0.470
31.	180	0.010
32.	165	0.010
33.	166	—
34.	177	—
35.	178	—
36.	179	—
37.	431	0.063
38.	192	0.010
39.	193	—
40.	360/2	0.052
41.	358	0.010
42.	381	0.042
43.	175/2	0.157
44.	348	0.458
45.	353	0.010
46.	354	0.013
47.	355	0.105
48.	356	0.010
49.	357	0.168
50.	359	0.100
51.	172	0.051
52.	176	0.052
	Total Area	5.372

[F. No. O-14016/140/85-G.P.]

का. आ. 3540—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं० 1122 तारीख 16-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : ज्ञानपुर तहसील : अशोकनगर जिला : गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु० क्र०	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	523	0.564
2.	526	0.240
3.	521/3	0.366
4.	520	0.366
5.	517	0.505
6	518	—
7.	512	0.575
8	513	—
9	321	0.052
10	504	0.209
11.	499	0 230
12.	503	0.052
13.	495	0.230
14.	493	0.160
15	494	—
16	479	0.063
17.	475	0.136
18.	476	—
19.	472	0 648
20.	473/1	0.355
21.	473/2	0.094
22.	324	0.021
23.	325/2	0.209
24.	318	0.261
25.	317	0.010
26.	316	0.439
27.	315/3	0.376
28.	326/3	0 366
29.	502/2	0 115
30.	524	0.136
31.	505	0 230
32.	506	—
33.	519	0.010
34.	489	0.021
35	478	0.010
36.	477	0.010
37.	326/4	0 010
38.	501	0.203
39.	502/1	—
40	314	0.010
	योग —कुल क्षेत्रफल	7 609

[फा०सं० O-14016/142/85-जी०पी०]

S.O. 3540.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1122 dated 16-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Gyanpur Tehsil : Ashoknagar Distt : Guna

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1.	523	0 564
2.	526	0.240
3.	521/3	0.366
4.	520	0.366
5.	517	0.505
5.	518	—
7.	512	0.575
8.	513	—
9.	321	0.052
10.	504	0.209
11.	499	0.230
12.	503	0 052
13.	495	0.230
14.	493	0.460
15.	494	—
16.	479	0 063
17.	475	0.136
18.	476	—
19.	472	0.648
20.	473/1	0.355
21.	473/2	0.094
22.	324	0.021
23.	325/2	0.209
24.	318	0.261
25.	317	0.010
26.	316	0 439
27.	315/3	0.376
28.	326/3	0 366
29.	502/2	0.115
30.	524	0.136
31.	505	0.230
32.	506	—
33.	519	0.010
34.	489	0.021
35.	478	0.010
36.	477	0 010
37.	326/4	0 010
38.	501	0 203
39.	502/1	—
40.	314	0 010
	Total Area	7 609

[F. No. O-14016/142/85-G P.]

का.आ. 3541.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 1252 तारीख 23-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : कोटरा तहसील : राघोगढ़ जिला : गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	9	0.209
2.	10	0.105
3.	11	0.127
4.	15/1	0.052
5.	16	0.141
6.	17	0.271
7.	18	0.345
8.	22	0.031
9.	23	0.637
10.	34	0.370
11.	37	0.219
12.	39	0.081
13.	8	0.261
	योग :—कुल क्षेत्रफल	2.489

[फा० सं० O-14016/145/85 जी० पी०]

S.O. 3541.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1252 dated 23-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Kotara Tehsil : Raghogarh Distt. : Guna

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1.	9	0.209
2.	10	0.105
3.	11	0.127
4.	15/1	0.052
5.	16	0.141
6.	17	0.271
7.	18	0.345
8.	22	0.031
9.	23	0.637
10.	34	0.370
11.	37	0.219
12.	39	0.081
13.	8	0.261
	Total Area	2.849

[F. No. O-14016/145/85-G.P.]

का.आ. 3542—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 1253 तारीख 23-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न

अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम चेटावरी तहसील राघोगढ़ जिला—गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	1/5	0.314
2.	1/6	0.031
	योग :— कुल क्षेत्रफल	0.345

[सं० ओ-14016/146/85-जी. पी.]

S.O. 3542.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1253 dated 23-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Chetawari Tehsil : Raghogarh Distt. : Guna

Schedule

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	1/5	0.314
2.	1/6	0.031
	Total Area	0.345

[No. O-14016-146/85-G.P.]

का. आ. 3543.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1302 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम पगारा तहसील राघोगढ़ जिला गुना राज्य मध्य प्रदेश

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	37/1	0.073
2.	38	0.073
3.	39	0.293
4.	40/3	0.314
5.	40/5	0.093
6.	40/6	0.564
7.	40/7	0.345
8.	41	0.314
9.	42	0.169
10.	100	0.042
11.	101/3	0.314
12.	104	0.554
13.	287/5	0.480
14.	289	0.010
15.	309	0.073
16.	328	0.449

1	2	3
17.	330	0.031
18.	40/9	0.021
19.	43	0.010
20.	102	0.063
21.	105	0.084
22.	110/9	0.063
23.	290/1	0.042
24.	290/2	0.125
25.	335	0.199
26.	336	0.021
27.	331	0.292
28.	333	0.303
29.	337/1	0.199
30.	338	0.167
31.	352	1.630
32.	354	0.575
33.	351	2.633
	योग :– कुल क्षेत्रफल	10.618

सं० ओ०– 14016/166/85–जी० पी०

S.O. 3543.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1302 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in e[illegible] f the power conferred by sub-section (1) of the Se[illegible] of the said Act, the Central Government hereby c[illegible] that the right of user in the said lands specified ir[illegible] ıedule appended to this notification hereby acquire[illegible] ying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Inda Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Pagara Tehsil : Raghogarh Distt. Guna

Schedule

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hecture
1.	37/1	0.073
2.	38	0.073
3.	39	0.293
4.	40/3	0.314
5.	40/5	0.093
6.	40/6	0.564
7.	40/7	0.345
8.	41	0.314
9.	42	0.109
10.	100	0.042
11.	101/3	0.314
12.	104	0.554
13.	287/8	0.480
14.	289	0.010
15.	309	0.073
16.	328	0.449
17.	330	0.031
18.	40/9	0.021
19.	43	0.010
20.	102	0.063
21.	105	0.084
22.	110/9	0.063
23.	290/1	0.042
24.	290/2	0.125
25.	335	0.199
26.	336	0.021
27.	331	0.292
28.	332	0.303
29.	337/1	0.199
30.	338	0.167
31.	352	1.630
32.	354	0.575
33.	351	2.633
	Total Area	10.618

[No. O-14016|166|85-G.P.]

का. आ. 3544.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1303 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम कुटवारा तहसील कोलारस जिला शिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	758	0.052
2.	759/1	0.261
3.	759/2	0.251
4	760	0 073
5.	773	0.377
6	774	0 084
7.	777	0 094
8.	779	0.293
9.	780	0.146
10.	782	0.251
11.	783	0.063
12.	772	0.094
13.	778/2	0 052
योग :– कुल क्षेत्रफल		2.091

[सं० ओ०–14016/167/85-जी०पी०]

S.O. 3544.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1303 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Kutawara Tehsil : Kolaras Distt. Shivpuri

Schedule

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hecture
1	2	3
1.	758	0.052
2.	759/1	0.261
3.	759/2	0.251
4.	760	0.073
5.	773	0 377
6.	774	0 084
7.	777	0.091
8.	779	0.293
9.	780	0 146
10.	782	0.251
11.	783	0.063
12.	772	0.094
13.	778/2	0.052
Total Area		2.091

[No. O-146016/167/85-G.P.]

का. आ. 3545.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का०आ० सं० 1304 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम चंदनखिरिया तहसील कोलारस जिला–शिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	64	0.157
2.	65	0.219
3.	66	0.210
4.	67	0.010

1	2	3
5.	59	0.110
6.	71	0.189
7.	72	0.150
8.	78	0 418
9.	77	0.185
10	55	0.261
11.	54	0.052
12	50	0.340
13.	48	0.157
14.	46	0.050
15	56	0.021
16.	115	0.063
17.	49	0.010
18.	34	0.020
	योग कुल क्षेत्रफल	2.622

[सं० औ०- 14016/168/85-जी०पी०]

S.O. 3545.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1304 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Chandankharia Tehsil : Kolaras Distt. : Shivpuri

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hecture
1	2	3
1.	64	0.157
2.	65	0.219
3.	66	0 210
4.	67	0.010
5.	59	0.110
6.	71	0 189
7.	72	0 150
8.	78	0 418
9.	77	0 185
10.	55	0 261
11.	54	0 052
12.	50	0.340
13.	48	0.157
14.	46	0.050
15.	56	0.021
16.	115	0 063
17.	49	0.010
18.	34	0.020
	Total Area	2.622

[No. O-14016/168/85-G.P.]

का. आ. 3546 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय का अधिसूचना का. आ. सं. 1306 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम कवाजास, तहसील राघोगढ जिला– गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु.क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार का अर्जन क्षेत्र (हेक्टर में)
1	482	0.637
2.	491/559	0.021
3.	1	0.209
4.	112/1	0.209
	योग :– कुल क्षेत्रफल	1.076

[सं०ओ०- 14016/171/85-जी०पी०

S.O. 3546.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S. O. 1306 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this **notification** hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village Kakwasa Tehsil Raghogarh Distt. Guna

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1.	482	0.637
2.	491/559	0.021
3.	1	0.209
4.	112/1	0.209
	Total Area	1.076

[No. O-14016/171/85-G.P.]

का. आ. 3547 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1308 तारीख 30–3–85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रुप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम हुसैनपुर तहसील राघोगढ़ जिला–गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु.क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर में)
1.	70	0.021
2.	71	0.398
3	73	0.178
4	72	0.010
5.	56/2	0.658
6.	56/1	0.70
7.	57	0.073
8.	54/3	0.010
	योग :– कुल क्षेत्रफल	2.048

[सं० ओ०- 14016/173/85-जी.पी]

S.O. 3457.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1308 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village Husainpur Tehsil Raghogarh Distt. Guna

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hectare
1.	70	0.071
2.	71	0.398
3.	73	0.173
4.	72	0.010
5.	56/2	0.658
6.	56/1	0.700
7.	57	0.073
8.	54/3	0.010
	Total Area	2.048

[No. O-14016/173/85-G.P.]

का आ. 3548.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1309 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निर्दिष्ट होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम चैनपुरा तहसील : राघोगढ़ जिला—गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनुक्रम	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	84	0.836
2.	80	0.042
3.	79	0.146
	योग—कुल क्षेत्रफल	1.024

[सं. ओ.-1106/74/85-जी.पी.]

S.O. 3548.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1309 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village Chanpura Tehsil Raghogarh Distt. Guna

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	84	0.836
2.	80	0.042
3.	79	0.146
	Total Area	1.024

[No. O-14016/174/85-G.P.]

का. आ. 3549 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1310 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम रुठियाई तहसील राघोगढ़ जिला गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

क्रम सं.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जित का क्षेत्र (हैक्टेयर में)
1.	140	3.657
2.	145	0.031
3.	182	0.084
4.	183/1	6.009
5.	184	1.097
6.	185	0.648
	योग कुल क्षेत्रफल	11.526

[सं० ओ.-14016/175/85/जीपीo]

S.O. 3459.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1310 dated 30-3-85 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Ruthiyai Tehsil : Raghogarh Distt. : Guna

S.No	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1.	140	3.657
2.	145	0.031
3.	182	0.084
4.	133/1	6.009
5.	184	1.097
6.	185	0.648
	Total Area	11.526

[No. O-14016/175/85-G.P.]

का. आ. 3550 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1319 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : सकतपुर तहसील : राघोगढ़ जिला : गुना राज्य मध्य प्रदेश

अनु क्र.	खसरा न.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टेयर में)
1.	157/1	0.344
2.	159/2	0.262
3.	158	0.439
4	160/2	0.125
5.	171	0.314
6.	172/1	0.396
7.	157/2	0.021
	योग :– कुल क्षेत्रफल	1.901

[सं० ओ.-14016/169/85/जी०पी०]

S.O. 3550.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 1319 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Sakatpur Tehsil : Raghogarh Distt. : Guna

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1.	157/1	0.344
2.	159/2	0.262
3.	158	0.439
4.	160/2	0.125
5.	171/1	0.314
6.	172/2	0.396
7.	157/2	0.021
	Total Area :	1.901

[No. O-14016|169|85-G.P.]

का. आ. 3551 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना 1493 का. आ. सं. तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम डामरोन खुर्द तहसील करेरा जिला : शिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टेयर में)
1	2	3
1	408/3	0.060
2.	411/1/2	0.480
3.	414/2	0.090
4.	415	0.120
5.	416	0.080
6.	419	0.360
7.	420	0.290
8.	421	0.240
9.	426	0.360
10.	435	0.060

1	2	3
11.	452/1	0.300
12.	447	0.280
13.	446	0.300
14.	443/1	0.080
15	443/2	0.040
16.	501	0.050
17.	502	0.180
18.	503	0.090
19.	504	0.180
20.	505	0.040
21.	506	0.240
22.	507	0.140
23.	509	0.180
24.	776	0.600
25.	779	0.660
26.	770/1	0.240
27.	412	0.190
28.	413	0.010
29.	417	0.080
30	425	0.100
31.	450	0.180
32.	448	0.030
33	508	0.100
34.	768	0.010
35.	769	0.200
36.	770/2	0.150
37.	500/806	0.020
	योग :—कुल क्षेत्रफल	6.810

[म०ओ०- 14016/183/85/जी०पी०]

S.O. 3551.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O 1493 dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Vill[illegible] Khurd Tehsil Karera Distt. Shirpuri

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	408,3	0.060
2.	411/1 2	0.480
3.	414/2	0.090
4.	415	0.120
5.	416	0.080
6.	419	0.360
7.	420	0.290
8.	421	0.240
9.	426	0.360
10.	435	0.070
11.	452/1	0.300
12.	447	0.280
13.	446	0.300
14.	443/1	0.080
15.	443/2	0.040
16.	501	0.050
17.	502	0.180
18.	503	0.090
19.	504	0.180
20.	505	0.040
21.	506	0.240
22.	507	0.140
23.	509	0.180
24.	776	0.600
25.	779	0.660
26.	770/1	0.240
27.	412	0.190
28.	413	0.010
29.	417	0.080
30.	425	0.100
31.	450	0.180
32.	448	0.030
33.	508	0.100
34.	768	0.010
35.	769	0.200
36.	770/2	0.150
37.	500/806	0.020
	Total Area	6.810

[No. O-14016/183/85/G.P.]

का० आ० 3552.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का०आ० 585 तारीख 9-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के पयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम :- पानबिहार तहसील :- घटिया जिला :- उज्जैन राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र०	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर में)
1.	1/1	0.366
2.	1/2	0.021
3.	2	0.021
4.	4	0.230
	योग कुल क्षेत्रफल	0.638

[स० O-14016/31/85-जी० पी०]

S.O. 3542.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 585 dated 9-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Panbihar; Tehsil : Ghatia; Distt. Ujjain State (M.P.)

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in hectare
1.	1/1	0.366
2.	1/2	0.021
3.	2	0.021
4.	4	0.230
TOTAL AREA		0.638

[No. O—14016/31/85-G.P.]

का.आ. 3553:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3447 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा :- बरेली :- जगदीशपुर :- पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा (एकड़) में	
1	2	3	4	5	6	7
इटावा	औरया	औरया	आनेपुर	256	0.95	
				258	0.20	
				259	0.18	

1	2	3	4	5	6
				250	0.20
				263	0.03
				264	0.01
				265	0.01
				266	0.30
				267	0.30
				268	0.30
				269	0.20
				270	0.01
				271	0.01
				284	0.01
				285	0.01
				286	0.01
				287	1.60
				294	0.01
				296	0.03
				299	0.03
				324	0.50
				326	0.89
				329	0.05
				292	0.03

[सं० O-14016/49/84-जी.पी.]

S.O. 3553.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum S.O. 3447 dated 3-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Pargana Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	
1	2 3	4	5	6	
Etawah	Auraiya Auraiya	Anepur	256	0	95
			258	0	20
			259	0	18
			250	0	20
			263	0	03
			264	0	01
			265	0	01
			266	0	30
			267	0	30
			268	0	30
			269	0	20
			270	0	01
			271	0	01
			284	0	01
			285	0	01
			286	0	01
			287	1	60
			294	0	01
			296	0	03
			299	0	03
			324	0	50
			326	0	89
			329	0	05
			292	0	03

[No. O-14016/49/84-G.P.]

का. आ. 3554:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3448 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए, अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लाट सं.	लिया गया रकबा (एकड़) में
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरैया	औरैया	खरका	480	1.44
				484	0.43
				503	1.63
				508	1.63
				509	0.22
				510	1.09
				561	0.35
				522	0.74

[सं० O-14016/50/84-जी. पी.]

S.O. 3554.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. Petroleum) S.O. 3448 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagadishpur Pipeline Project

Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No.	Area acquired
1	2	3	4	5	6
Etawah	Auraiya	Auraiya	Kharka	480	1 44
				484	0 43
				503	1 63
				509	0 22
				510	1 09
				561	0 35
				522	0 74

[No. O-14016/50/84-G.P.]

का० आ० 3555.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3476 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लाट सं.	लिया गया रकबा (एकड़ में)
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरैया	औरैया	मधुपुर	65	0-08
				71	0-42
				76	0-71
				77	0-02
				80	0-62
				81	0-01
				82	0-23
				86	0-32
				87	0-31
				104	0-01
				105	0-01
				106	0-01
				107	0-11
				100	0-17
				113	0-12
				114	0-42

1	2	3
	116	0-54
	118	0-15
	117	0-02
	122	0-02
	123	0-81
	268	0-71
	270	0-46
	272	0-05
	274	0-31
	85	0-02
	109	0-36

[फा० सं० O-14016/78/84-जी० पी०]

S.O. 3555.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Deptt. of Petroleum) S.O. 3476 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby required for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired		Remark
1	2	3	4	5	6		7
Etawah	Auraiya	Auraiya	Modhupur	65	0	08	
				74	0	42	
				76	0	74	
				77	0	02	
				80	0	62	
				81	0	01	
				82	0	23	
				86	0	32	
				87	0	31	
				104	0	01	
				105	0	01	
				106	0	01	
				107	0	11	
				108	0	47	
				113	0	12	
				114	0	42	
				116	0	54	
				118	0	15	
				117	0	02	
				122	0	02	
				123	0	81	
				268	0	71	
				270	0	46	
				272	0	05	
				274	0	31	
				85	0	02	
				109	0	36	

[No. O-14016/78/84-G.P.]

का. आ. 3556.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 736 तारीख 23-2-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : चौसला तहसील राजगढ़ जिला राजगढ़ राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	777	0.013
2.	778	0.390
3.	780	0.306
4.	781	0.480
5.	785	0.090
6.	812	0.026
7.	813	0.294
8.	811	0.120
9.	810	0.080
10.	816	0.012
11.	846	0.040
12.	807/2	0.050
13.	797	0.030

1	2	3
14.	875	0.031
15.	877	0.250
16.	874	0.053
17.	819	0.026
18.	818	0.070
19.	882	0.010
20.	883	0.030
21.	884	0.150
22.	1143	0.180
23	1142	0.160
24.	1147	0.180
25.	1149	0.222
26.	1150	0.280
27.	1152	0.052
28.	1133	0.013
29.	1129	0.150
30.	1104	0.030
33.	1103	0.080
32.	1097	0.016
33.	1102	0.010
34.	1088	0.065
35.	1087	0.240
36.	1082	0.084
37.	1086	0.300
38.	1585	0.039
39.	1066	0.033
40.	1067	0.240
41.	1064	0.120
42.	1063	0.150
43.	1060	0.019
44.	1062	0.060
45.	1056	0.013
46.	1059	0.013
47.	1058	0.020
48.	784	0.010
49.	815	0.010
50.	880	0.126
51.	873	0.015
52.	1101	0.010
53.	1096	0.010
	योग : कुल क्षेत्रफल	5.501

[सं. O-14016/78/85-ओ. पी.]

S.O. 3556.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 736 dated 23-2-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification, hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declartion in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Chosala Tehsil : Rajgarh Distt. : Rajgarh

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	777	0.013
2.	778	0.290
3.	780	0.306
4.	781	0.480
5.	785	0.090
6.	812	0.026
7.	813	0.294
8.	811	0.120
9.	810	0.080
10.	816	0.012
11.	846	0.040
12.	807/2	0.050
13.	797	0.030
14.	875	0.031
15.	877	0.250
16.	874	0.053
17.	819	0.026
18.	818	0.070
19.	882	0.010
20.	883	0.030
21.	884	0.150
22.	1143	0.180
23.	1142	0.160
24.	1147	0.180
25.	1149	0.222
26.	1150	0.280
27.	1152	0.052
28.	1133	0.052
29.	1129	0.150
30.	1104	0.030
31.	1103	0.080
32.	1097	0.016
33.	1102	0.010
34.	1088	0.065
35.	1087	0.240
36.	1082	0.084
37.	1086	0.300
38.	1085	0.039
39.	1066	0.033
40.	1067	0.240
41.	1064	0.120
42.	1063	0.150
43.	1060	0.019
44.	1062	0.060
45.	1056	0.013
46.	1059	0.013

1	2	3
47.	1058	0.020
48.	794	0.010
49.	815	0.010
50.	880	0.126
51.	873	0.015
52.	1101	0.010
53.	1096	0.010
TOTAL AREA		5.501

[No. O-14016/78/85-G.P.]

का. आ. 3557 —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 3748 तारीख 30-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्राजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6
जालौन	कोंच	कोंच	गोरा कानपुर	21	0–55
				22	0–06
				23	1–25
				27	0–03
				45	3–28
				60	0–04
				94	0–07
				95	0–64

[सं O-14016/82/84-जी.पी.]

S.O. 3557.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3748 dated 30-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipe Line From HAJIRA-BAREILLY-JAGDISHPUR PROJECT

Dist.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	
Jalaun,	Konch	Konch	Gora Karan pur	21	0–55	
				22	0–06	
				23	1–25	
				27	0–03	
				45	3–28	
				60	0–04	
				94	0–07	
				95	0–64	

[No. O-14016/82/84—G P]

का. आ. 3558:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3676 तारीख 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : भरूच तालुका : अंकलेश्वर

गांव	सर्वे नंबर	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
खरोड	315	0	31	80
	कार्टट्रेक	0	05	70
	319/1	0	22	50
	319/2	0	41	55
	327	0	48	25
	322	0	33	00
	325/1	0	16	50
	324	0	20	70
	323/1	0	02	65
	323/2	0	31	60
	350/1	0	02	65
	350/2	0	31	60
	357/3	0	28	20
	352/1	0	26	55
	352/3	0	03	60
	356/1	0	00	05
	356/2	0	28	05
	356/3	0	19	35
	355/1	0	08	55
	355/2	0	27	00
	355/3	0	28	65
	353/1	0	20	25
	354	0	18	50

सं० O-1416/111 जीपी-]

S.O. 3558.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 3676 dated 6-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the rght of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira to Bareilly to Jagdishpur

State : Gujarat, District : Bharuch, Taluka : Ankleshwar

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Kharod	315	0	31	80
	Cart track	0	05	70
	319/1	0	22	50
	319/2	0	41	25
	327	0	48	25
	322	0	33	00
	325/1	0	16	50
	324	0	20	70
	323/1	0	02	65
	323/2	0	31	60
	350/1	0	17	76
	350/2	0	00	14
	357/3	0	28	20
	352/1	0	26	55
	352/3	0	03	60
	356/1	0	00	05
	356/2	0	28	05
	356/3	0	19	35
	355/1	0	08	55
	355/2	0	27	00
	353/3	0	28	65
	353/1	0	20	25
	354	0	18	50

[No. O.-140 16/111/84-GP]

का० आ० 3559 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1315 तारीख 30-3-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम गोपालपुरा तहसील राघोगढ़ जिला-गुना राज्य (मध्यप्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	2/1	0.209
2.	1	0.042
3.	2/3	0.261
	योग :—कुल क्षेत्रफल	0.512
		0.512

[सं० O—14016/180/85—जी०पी०]

सक्षम प्राधिकारी

एच. बी. जे. प्रोजेक्ट, जिला-उज्जैन

S.O. 3559.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 1315 dated 30-3-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands, shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Gopalpura Tebsil : Raghogarh Distt. Guna

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	2/1	0.209
2.	1	0.042
3.	2/3	0.261
	TOTAL AREA	0 512

[No. O-14016/180/85-GP]

का०आ० 3560 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50 वां धारा) 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिसूचना का० आ० 1535 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारत गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन के इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम खिरिया साहब तहसील भाण्डेर जिला-ग्वालियर राज्य (मध्यप्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)
1.	634/2	0.275
2.	635	0.260
	योग :—कुल क्षेत्रफल	0.535

[सं० O—14016/202/85—जी०पी०]

सक्षम प्राधिकारी

एच. बी. जे. प्रोजेक्ट, जिला-उज्जैन. म प्र

S.O. 3560.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) S.O. 1535 dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government, vests on this de . of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Khiriya Shab Tehsil: Bhander Distt : Gwalior

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	634/2	0.275
2.	635	0.260
	TOTAL AREA	0.535

[No. O-14016/202/85-GP]

का.आ. 3561.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 1536 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम—पिपरौवा खुर्द तहसील—भाण्डेर जिला—ग्वालियर राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु.क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)
1	2	3
1.	6	0.493
2.	4	0.585
3.	12	0.035
4.	19	0.044
5.	21	0.178
6.	23	0.408
7.	5	0.002

[सं० O-14016/203/85-जी० पी०]

S.O. 3561.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, S.O. 1536, dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Piprauva Khurd Tehsil : Bhander Distt. : Gwalior

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	6	0.493
2.	4	0.585
3.	12	0.035
4.	19	1.044
5.	21	0.178
6.	22	0.408
7.	5	0.002
	TOTAL AREA :	2.745

[No. O-14016/203/85-G.P.]

का. आ. 3562.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1541 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम—कबूलपूरा तहसील—राघोगढ़ जिला—गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)
1	2	3
1.	109	0.072
2.	24	0.042
3.	25	0.084
4.	26	0.126
5.	27	0.067
6.	28	0.094
7.	29	0.031
8.	36	0.136
9.	35	0.490
10.	34	0.031
11.	41	0.105
12.	48	0.240
13.	47	0.366
14.	51	0.742
15.	52	0.031
16	88	0.370
17.	86	0.345
18	107/8	0.094
19.	107 में से	0.540
20	107/1	0.031
21.	37	0.010
22.	38	0.031
23.	45	0.010
24.	46	0.021
25.	53	0.021
26.	87	0.010
	योग—कुल क्षेत्रफल	4.140

[फा.सं. O-14016/208/85-जीपी]

S.O. 3562.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1541 date 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Governments on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Kabulpura Tehsil : Raghogarh Distt. : Guna

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hector
1.	109	0.072
2.	24	0.042
3.	25	0.084
4.	26	0.126
5.	27	0.067
6.	28	0.094
7.	29	0.031
8.	36	0.136
9.	35	0.490
10.	34	0.031
11.	41	0.105
12.	48	0.240
13.	47	0.366
14.	51	0.742
15.	52	0.031
16.	88	0.370
17.	86	0.345
18.	107/8	0.094
19.	107 M.S.	0.540
20.	107/1	0.031
21.	37	0.010
22.	38	0.031
23.	45	0.010
24.	46	0.021
25.	53	0.021
26.	87	0.010
	TOTAL AREA	4.140

[No. O-14016/208/85-G.P.]

का. आ. 3563.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं० 1542 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप-लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम भूमरा खेड़ी तहसील राघोगढ़ जिला गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	29	0.261
2.	27	0.010
3.	30/3	0.307
4.	13	0.010
5.	170/1	0.052
6.	171/1	1.766
7.	172	0.157
8.	170/2	0.490
9.	170/3	0.533
10.	174/2	0.031
11.	173/2	0.021
	योग :—कुल क्षेत्रफल	3.638

[सं० O-14016/209/85 जी०पी०]

S.O. 3563.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1542 dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bhumarakhedi Tehsil : Raghogarh Distt. : Guna

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1.	29	0.261
2.	27	0.010
3.	30/3	0.307
4.	13	0.010
5.	170/1	0.052
6.	171/1	1.766
7.	172	0.157
8.	170/2	0.490
9.	170/3	0.533
10.	174/2	0.031
11.	173/2	0.021
TOTAL AREA		3.368

[No. Q-14016/209/85-G.P.]

का०आ० 3564—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 1543 तारीख 13-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : भैसाना तहसील : राघोगढ़ जिला : गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु० क्र०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	564	0.042
2.	296/1	1.118
3.	552/1	0.147
4.	55/2	0.271
5.	554	0.219
6.	553	0.440
7.	561	0.021
8.	560	0.126
9.	545 म०	0.178
10.	545 म०	0.021
11.	565	0.052
	योग :— कुल क्षेत्रफल	2.635

[सं० 14016/210/85 जी पी]

S.O. 3564.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1543 dated 13-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bhesana Tehsil : Gaghogarh Distt. : Guna

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1.	564	0.042
2.	296/1	1.118
3.	552/1	0.147
4.	55/2	0.271
5.	554	0.219
6.	553	0.440
7.	561	0.021
8.	560	0.126
9.	545 M.	0.178
10.	545 M.	0.021
11.	565	0.052
	TOTAL AREA	2.635

[No. O-14016/210/85-G.P.]

का० आ० 3565.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 3911 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और, आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम मुण्डत तहसील झाबुआ जिला झाबुआ राज्य (मध्य प्रदेश)

क्रम सं.	खसरा नं	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	199	0 526
2.	198	0.300
3.	206	0 448
4.	197	0.259
5.	413/2	0.688
6.	189	0.024
7.	153	0.348
8.	154	0.040
9.	116	0.283
10.	190	0.340
11.	155	0.283
12.	160	0.202
13.	161	0.243
14.	162	0.024
15	108/2	0.202
16.	109/401	0.121
17.	131	0.121
18.	129/1	0.040
19.	129/2	0.057
20.	128	0.416
21.	122	0.512
22.	121	0.162
23.	120	0.324
24.	123	0.222
25.	130	0.024
26.	117/1	0.307
27.	117	0.607
28.	420/2	0.526
29.	409/2	0.121
30.	310	0.202
31.	309	0.081
32.	108/1	0.008
33.	306	0.008
34.	308	0.202
35.	298	0.040
36.	299/2	0.324
37.	301	0-121
38.	303	0-405
39.	424	0-024
40.	419	0-040
41.	408/1	0-526
42.	407	0-121
43.	386/2	0-931
44.	394	0-081
45.	304/1	0-032
46.	406	0-008
47.	299/1	0-024
48.	391	0-057
49.	162	0-006
50	133	0-040
51.	124/2	0-057
52.	300	0-132
कुल योग :—क्षेत्रफल		11.240

[सं० O-14016/249/84-जी०पी०]

S.O. 3565.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3911 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the scheduled appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Mudat Tehsil : Zabua Distt. : Zabua

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1	2	3
1.	199	0.526
2.	198	0.300
3.	206	0.448
4.	197	0.259
5.	413/2	0.688

1	2	3
6.	189	0.024
7.	153	0.348
8.	154	0.040
9.	116	0.283
10.	190	0.340
11.	155	0.283
12.	160	0.20
13.	161	0.243
14.	167	0.024
15.	108/2	0.202
16.	109/401	0.121
17.	131	0.121
18.	129/1	0.040
19.	129/2	0.057
20.	128	0.416
21.	122	0.512
22.	121	0.162
23.	120	0.324
24.	123	0.222
25.	130	0.024
26.	117/1	0.307
27.	317	0.607
28.	470/2	0.526
29.	409/2	0.121
30.	310	0.202
31.	309	0.081
32.	108/1	0.008
33.	306	0.008
34.	308	0.202
35.	298	0.040
36.	299/2	0.324
37.	301	0.121
38.	303	0.403
39.	423	0.024
40.	419	0.040
41.	408/1	0.526
42.	407	0.121
43.	386/2	0.931
44.	394	0.081
45.	304/1	0.032
46.	406/	0.008
47.	299/1	0.024
48.	391	0.057
49.	163	0.006
50.	133	0.040
51.	124/2	0.057
52.	300	0.132
TOTAL AREA :		11.240

[No. O-14016/249/84-G.P.]

का. आ. 3566.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3912 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और अगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और अगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

पच बा. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : जूनवानिया : तहसील : आबुआ : जिला आबुआ राज्य : मध्य प्रदेश

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)
1	2	3
1.	2	0.241
2.	3	0.291
3.	27	0.121
4.	1	0.425
5.	7	0.242
6.	8	0.008
7	38	0.008
8	53	0.016
9	60 म.	0.405
10.	60 म.	2.104
11	62	0.008
12	63	0.607
13	6	0.008
	ग्राम कुल क्षेत्रफल :—	4.484

[सं० O-14016/250/84-जी० पी०]

S.O. 3566.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3912 dated 24-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government, vests on this date of publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Junwania Tehsil : Zabua Distt. : Zabua

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	2	0.241
2.	3	0.291
3.	27	0.121
4.	4	0.425
5.	7	0.242
6.	8	0.008
7.	38	0.008
8.	53	0.016
9.	60 M.	0.405
10.	60 M.	2.104
11.	62	0.008
12.	63	0.607
13.	6	0.008
	TOTAL AREA :	4.484

[No. O—14016/250/84-G. P.]

का. आ. 3567:— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम, विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3927 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

ग्रामः महेशपुरा तहसीलः चाचोड़ा जिलाः गुना राज्यः (मध्य प्रदेश)

अनुसूचः

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्म में)
1	2	3
1.	294/3	0.021
2.	286	0.301
3.	283	0.157
4.	281/1	0.021
5.	278	0.199
6.	219	0.214
7.	220/1	0.178
8.	277	0.105
9	227/1	0.126
10.	224	0.031
11.	222	0.105
12.	293/1	0.063
13.	198/1	0.063
14.	200/308	0.021
15.	202/1/4	0.523
16.	11/1	0.031
17.	8	0.063
18.	7	0.272
19.	6/1	0.105
	योग :—कुल क्षेत्रफल	2.599

[सं. O-14016/265/84-जी.पी.]

S.O. 3567.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 132 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Maheshpura	Tehsil : Chachoda	Distt. : Guna
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	294/3	0.021
2.	286	0.301
3.	283	0.157
4.	281/1	0.021
5.	278	0.199
6.	219	0.214
7.	220/1	0.178
8.	277	0.105
9.	227/1	0.126
10.	224	0.031
11.	222	0.105
12.	293/1	0.063
13.	198/1	0.063
14.	200/308	0.021
15.	202/1/4	0.523
16.	11/1	0.031
17.	8	0.063
18.	7	0.272
19.	6/1	0.105
TOTAL AREA :		2.599

[No. O-14016/265/84-G.P.]

का. आ. 3568:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3929 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : नरखालिया तहसील : झाबुआ जिला : झाबुआ राज्य : (मध्य प्रदेश)

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	12	0.065
2.	14/1	0.299
3.	38/1	0.930
4.	50/1	0.202
5.	49/1	0.138
6.	64 1	0.097
7.	51	0.049
8.	52	0.089
9.	66/1	0.486
10.	67/1	0.405
11.	74/1	0.162
12.	76/1	0.121
13.	77/1	0.632
14.	78/1	0.162
15.	75	0.105
16.	80	0.186
17.	106	0.486
18.	79/1	0.162
19.	104	0.364
20.	105	0.081
21.	36	0.040
22.	40	0.032
	योग :—कुल क्षेत्रफल	5.293

[सं० O—14016/267/84/जी. पी.]

S.O. 3568.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3929 dated 24-11-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd., free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Narvaliya	Tehsil : Zabua	Distt. : Zabua
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	12	0.065
2.	14/1	0.299
3.	38/1	0.930
4.	50/1	0.202
5.	49/1	0.128
6.	64/1	0.097
7.	51	0.049
8.	52	0.890
9.	66/1	0.486
10.	67/1	0.405
11.	74/1	0.162
12.	76/1	0.121
13.	77/1	0.632
14.	78/1	0.162
15.	75	0.105
16.	80	0.186
17.	106	0.486
18.	79/1	0.162
19.	104	0.364
20.	105	0.081
21.	36	0.040
22.	40	0.032
TOTAL AREA :		5.293

[No. O-14016/267/84-GP]

का. आ. 3569:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3932 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम सांका कला तहसील चाचोड़ा जिला गुना राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	262	0.115
2.	218/5	0.084
3.	266	0.052
	योग :—कुल क्षेत्रफल	0.251

[सं० O-14016/275/84-जी पी]

S.O. 3569.—Whereas by notification of the Govt. of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 3932 dt. 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Saka Kala Tehsil : Chachoda Distt. Guna

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	262	0.115
2.	218/5	0.084
3.	266	0.052
TOTAL AREA :		0.251

[No. O-14016/275/84-GP]

का. आ. 3570.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1746 तारीख 27-4-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : झालमऊ तहसील : दतिया जिला : दतिया राज्य : (मध्य प्रदेश)

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	138	0.378
2.	139	0.472
3	140	0.060
4	141	0.220
5.	142	0.020
6.	149	0.324
7.	148	0.080
8.	143	0.010
9.	88	1.110
10.	75	0.090
11.	92	0.144
12.	93	0.084
13.	74/2	0.032
14.	95/1	0.156
15.	96	0.020
16.	97	0.318
17.	100	0.089
18.	94	0.172
19.	98	0.010
20	99	0.025
21.	101	0.010
22.	122	0.021
23.	147	0.005
24.	150	0.030
25.	160	0.005
26.	161	0.280
27.	162	0.062
28	163	0.005
29.	159	0.010
योग :—कुल क्षेत्रफल		4.202

[सं. O-14016/291/85-जी पी]

S.O. 3570.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1746 dated 27-4-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall, instead of vesting in Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Jhalmau	Tehsil : Datia	Distt. : Datia
S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	138	0.378
2.	139	0.472
3.	140	0.060
4.	141	0.220
5.	142	0.020
6.	149	0.324
7.	148	0.080
8.	143	0.010
9.	88	1.110
10.	75	0.090
11.	92	0.144
12.	93	0.084
13.	74/2	0.032
14.	95/1	0.156
15.	96	0.020
16.	97	0.318
17.	100	0.089
18.	94	0.132
19.	98	0.010
20.	99	0.025
21.	101	0.010
22.	122	0.021
23.	147	0.005
24.	150	0.030
25.	160	0.005
26.	161	0.280
27.	162	0.062
28.	163	0.005
29.	159	0.010
TOTAL AREA		4.202

[No. O-14016/291/85-GP]

का. आ. 3571.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2028 तारीख 11-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : झैला तहसील : भाण्डेर जिला : ग्वालियर राज्य : (मध्य प्रदेश)

अनु क्र०	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	21 मी.	0.428
2.	22	0.366
3.	18	0.031
4.	3	0.261
5.	11	0.210
6.	12	0.031
7.	10	0.240
8.	9	0.062
9.	8	0.209
10.	62	0.157
11.	121	0.031
12.	122	0.732
13.	128	0.123
14.	127/2	0.208
15.	127/1	0.261
16.	131	0.512
17.	132	0.324
18.	133	0.209
19.	21 मी.	0.002
20.	126	0.002
21.	192	0.031
	योग : कुल क्षेत्रफल	4.450

[सं. O—14016/307/85-जी पी]

S.O. 3571.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 2028 dated 11-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Baida Tehsil : Bhandor Distt. : Gwalior

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	21 M.	0.428
2.	22	0.366
3.	18	0.031
4.	3	0.261
5.	11	0.210
6.	12	0.031
7.	10	0.240
8.	9	0.062
9.	8	0.209
10.	62	0.157
11.	121	0.031
12.	122	0.732
13.	128	0.123
14.	127/2	0.208
15.	127/1	0.261
16.	131	0.512
17.	132	0.324
18.	133	0.209
19.	21 M	0.002
20.	126	0.002
21.	192	0.031
TOTAL AREA :		4.430

[No. O-14016/307/85-G.P.]

का.आ. 3572.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2032 तारीख 11-5-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम पिपरोवाकला तहसील भाण्डेर जिला ग्वालियर राज्य (मध्यप्रदेश)

अनु. क्र	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	1036	0.039
2.	1035	0.005
3	1034	0.879
4.	1037	—
5.	909	0.178
6.	903	0.005
7.	908	0.031
8.	907	0.015
9.	899	0.052
10.	886	0.132
11.	887	0.197
12.	888	—
13.	894	0.014
14.	896	0.031
15.	895	0.354
16.	832	—
17.	833	0.035
18.	811	0.217
19.	809	0.177
20.	808	—
21.	805	0 311
22.	805/3349	—
23.	912	0.021
24.	806	0.032
25.	911	0.031
26	807	0.032
27.	799	0.597
28.	798	0.031
29.	797	0 032
30.	690	0.404
31.	691	0 313
32.	692	0.155
33.	693	0.199
34.	695	0.083
35.	696	0.166
36.	622	0.025

1	2	3
37.	623	0.202
38.	620	0.716
39.	559	0.020
40.	618	0.032
41	564	0.541
42.	566	0.033
43.	569	0.726
44	568	—
45.	571	—
46	572	—
47.	573	—
48.	570	0.170
49.	590	0.035
50.	587	0.022
51	588	0.020
52.	589	0.002
53.	591	0.330
54	596	—
55.	594	—
56	595	—
57.	597	—
58.	585	0.166
59.	586	—
60.	582	—
61.	583	—
62.	584	—
63.	586/275	0.473
64.	592	—
65.	593	—
66.	211	0.055
67.	158	0.132
68	159	—
69	161	—
70	162	—
71	163	—
72	164	—
73.	168	0.093
74	157	0.282
75.	156	0.032
76	151	0.005
77.	150	0.409
78.	148/2	0.051
79.	149/2	—
80	910	0.015
	योग : कुल क्षेत्रफल	9.359

[सं. O-14016/311/85-जी.पी.]

S.O. 3572.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum, S.O. 2032 dated 11-5-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline :

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Piprawakala Tehsil : Bhander Distt. Gwalior

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	1036	0.039
2.	1035	0.005
3.	1034	0.879
4.	1037	—
5.	909	0.178
6.	903	0.005
7.	908	0.031
8.	907	0.015
9.	899	0.052
10.	886	0.132
11.	887	0.197
12.	888	—
13.	894	0.014
14.	896	0.031
15.	895	0.345
16.	832	—
17.	833	0.035
18.	811	0.207
19.	809	0.177
20.	808	—
21.	805	0.311
22.	805/3249	—
23.	912	0.021
24.	806	0.032
25.	911	0.031
26.	807	0.032
27.	799	0.597
28.	798	0.031
29.	797	0.032
30.	690	0.404
31.	691	0.313
32.	692	0.155
33.	693	0.199
34.	695	0.083
35.	696	0.166
36.	622	0.025
37.	623	0.207
38.	620	0.715
39.	559	0.020
40.	618	0.032
41.	564	0.541

1	2	3
42.	566	0.032
43.	569	0.726
44.	568	—
45.	571	--
46.	572	-
47.	573	—
48.	57)	0.170
49.	590	0.035
50.	587	0.022
51.	588	0.020
52.	589	0.002
53.	591	0.330
54.	596	—
55.	594	---
56.	595	-
57.	597	—
58.	585	0.166
59.	586	
60.	582	
61.	583	—
62.	584	.
63.	586/3275	0.473
64.	592	—
65.	593	—
66.	21¹	0.055
67.	158	0.132
68.	159	—
69.	161	
70.	162	.
71.	163	—
72.	164	-
73.	168	0.093
74.	157	0.282
75.	156	0.032
76.	151	0.005
77.	150	0.409
78.	148/2	0.051
79.	149/2	—
80.	910	0.015
TOTAL AREA :		9.359

[No. O-14016/311/85-GP]

का. आ. 3573.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार, ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4116 तारीख 1-12-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : जोड़की तहसील : राजगढ़ जिला : राजगढ़ राज्य : (मध्य प्रदेश)

अनु क्र.	सर्वे नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	1/1	0.900
2.	1/5	0.420
3.	1/4	0.460
4	11	0.005
5.	19	0.060
6.	60/2	0.120
	कुल योग : क्षेत्रफल	1.965

[सं. O-14016/333/84-जी.पी.]

S.O. 3573.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4116 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Joduky Tehsil : Rajgarh Distt : Rajgarh

S No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hectare
1.	1/1	0.900
2	1/3	0.420
3.	1/4	0.460
4	14	0.005
5	19	0.060
6	60/2	0.120
	Total Area	1.965

[No. O-14016/338/84-GP]

का.आ. 3574.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. आ. सं. 4118 तारीख 14-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लाट सं.	लिया गया विवरण रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6 7
इटावा	औरया	औरया	जमुहाँ	109	0 04
				111	1 17
				128	0 10
				150	1 14
				151	0 40
				140	0 63
				387/139	0 18
				147/1	0 02
				140	1 35
				139	0 01
				138	0 33
				136	0 10
				137	0 53
				186	0 09
				187	0 10
				184	0 85
				185	0 07
				267	0 15
				345	0 18
				369/1	0 38
				369/2	0 12
				370	0 52
				371	0 16
				367	0 11
				362	0 04
				363	0 53
				366	0 32
				364	0 52
				365	0 33
				373	0 13
				384	0 95
				385	0 20
				386	0 18
				127	0 10
				129	0 01
				135	0 01

[सं. 0-14016/336/84-जीपी]

S.O. 3574.—Whereas by notifications of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S. O. 4118 dated 1-12-84 under sub-sections (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-sectioon (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Gooverument directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Etawah	Auriya	Auriya	Jumahan	109	0-04	
				111	1-17	
				128	0-10	
				150	1-14	
				151	0-40	
				140	0-63	
				387/129	1-18	
				147/1	0-02	
				140	1-35	
				139	0-01	
				138	0-33	
				136	0-10	
				137	0-52	
				186	0-09	
				187	0-10	
				184	0-85	
				385	0-07	
				267	0-15	
				345	0-18	

1	2	3	4	5	6	7
				369/1		0-38
				369/2		0-12
				370		0-52
				371		0-16
				367		0-11
				362		0-04
				363		0-33
				366		0-32
				364		0-52
				365		0-33
				373		0-13
				384		0-95
				385		0-20
				386		0-18
				127		0-10
				129		0-01
				135		0-01

[No. O-14016/336/84-G.P.]

का.आ. 3575.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पैट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4089, तारीख 1-12-1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
इटावा	औरय्या	औरय्या	मीहापुर	130/1	0 64	
				122	0 02	
				123	0 26	
				118	0 32	
				119	0 03	
				117	0 24	
				116	0 03	
				151	0 12	
				152	0 03	
				153	0 01	
				154	0 11	
				153/127	0 14	
				84	0 01	
				86	0 03	
				155	0 02	
				85	0 20	
				203/1	0 41	
				203/3	0 34	
				203/4	0 51	
				203/5	0 14	
				204	0 90	
				205/2	0 02	
				207	0 01	
				220	0 26	
				59	0 60	
				58/1	0 25	
				56	0 26	
				57	0 68	
				2	0 05	
				35	0 05	

[सं.-O 14016/337/84-जी०पी०]

S.O. 3575.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum, S.O. 4089 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in

Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Etawah	Auraiya	Auraiya	Sihapur	120/1	0-64	
				122	0-02	
				123	0-26	
				118	0-32	
				119	0-03	
				117	0-24	
				116	0-03	
				151	0-12	
				152	0-03	
				153	0-01	
				154	0-11	
				153/227	0-14	
				84	0-01	
				86	0-03	
				155	0-02	
				85	0-20	
				203/1	0-41	
				203/3	0-34	
				203/4	0-51	
				203/5	0-14	
				204	0-90	
				205/2	0-02	
				207	0-01	
				220	0-26	
				59	0-60	
				58/1	0-25	
				56	0-26	
				57	0-68	
				2	0-05	
				35	0-05	

[No. O-14016/337/84-GP]

का.आ. 3576.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 4119 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : राजलीवे : तहसील :राजगढ़ जिला : राजगढ़ राज्य : (मध्यप्रदेश)

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	1 मे से	0.240
2.	3	0.005
3.	4	0.005
4	5/2	0.300
5.	5/1	0.120
6.	6	0.005
7.	7	0.005
8.	8	0.005
9.	9/1मे से	0.180
10.	9/3	0.510
11.	2	0.005
12.	9/5	0.005
	कुल योग क्षेत्रफल	1.115

[सं. O-14016/337/84-जी. पी.]

S.O. 3576.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4119 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Light of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Rajalibe Tehsil : Rajgarh Distt : Rajgarh

S No.	Survey No	Area to be Acquired For R.O.U in Hectare
1.	1mc.	0.240
2	3	0.005
3.	4	0.005
4.	5/2	0.300
5.	5/1	0.120
6	6	0.005
7.	7	0.005
8	8	0.005
9.	9/1me.	0.180
10.	9/3	0.540
11.	2	0.005
12.	9/5	0.005

[No. O-14016/337/84-G.P.]

का. आ. 3577.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का.आ.सं. 4091 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना मे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : गोल्याखे तहसील : राजगढ़ जिला : राजगढ़ राज्य : (मध्यप्रदेश)

अनु क.	खसरा नं	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	65	0.235
2.	63	0.130
3.	64	0.020
4.	68	0.270
5	67	0.026
6.	69	0.200
7.	69/221	0.020
8.	79	0.026
9.	171	0.060
10.	170	0.300
11.	168	0.350
12	165	0.165
13.	203	0.180
14.	204	0.010
15	207	0.026
16.	206	0.210
17.	205	0.210
18.	201	0.100
19.	174	0.005
20.	208/4	0.120

1	2	3
21.	208/5/3	0.870
22.	70	0.005
23	71	0.005
24.	167	0.005
25.	208/1 मेमे	0.165
26.	172	0.005
	कुल योग : क्षेत्रफल	3.768

[सं० O 14016/349/84-जीपी]

New Delhi, the 22nd July, 1985

S.O. 3577.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4091 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisiion of Right of User in Land, Act 1962) 150 of 1962 the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Golyave Tehsil Rajgarh Distt. Rajgarh

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hecture
1	2	3
1.	65	0.235
2.	63	0.180
3.	64	0 020
4.	68	0 270
5.	67	0.026
6.	69	0.200
7.	69/221	0.020
8.	79	0.026
9.	171	0.060
10.	170	0.300
11.	168	0.350
12.	165	0.165
13.	203	0.180
14.	204	0.010
15.	207	0.026
16.	206	0.210
17.	205	0.210
18.	201	0.100
19.	174	0.005
20.	208/4	0.120
21.	208/5/3	0.870
22.	70	0.005
23.	71	0.005
24.	167	0.005
25.	208/1/MS	0.165
26.	172	0.005
	Total Area	3.768

[No. O-14016/340/84-G.P.]

का.आ. 3578.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का.आ. सं. 4377, तारीख 8 दिसंबर, 1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती

है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एच. ब. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम-बरखेड़ा बाजार तहसील-महिदपुर जिला-उज्जैन, राज्य-(मध्य-प्रदेश)

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	81	0.648
2.	88	0.518
3.	153	0.073
4	87	0.057
5.	152	0.065
6	67/1	0.129
7.	67/2	0.081
8.	154/1	0.227
9	154/2	-
10.	155	0.057
11.	159	0.028
12	336/1	0.049
13.	336/2	0.291
14.	60	0.502
15.	66	0.032
16	82	0.526
17	338	0.263
18.	65/1	0.356
19	144	0.089
20.	146	0.291
21.	147	0.129
22.	133	0.299
23	156	0.121
24	157	0.004
25	64	0.057
26.	65/2.	0.061
27	63	0.040
28.	59/1	0.040
29	57	0.004
30.	59/3	0.299
31.	61	0.032
32	308	0.170
33.	315	0.134
34	337	0.344
35	142	0.093
36.	196	0.129
37	170/1	0.081
38.	170/2	0.105
39.	312	0.162
40	335/3	0.081
41	311/2	0.182
42.	313/4	0.057
43.	311/1	0.164
44.	309	0.316
45.	85	0.016
46	86	0.045
47.	111	0.073
48.	143	0.024
49	160/1	0.049
50.	340/1/1/2	0.036
51.	160/2	0.081
52.	140/2	0.008
	कुल क्षेत्रफल योग :--	7.728

[सं0 14016/363/84-जीपी]

New Delhi, the 22nd July, 1985

S.O. 3578.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4277 dated 8-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And wheeas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Barkhedi Bajar Tehsil Mahadpur Distt. Ujjain

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O.U. in Hecture
1.	81	0.648
2.	88	0.518
3.	153	0.073
4.	87	0.057
5.	152	0.065
6.	67/1	0.129
7.	67/2	0.081
8.	154/1	0.227
9.	154/2	—
10.	155	0.057
11.	159	0.028
12.	336/1	0.049
13.	336/2	0.291
14.	60	0.502
15.	66	0.032
16.	82	0.625
17.	338	0.263
18	65/1	0.356
19.	144	0.089
20.	146	0 291
21.	147	0.120
22.	133/2	0.299
23.	156	0.121
24.	157	0.004
25.	64	0.057
26.	65/2	0 061
27.	63	0.040
28.	59/1	0.004
29.	57	0.004
30.	59/3	0.299
31.	61	0.032
32.	308	0.170
33.	315	0.134
34.	337	0.344
35.	147	0.093
36.	196	0 129
37.	170/1	0 081
38	170/2	0.105
39.	312	0.162
40.	335/2	0.081m
41.	311/2	0.182
42.	313/4	0.057
43.	311/1	0 174
44.	309	0.316
45.	85	0.016
46.	86	0 045
47.	141	0.073
48.	143	0 024
49.	160/1	0.049
50.	340/1/1/2	0.036
51.	160/2	0.081
52.	140/2	0.008
	Total Area	7.728

[No. O-14016/363/84-G.P.]

का०आ० 3579.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 4497 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम- कमानपुर तहसील- बड़नगर जिला- उज्जैन राज्य- (मध्य प्रदेश).

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	65	0.010
2.	92	0.167
3.	152	0.105
4.	179	0.094
5.	181	0.031
6.	26/1	0.752
7.	57/1	0.010
8.	58	–
9.	59	0.543
10.	150	0.042
11.	151	0.261
12.	60	0 177
13.	61	0.063
14.	64	0.553
15.	66	0.020
16.	67	0.052
17.	62	0.052
18.	63/1 मो	0.042
19.	68	0.157
20.	70/1	0.167
21.	79	0.115
22.	81	0.418
23.	84	0.063
24	83	0 679
25.	91	0.334
26.	93/1	0.063
27.	98/2	0 219
29.	999	0.376
29.	143/1	0.105
30.	70/2	0.010
31	148	0.481
32.	182	0.376
33.	180/1 मो.	0.491
34.	180/1 मो.	0.315
35.	180/2 मो.	0.240
36.	180/2 मो.	0.073
37.	271	0.072
	कुल योग क्षेत्रफल : —	7.728

[सं०O14016/386/84-जी०पी०]

S.O. 3579.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4497 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village Kamanpur Tehsil Badnagar Distt. Ujjain

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired For R.O U. in Hecture
1.	65	0.010
2.	92	0.166
3.	152	0.105
4.	179	0.094
5.	181	0.031
6.	26/1	0.752
7.	57/1	0 010
8	58	.
9.	59	0.543
10.	150	0.042
11.	151	0.261
12.	60	0.177
13.	61	0.063
14.	64	0.553
15.	66	0.020
16.	67	0.052
17.	62	0.052
18.	63/1 M.	0.042
19.	68	0.157
20.	70/1	0.167
21.	79	0 115
22.	81	0.418
23.	84	0.063
24.	83	0.679
25.	91	0.334
26.	93/1	0.063
27.	98/2	0.219
28.	99	0.376
29.	143/1	0.105
30.	70/2	0.010
31.	148	0.481
32.	182	0.376
33.	180/1 M.	0.491
34.	180/1 M.	0.315
35.	180/2 M.	0.240
36.	180/2 M.	0.073
37.	271	0.072
	Total Area	7.728

[No. O-14016/386/84-G.P.]

का०आ० 3580.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का०आ०सं० 4498 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम-जगोटी तहसील-महिदपुर जिला-उज्जैन, राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	1380	0.042
2.	1368	0.042
3.	1381	0.162
4	1382	0.174
5	1383	0.049
6	1386/1	0.065
7	1386/1105/2	0.040
8.	1386/1405/1	0.105
9	1389	0.016
10	1390	0.210
11	1391	0.050
12	1394	0.486
13.	1367	0 152
14.	1370/2	0.226
15.	1371	0.176
16.	1370/1	0 250
17	1369	0.050
18	1324	0.135
19	1344/1/2	0.465
20.	1346	0.060
21.	1347	0.466
22.	1339/2	0.024
23.	1340	0 316
24.	1348	0.162
25	1339/1	0.283
26	1378/3	0.020
27.	1341	0.020
28	1338	0.020
	योग कुल क्षेत्रफल	4.275

[सं० O-14016/387/84-जीपी]

S.O. 3580.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4498 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

VILLAGE : JAGOTI : TEHSIL, MAHIDPUR
DISTT. : UJJAIN

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R. O. U. in Hectare
1.	1380	0.042
2.	1368	0.042
3.	1381	0.162
4.	1382	0.174
5.	1383	0.049
6.	1386/1	0.065
7.	1386/1405/2	0.040
8.	1386/1405/1	0.105
9.	1389	0.016
10.	1390	0.210
11.	1391	0.050
12.	1394	0.486
13.	1367	0.152
14	1370/2	0.226
15.	1371	0.176
16.	1370/1	0.250
17.	1369	0.050
18.	1324	0.135
19.	1344/1/2	0.465
20.	1346	0.060
21.	1347	0.466
22.	1339/2	0.024
23.	1340	0.316
24.	1348	0.162
25.	1339/1	0.283
26.	1378/3	0.020
27.	1341	0.020
28.	1338	0 020
	Total Area	4.275

[No. O-14016/387/84-G.P.]

का. आ. 3581.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4513 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	लिया गया विवरण रकबा एकड़ में
1	2	3	4	5	6 7
कानपुर देहात	देहात	देहात	जिगनिश	198	0–10–0
				197	0–1–12
				196	2–5–0
				194	0–1–12
				193	1–7–12
				204	0–0–14
				213	0–0–2
				214	0–15–8
				215	0–5–0
				212	0–2–10
				216	0–4–2
				211	0–6–12
				217	0–3–0
				210	0–6–4
				218	0–0–2
				182	0–0–3
				183	0–7–2

1	2	3
	184	0-7-4
	185	2-5-10
	186	0-9-0
	180	0-0-12
	179	2-12-0
	137	0-1-6
	69	0-5-10
	176	0-1-2
	118	3-2-1
	117	0-2-2
	119	0-0-14
	130	0-14-0
	122	0-0-14
	123	1-5-4
	124	0-0-14
	135	0-3-3
	134	0-18-0
	127	0-2-8
	128	0-1-5
	129	0-4-11
	130	0-0-12
	99	1-11-12
	125	0-0-2
	102	0-0-2
	100	0-8-0
	98	0-0-12
	97	1-7-0
	301	0-8-8
	307	0-1-5
	305	0-17-15
	304	0-3-8
	195	0-0-10
	138	0-0-5
	306	0-0-18

[सं०-O 14016/403/84-जीपी]

S.O. 3581.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Deptt. of Petroleum S.O. 4513 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Derapur	Derapur	Jignis	198	0-10-0	
				197	0-1-12	
				196	2-5-0	
				194	0-1-12	
				193	1-7-12	
				204	0-0-14	
				213	0-0-2	
				214	0-15-8	
				215	0-5-0	
				212	0-2-10	
				216	0-4-2	
				211	0-6-12	
				217	0-3-0	
				210	0-7-4	
				218	0-0-2	
				182	0-0-3	
				183	0-7-2	
				184	0-7-4	
				185	2-5-10	
				186	0-9-0	
				180	0-0-12	
				179	2-12-0	
				137	0-1-6	
				69	0-5-10	
				176	0-1-2	
				118	3-2-1	
				117	0-2-2	
				119	0-0-14	
				130	0-14-0	
				122	0-0-14	
				123	1-5-4	
				124	0-0-14	
				135	0-3-3	
				134	0-18-0	
				127	0-2-8	
				128	0-1-5	
				129	0-4-11	
				130	0-0-12	
				99	1-11-12	
				125	0-2-2	
				102	0-0-2	
				100	0-8-0	
				98	0-0-12	
				97	1-7-0	
				301	0-8-8	
				307	0-1-5	
				305	0-17-15	
				304	0-3-8	
				195	0-0-10	
				138	0-0-5	
				306	0-0-18	

[No. O-14016/403/84-GP]

का.आ. 3582.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 45 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस

अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम कोयला खेड़ी तहसील घट्टिया जिला-उज्जैन राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु० क्र०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में
1	2	3
1.	95/1/4	0.168
2.	95/1/5	—
3.	95/1/3	0.314
4.	95/1/2	0.178
5.	94/1/3	0.303
6.	90/1	0.586
7.	86	0.377
8.	87/1 मी०	0.052
9.	84/2	0.586
10.	84/1/2 मी०	0.637
11.	85/4	0.387
12.	44	0.209
13.	54	0.188
14.	79	0.021
15.	72/24	0.293
16.	72/9	0.052
17.	72/23	0.157
18.	72/8	0.209
19.	76/0 मी०	0.157
19.	76/0 मी०	0.105
20.	7/5/1	
21.	72/13	0.052
22.	72/10	0.052
23.	72/14	0.010
24.	72/11	0.052
25.	72/7	0.146
26.	73	0.470
27.	43	0.044
28	45	0.115
29	77	0.084
30.	78	0.314
31.	81	0.044
32.	92	0.052
33.	94/2	0.031
	योग कुल क्षेत्रफल :—	7.512

[सं०-O14016/495/84-जीपी]

S.O. 3582.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 45 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

VILLAGE : KOYAL KHEDI, TEHSIL : GHATIYA
DISTT. : UJJAIN

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R. O. U. in Hectare
1	2	3
1.	95/1/4	0.168
2.	95/1/5	—
3.	95/1/3	0.314
4.	95/1/2	0.178
5.	94/1/3	0.303
6.	90/1	0.586
7.	86	0.377
8.	87/1/M.	0.052

1	2	3
9.	84/2	0.586
10.	84/1/2 M.	0.637
11.	85/4	0.387
12.	44	0.209
13.	54	0.188
14.	79	0.021
15.	72/24	0.293
16.	72/9	0.052
17.	72/23	0.157
18.	72/8	0.209
19.	76 M.	0.157
19/1	76 M.	-
20.	75/1	0.105
21.	72/13	0.052
22.	72/10	0.052
23.	72/14	0.010
24.	72/11	0.052
25.	72/7	0.146
26.	73	0.470
27.	43	0.044
28.	45	0.115
29.	77	00.84
30.	78	0.314
31.	81	0.044
32.	92	0.052
33.	94/2	0 031
	Total Area	7.512

[No. O-14016/495/84-GP]

का. आ. 3583.--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 47 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट

ग्राम नयाखेड़ा उर्फ मुनारखेड़ा तहसील बड़िया जिला-उज्जैन (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु० क्र०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	132/1	0.732
2.	24	0.377
3.	126	0.345
4.	115	0 010
5.	124	0.314
6.	112	0.439
7.	111	0.627
8.	104	0 105
9.	99	0.021
10.	103	0.449
11	100	0.658
12	47	0.449
13.	46	0.314
14	42 मी०	0.428
15	41	0.052
16.	22	0.031
17.	2	0.105
18.	20	0.606
19.	125	0.042
20.	117	0.052
	योग कुल क्षेत्रफल :—	6.156

[सं० 11016/497/84-जीपी]

S.O. 3583.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 47 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act. submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Navakheda URF Sutarkheda Tehsil Ghatiya Distt. Ujjain

Schedule

S. No.	Survey No.	Area to be acquierd for R. O. U in Hectar
1.	132/1	0.732
2.	24	0.377
3.	126	0 345
4.	115	0.010
5.	124	0 314
6.	112	0.439
7.	111	0.627
8.	104	0.105
9.	99	0.021
10.	103	0.449
11.	100	0.658
12.	47	0 449
13.	46	0.314
14.	42 M.	0 428
15.	41	0.052
16.	22	0.031
17.	2	0.105
18.	20	0.606
19.	125	0.042
20.	117	0.052
	Total Area	6.156

[No. O.-14016/497/84—GP]

का. आ. 3584.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 50 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट

ग्राम-गुडा तहसील घटिया जिला-उज्जैन राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु० क्र०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	211	0.219
2.	260	0.031
3.	265/1	0 094
4.	278	0.439
5	281	0.094
6.	269/2	0.010
7.	272	0.596
8.	273	0.941
9.	274	0.031
10.	277	0.052
11.	279	0.324
12.	280 मी०	0.073
13.	280 मी०	0.393
14.	282	0.261
15.	283	0.345
16.	286	0.293
17.	284	0.230
18	249/3	0.115
	कुल योग क्षेत्रफल :	4.441

[सं० O-14016/500/84-जी.पी.]

S.O. 3584.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 50 dated 5-1-85 under subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Guda, Tehsil : Ghatiya, Distt. : Ujjain

Schedule

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hecture
1	2	3
1.	211	0.219
2.	260	0.031
3.	265/1	0.094
4.	278	0.439

1	2	3
5.	281	0.094
6.	269/2	0.010
7.	272	0.596
8.	273	0.941
9.	274	0.031
10.	277	0.052
11.	279	0.324
12.	280 M.	0.073
13.	280 M.	0.293
14.	282	0.261
15.	283	0.345
16.	286	0.293
17.	284	0.230
18.	249/3	0.115
Area		4.441

[No. O-14016/500/84-GP]

का.आ. 3585.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 51 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम-सामानेरा तहसील-नरोना जिला-उज्जैन राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु० क्र०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	351	0.030
2.	352	0.030
3.	353	0.030
4.	354	0.080
5.	355	0.200
6.	378	0.100
7.	365/1	0.150
8.	365/3	0.030
9.	369	0.020
10.	370	0.040
11.	376	0.100
12.	377/1	0.045
13.	377/2	0.100
14.	379	0.050
15.	381	0.100
16.	382	0.450
17.	383/1	0.050
18.	391	0.040
19.	371	0.005
20.	418	0.080
21.	435/4	0.030
22.	562	0.010
23.	587	0.020
24.	593	—
25.	594/3	0.003
26.	615	0.060
27.	392	0.050
28.	432	0.100
29	393	0.120
30.	422	0.440
31.	423/1	0.140
32.	425/2	0.140
33.	426	0.250
34.	429	0.040
35.	430	0.080
36.	431	0.200
37.	448 पी०	0.050
38.	594/1	0.100
39.	612	0.120
40	613	0.150
41.	617	0.080
42.	616/1	0.180
43.	721	0.320
44.	722	0.150
45	794	0.100
46.	425/1	0.100
47.	584	0.340
कुल योग क्षेत्रफल :		5.105

[सं० O-14016/501/84-जी.पी.]

S.O. 3585.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 51 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified

in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Simanera Tehsil : Tarana; Dist; Ujjain

Schedule

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R. O. U. in Hectare
1	2	3
1.	351	0.030
2.	352	0.030
3.	353	0.030
4.	354	0.080
5.	355	0.200
6.	378	0.100
7.	365/1	0.150
8.	365/3	0.030
9.	369	0.020
10.	370	0.040
11.	376	0.100
12.	377/1	0.045
13.	377/2	0.100
14.	379	0.050
15.	381	0.100
16.	382	0.450
17.	383/1	0.050
18.	391	0.040
19.	371	0.005
20.	418	0.080
21.	435/4	0.030
22.	562	0.010
23.	587	0.020
24.	593	—
25.	594/3	0.003
26.	615	0.060
27.	392	0.050
28.	432	0.100
29.	393	0.120
30.	422	0.440
31.	423/1	0.140
32.	425/2	0.140
33.	426	0.250
34.	429	0.040
35.	430	0.080
36.	431	0.200
37.	448 P.	0.050
38.	594/1	0.100
39.	612	0.120
40.	613	0.150
41.	615	0.089
42.	616/1	0.180
43.	721	0 320
44.	722	0.150
45.	794	0 100
46.	425/1	0.100
47.	584	0.340
Total Area		5.103

[No. O-14016/501/84-GP]

का. आ. 3586.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 53 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है की इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट

ग्राम: रूपाखेड़ी तहसील: तराना जिला: उज्जैन राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु०सं०	खसरा नं०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	55	0.150
2.	56	—
3.	57	0.090
4.	58	—
5.	59	—
6.	60	0.230
7.	62	0.220
8.	63	0.150
9.	76	0.016
10.	77	0.140
11.	78	0.200

1	2	3
12.	358	0.030
13.	94	0.170
14.	95	0.050
15.	96/2	0.130
16.	275	0.090
17.	61	0.010
18.	79	0.020
19.	357	0.025
20.	374/1	0.010
21.	349/2	0.130
22.	348	0.010
23.	277/2	0.020
24.	330	0.150
25.	359	0.200
26.	278	0.250
27.	280	0.260
28.	329	0.070
29.	281	0.060
30.	282	—
31.	283	0.300
32	284	0.040
33.	285	0.080
34.	298	0.320
35.	293	0.380
36.	294	0.460
37.	297/2	0.030
38.	298/1	0.220
39.	331	0.150
40.	333	—
41.	347	0.120
42.	360	0.220
43.	370	0.210
44.	372	0.250
45.	373	0.110
46.	53/393	0.040
47.	290/392	0.070
कुल योग क्षेत्रफल		5.881

[सं. O-14016/503/84-जी पी]

S.O. 3586.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 53 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAJ PIPE LINE PROJECT

Village : Repakhedi Tehsil : Tarana Distt. Ujjain

Schedule

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R. O. U in Hectare
1.	55	0.150
2.	56	—
3.	57	0.090
4.	58	—
5.	59	—
6.	60	0.230
7.	62	0.220
8.	63	0.150
9.	76	0.016
10.	77	0.140
11.	78	0.200
12.	358	0.030
13.	94	0.170
14.	95	0.050
15.	96/2	0.130
16.	275	0.090
17.	61	0.010
18.	79	0.020
19.	357	0.025
20.	374/1	0.010
21.	349/2	0.130
22.	348	0.010
23.	277/2	0.020
24.	330	0.150
25.	359	0.200
26.	278	0.250
27.	280	0.260
28.	329	0.070
29.	281	0.060
30.	282	—
31.	283	0.300
32.	284	0.040
33.	285	0.080
34.	298	0.320
35.	293	0.380
36.	294	0.460
37.	297/2	0.030
38.	297/1	0.220
39.	331	0.150
40.	333	—
41.	347	0.120
42.	360	0.220
43.	370	0.210
44.	372	0.250
45.	373	0.110
46.	53/393	0.040
47.	290/392	0.070
	Total Area	5.881

[No. O-14016/503/84-GP]

का. आ. 3587.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 54 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

एच.बी.जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम चिकली; तहसील तराना; जिला उज्जैन; राज्य (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)
1	2	3
1.	232	0.036
2.	279	0.318
3.	272	0.005
4.	278	0.154
5.	475	0.125
6.	458	0.049
7.	286	0.390
8.	290	0.300
9.	287	0.041
10.	276	0.010
11.	200/1/1	0.024
12.	307	0.364
13.	357/1	0.615
14.	309	0.540
15.	359	0.490
16.	352	0.2[illegible]0
17.	371	0.014
18.	368	0.090
19.	367	0.340
20.	369	0.039
21.	377	0.047
22.	376	0.182
23.	379	0.405
24.	375	0.081
25.	380	0.225
26.	478/1/पि०	0.360
27.	476	0 319
28.	455	0.444
29.	456	0.16[illegible]
30.	459/1	0.342
31.	461/1/1	0.605
32.	461/1/2	—
	46/2/1	—
33.	433	0.010
34.	358	0.035
35.	454	0.025
कुल योग क्षेत्रफल		7.367

[सं. O-14016/504/84-जीपी]

S.O. 3587.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 54 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Chikli; Tehsil : Tarana; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U in hectar
1.	232	0.036
2.	279	0.318
3.	272	0.005
4.	278	0.154
5.	475	0.125
6.	458	0.049
7.	286	0.390
8.	290	0.300
9.	287	0.041
10.	286	0.010
11.	200/1/1	0.024
12.	307	0.364
13.	357/1	0.615
14.	309	0.540
15.	359	0.490
16.	352	0.210
17.	371	0.014
18.	368	0.090
19.	367	0.340
20.	369	0.020
21.	377	0.047
22.	376	0.182
23.	379	0.405
24.	375	0.081
25.	380	0.725
26.	478/1/1P.	0.360
27.	476	0.319
28.	455	0.444
29.	456	0.162
30.	459/1	0.342
31.	461/1/1	0.605
32.	461/1/2	—
	462/1	—
33.	433	0.010
34.	358	0.025
35.	454	0.025
	TOTAL AREA	7.367

[No. O-14016/504/84-GP]

का. आ. 3588.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 55 तारीख 5-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

ए.बी.जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम - भोरूंदा तहसील - तराना जिला - उज्जैन; राज्य - मध्यप्रदेश

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स में)
1	2	3
1.	281	0.015
2.	283	0.081
3.	283/2	0.220
4.	283/3	0.202
5.	285/1	0.210
6.	285/3	0.260
7.	287	0.030
8.	421	0.231
9.	422/1	0.237
	422/2	—
10.	423	0.032
11.	458	0.310
12.	459	0.288
13.	457	0.055
	कुल योग क्षेत्रफल	2.071

[सं 14016/505/84-जी०पी०]

S.O. 3588.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 55 dated 5-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bhodalya; Teshil : Tarana; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in hectare)
1.	281	0.015
2.	282	0.081
3.	283/2	0.220
4.	283/3	0 202
5.	285/1	0.210
6.	285/2	0.260
7.	287	0.030
8.	421	0.231
9.	422/1	0.237
	422/2	—
10.	423	0.032
11.	458	0.210
12.	459	0.288
13.	457	0.055
	TOTAL AREA	2.071

[No. O-14016/505/84-GP]

का. आ. 3589.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 114 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : झोंकरा; तहसील : घटियाड़ जिला : उज्जैन; राज्य : मध्य-प्रदेश

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
	अनुसूची	
1	2	3
1.	45	1.129
2.	68	0.178
3.	70	0.178
4.	81	0.094
5.	131	0.366
6.	67 मी.	0.063
7.	72	0.324
8.	79	0.199
9.	133	0.115
10.	71	0.021
11.	64/1/1	0.157
12	73	0.470
13.	86	0.052
14.	124	0.031
15	75	0.188
16.	76	0.157
17	77	0.105
18.	78 मी.	0.105
19.	82	0.010
20.	108	0.393
21.	103/1	0.105
22.	103/3	0.188
23.	104	0.002
24.	105	0.146
25.	109	0.010
26.	106	0.031
27.	132	0.331
28.	107	0.005
29.	134	0.005
30.	135	0.005
योग कुल क्षेत्रफल		5.066

[सं० O-14016/507/84 जी० पी०]

S.O. 3589.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 114 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Jhonkara; Tohsil : Ghata; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1.	45	1.129
2.	68	0.178
3.	70	0.178
4.	81	0.094
5.	131	0.366
6	67M	0.063
7.	72	0.324
8.	79	0.199
9.	133	0.115
10.	71	0.021
11	64/1/1	0.157
12.	73	0.470
13.	86	0.052
14.	124	0.031
15.	75	0.188
16.	76	0.157
17.	77	0.105
18.	78M:	0.105
19.	82	0.010
20.	108	0.293
21.	103/1	0.105
22.	103/3	0.188
23.	104	0.002
24.	105	0.146
25.	109	0.010
26.	106	0.031
27.	132	0.334
28.	107	0.005
29.	134	0.005
30.	135	0.005
	TOTAL AREA	5.066

[No. O-14016/507/84-GP]

का. आ. 3590.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. स. 115 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त नियम की धारा 6 की उपधारा, (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि., में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा ।

एच.बी.जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : मोतीपुरा; तहसील : घटिया, जिला : उज्जैन, राज्य : मध्य-प्रदेश

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	25	0.042
2.	23	0.125
3.	24	0.449
4.	11/3	0.899
5.	11/2	0.136
6.	11/1	0.073
7.	3	0.042
8.	2	0.157
9.	1/2	0.073
योग कुल क्षेत्रफल		1.996

[सं० O-14016/508/84 जीपी]

S.O. 3590.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 115 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Motipura; Tehsil : Ghatiya; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in Hectar)
1	2	3
1.	25	0.042
2.	23	0.125
3.	24	0.449
4.	11/3	0.899
5.	11/2	0.136
6.	11/1	0.073
7.	11/1	0.073
8.	?	0.157
9.	1/2	0 073
TOTAL AREA		1.996

[No. O-14016/508/84-GP]

का. आ. 3591 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 116 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

एच० बी० जे० गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : मोती खेड़ी; तहसील : घट्टिया; जिला : उज्जैन; राज्य : मध्यप्रदेश

अनुसूची

अनु. क्र	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	283	0.251
2	285	0.867
3.	294	0.596
4.	296	0.021
5	297	0.439
6	347	0.397
7.	344	0.063
8.	352	0.272
9	345	0.063
10.	353	0 058
11.	348	0.219
12.	349/1	0.042
योग : कुल क्षेत्रफल		3.888

सं० 14016/509/84 जीपी

S.O. 3591.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 116 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Banskhedi; Teshsil : Ghatiya; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in hectare)
1	2	3
1.	283	0.251
2.	285	0.867
3.	294	0.596
4.	296	0.021
5.	297	0.439
6.	347	0.397
7.	344	0.063
8.	352	0.272
9.	345	0.063
10.	353	0.658
11.	348	0.219
12.	349/1	0.042
TOTAL AREA		3.888

[No. O-14016/509/84-GP]

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी भाराओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एस.बी.जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : बगवाड़ा; तहसील : तराना; जिला : उज्जैन; राज्य : (मध्य-प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा सं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	330/1	0.120
2	330/2	0.041
3.	331	0.031
कुल क्षेत्रफल योग		0.192

[सं० O-14016/518/84-जीपी]

का.आ. 3592:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 125, तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

S.O. 3592.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 125 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bagwada; Tehsil : Tarana; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S.No.	Survey No. No.	Area to be acquired for R O U. (in hectare)
1	2	3
1.	330/1	0.120
2.	330/1/	0.041
3.	331	0 031
TOTAL AREA		0.192

[No. O-14016/518/84-GP]

का. आ. 3593.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 128, तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : निहारिया तहसील : बड़ौदिया जिला : उज्जैन; राज्य : (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	6	0.209
2.	4	0 178
3.	5	0.052
4.	1	0 021
योग कुल क्षेत्रफल :		0 460

[सं O-14016/52/84-जीपी]

S.O. 3593.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 128 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Vihariya; Teshil Bhatiya; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be required for R.O.U. (in hectare)
1	2	3
1.	6	0.209
2.	4	0.178
3.	5	0.052
4.	1	0.021
TOTAL AREA		0.460

[No. O-14016/521/84-GP]

का. आ. 3594.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 135 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम : रलायत ; तहसील : घट्टिया; जिला : उज्जैन; राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	32/2	0.274
2.	32/1	0.320
3.	28	0.021
4.	29	0.365
5.	30	0.458
6.	22	1.102
7.	4	0.553
8.	19/2/1/1	1.568
9.	20	0.115
10.	10	0.413
11.	9	0.992
12.	72	0.091
13.	11	0.020
14.	75	0.365
15.	24	0.010
16.	76	0.354
17.	25	0.375
18.	78	0.448
19.	26/1/2/2	0.105
20.	79	0.365
21.	31	0.150
22.	80/1	0.344
23.	81	0.081
24.	35	0.010
25.	1	0.030
26.	19/2/3/2	0.125
	योग कुल क्षेत्रफल	8.969

[सं० O—14016/528/84—जीपी]

S.O. 3594.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 135 dated 12-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Govoernment directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Ralayati ; Tehsil : Ghattiya ; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in hectare)
1	2	3
1.	32/2	0.274
2.	32/1	0.320
3.	28	0.021
4.	29	0.365
5.	30	0.458
6.	22	1.012
7.	4	0.553
8.	19/2/1/1	1.568
9.	20	0.115
10.	10	0.418
11.	9	0.992
12.	74	0.091
13.	11	0.020
14.	75	0.365
15.	24	0.010
16.	76	0.354
17.	25	0.375
18.	78	0.448
19.	26/1/2/2	0.105
20.	79	0.365
21.	31	0.150
22.	80/1	0.344
23.	81	0.081
24.	35	0.010
25.	1	0.030
26.	19/2/3/2	0.125
	TOTAL AREA	8.969

[No. O—14016/528/84—GP]

का. आ. 3591—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना

का० आ० सं० 136 तारीख 12-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट:

ग्राम : रलायता हेवत, तहसील : भटिट्या, जिला : उज्जैन, राज्य: (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

क्रम सं.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	66	0.564
2.	26	0.620
3.	24	0.443
4.	19	0.627
5	18	0.523
6	17/3	0.230
7.	16	0.080
8.	15	0.314
9.	67	0.071
10.	23	0.021
11.	14/2	0.438
12.	12/2/1	1.952
13.	147	1.002
14.	28	0.742
15.	55	0.105
16.	13	0.209
	योग कुल क्षेत्रफल	7.941

सं० O—14016/529/84-जीपी]

S.O. 3595.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 136 dated 12-1-1985 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Ralayata Howat, Tohsil: Bhatiya; Distt. Ujjain

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. (in Hectare)
1.	66M	0.564
2.	26	0.620
3.	24	0.443
4.	19	0.627
5.	18	0.523
6.	17/3	0.230
7.	16	0.080
8.	15	0.314
9.	67	0.071
10.	23	0.021
11.	14/2	0.438
12.	12/2/1	1.952
13.	147	1.002
14.	28	0.742
15.	55	0.105
16.	13	0.209
	TOTAL AREA	7.941

[No. O-14016/529/84-GP]

का. आ. 3596.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 299 तारीख 26-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती

है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा

एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : पचेड तहसील : घटिया जिला : उज्जैन राज्य : (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	सर्वे नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर में)
1	2	3
1.	172 (मा.)	0.052
2.	173	0.063
3.	196	0.314
4.	211	0.324
5.	174	0.125
6.	175	0.042
7.	181	0.084
8.	182	0.136
9.	186	0.240
10.	197	0.240
11.	200	0.126
12.	198	0.063
13.	195/2	0.011
14.	199	0.376
15.	207	0.010
16.	209	0.418
17.	210	0.094
18.	217	0.010
19.	43 (मा.)	0.220
20	41/4	0.606
21.	41/1 (मा.)	0.240
22.	41/2	0.042
23.	42	0.062
24.	312	0.080
25.	170	0.036
26.	104	0.105
27.	208	0.010
	योग कुल क्षेत्रफल	4.129

[सं० O-14016/533/84—जी पी]

S.O. 3596.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 299 dated 26-1-85 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Panchod : Tehsil : Ghatiya Distt. : Ujjain

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U in hectare
1.	172M	0.052
2.	173	0.063
3.	196	0.314
4.	211	0.324
5.	174	0.125
6.	175	0.042
7.	181	0.084
8.	182	0.136
9.	186	0.240
10.	197	0.240
11.	200	0.126
12.	198	0.063
13.	195/2	0.011
14.	199	0.376
15.	207	0.010
16.	209	0.418
17.	210	0.094
18.	217	0.010
19.	43M	0.220
20.	41/4	0.606
21.	41/1M	0.240
22.	41/2	0.042
23.	42	0.062
24.	312	0.080
25.	170	0.036
26.	194	0.105
27.	208	0.010
TOTAL AREA		4.129

[No. O-14016/533/84—GP]

का. आ. 3597 —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं 305 तारीख 26-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम घुंटोटिया, तहसील घटिटया, जिला– उज्जैन राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची

अनु. क्र.	सर्वेक्षण नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टेयर में)
1	2	3
1.	264	0.792
2.	260/2	0.240
3.	95	0.439
4.	96	0.314
5.	97/2/1	0.340
6.	86	0.334
7.	87	0.402
8.	69	0.084
8 (ए)	67	0.240
9.	66	0.376
10	65	0.308
11.	109	0.557
12.	110	0.439
13.	59	1.045
14.	55	0.115
15	54	1.338
16	53	0.336
17.	261	0.010
18	258	0.005
19.	64	0.021
20.	259	0.021
21.	68	0.084
22.	85	0.005
23.	42	0.021
24.	158	0.063
	योग कुल क्षेत्रफल	7.959

[सं. ओ०–14016/539/84-जीपी]

S.O. 3597.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 305 dated 26-1-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Ghunletiya; Tehsil : Ghatiya; Distt. : Ujjain

SCHEDULE

Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	264	0.792
2.	260/2	0.240
3.	95	0.439
4.	96	0.314
5.	97/2/1	0.340
6.	86	0.334
7.	87	0.402
8.	69	0.084
8.A	67	0.240
9.	66	0.376
10.	65	0.308
11.	109	0.557
12.	110	0.439
13.	59	1.045
14.	55	0.115
15.	54	1.338
16.	53	0.366
17.	261	0.010
18.	258	0.005
19.	65	0.021
20.	259	0.021
21.	68	0.084
22.	85	0.005
23.	42	0.021
24.	158	0.063
	TOTAL AREA	7.959

[No. O-14016/539/84-GP]

का. आ. 3598.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 306 तारीख 26-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम : लालाखेड़ी तहसील : तराना जिला : उज्जैन राज्य : मध्य प्रदेश

अनुसूची

अनु क्र.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	269	0.050
2.	270	0.050
3.	27	0.040
4.	273	0.160
5.	272	0.140
6.	267	0.085
7.	268	0.050
8.	284	0.090
9.	285	0.020
10.	300	0.070
11.	301	0.020
12.	216/1	0.070
13.	348/2	0.150
14.	349	0.030
15.	351	0.020
16.	343/376	0.030
17.	300/381	0.030
18.	337	0.540
19.	283	0.240
20.	298	0.090
21.	339	0.080
22.	319	0.100
23.	341	0.150
24.	342	0.090
25.	343	0.050
26.	347	0.020
27.	350	0.090
28	350/385	0.200
29.	299	0.100
30	263/1	0.100
	योग कुल क्षेत्रफल :	2.953

[सं. O-14016/540/84-जी पी]

एम. एम. श्रीनिवासन, उप सचिव

S.O. 3598.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 306 dated 26-1-1985 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Lalakhedi; Tehsil Tarana; Distt. Ujjain

SCHEDULE

Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	269	0.050
2.	270	0.050
3.	271	0.040
4.	273	0.160
5.	272	0.140
6.	267	0.085
7.	268	0.050
8.	284	0.090
9.	285	0.020
10.	300	0.070
11.	301	0.02

1	2	3
12.	216/1	0.070
13.	348/2	0.150
14.	349	0.030
15.	351	0.020
16.	343/376	0.030
17.	300/381	0.030
18.	337	0.540
19.	283	0.240
20.	298	0.090
21.	339	0.080
22.	340	0.100
23.	341	0.150
24.	343	0.090
25.	342	0.050
26.	347	0.020
27.	350	0.090
28.	350/385	0.200
29.	299	0.100
30.	263/1	0.100
TOTAL AREA		2.955

[No. O-14016/540/84-GP]
M. S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय

(वन तथा वन्य जीव विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1985

का. आ. 3599.—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1985 के नियम 9 के उप नियम (2) नियम 12 के उप-नियम (2) की धारा (ख) तथा नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व मंत्रालय की अधिसूचना सं० एस. आर. ओ 643-ए दिनांक 28 फरवरी 1957 में आगे और निम्न संशोधन करते है अर्थात :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :-

(1) भाग 1 सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ग" तथा भाग 2 सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "घ" में मौजूदा प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएं, अर्थात :-

अनुसूची

पद का विवरण	नियोक्ता प्राधिकारी	दंड देने के लिये सक्षम प्राधिकारी जो नियम 13 की मद सं. के संदर्भ में दंड दे सकते हैं।	दंड	अपील सुनने वाला अधिकारी
1	2	3	4	5
काष्ठ निष्कासन विकास संस्थान				
भाग - 1 - सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ग" पद				
निदेशक काष्ठ निष्कासन विकास संस्थान के कार्यालय में समूह "ग" के सभी पद	संयुक्त निदेशक	संयुक्त निदेशक	सभी	निदेशक काष्ठ निष्कासन विकास संस्थान
भाग 2—सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "घ" के पद				
निदेशक काष्ठ निष्कासन विकास संस्थान के कार्यालय में समूह "घ" के सभी पद	संयुक्त निदेशक	संयुक्त निदेशक	सभी	निदेशक काष्ठ निष्कासन विकास संस्थान"

नोट :-मूल नियम भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3 में कृषि मंत्रालय की अधिसूचना सं. एस आर ओ 634-ए दिनांक 2-2-1957 में प्रकाशित किये गये है।

[सं० 6-5/84-वन स्था०-2/पी-2]
आर. एस. विष्ठ, अवर सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

(Department of Forests and Wildlife)

New Delhi, the 12th, July, 1985

S.O. 3599.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby further amends the notification of the Government of India in the late Ministry of Agriculture, No SRO 634-A, dated 20th February, 1957, as follows, namely:—

In the schedule to the said notification,—

(i) In part I, General Central Service Group 'C' and Part II, General Central Service Group 'D' after the existing entries the following entries shall be inserted, namely:—

SCHEDULE

"Description of post	Appointing Authority	Authorities Competent to impose penalties which it may impose (with reference to item number in rule 13) Penalties		Appellate Authority
1	2	3	4	5
LOGGING DEVELOPMENT INSTITUTE				
Part I—General Central Service Group 'C' posts				
All Group 'C' Posts in the Office of Directors, Logging Development Institute	Joint Director	Joint Director	All	Director, L.D.I.
Part II—General Central Service Group 'D' posts				
All Group 'D' posts in the Office of the Director, Logging Development Institute.	Joint Director	Joint Director	All	Director L.D.I".

Note:—The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Ministry of Agriculture No. SRO 634-A, dated 23-2-1957.

[No. 6-5/84-FE. II/P. II]
R. S. BISHT, Under Secy.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1985

का. आ. 3600.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उप नियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के आदेश का. आ. सं. 1047 तारीख 24-2-76 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त आदेश की अनुसूची में,—

(i) "भाग-1 साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" भारतीय सर्वेक्षण" में क्रम संख्यांक 2 के पद के सामने स्तम्भ (2) में, स्तम्भ (3) की मद (i) में और स्तम्भ (5) की मद (ii) में "सकिल निदेशालय/शाखा/संस्थान/केन्द्र/संयंत्र का प्रधान /उप महासर्वेक्षक" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—
"निदेशक/उप महासर्वेक्षक"

(ii) "भाग 2—साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ"—भारतीय सर्वेक्षण" में क्रम संख्यांक 2 के पद के सामने स्तम्भ (5) की मद (i) में, "सर्किल निदेशालय/शाखा/संस्थान/केन्द्र संयंत्र का प्रधान/उप महा-सर्वेक्षक" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखे जाएंगे, अर्थात्:—
"निदेशक/उप महासर्वेक्षक"

[सं. 4-6/84-एस एंड पी]
आर. जी. मनमुखानी, डेस्क अधिकारी

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 8th July, 1985

S.O. 3600.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965, the President hereby makes the following further amendments in the order of the Government of India, Department of Science and Technology S.O. No. 1047 dated 24-2-76, namely :—

in the Schedule to the said order, —

(i) In "Part II General Central Service Group C—Survey of India" against the post at serial No. 2, in column (2), in item (i) of column (3) and in item (ii) of Column (5) for the words "Head of Circle/Directorate/Branch/Institute/Centre/Plant/Deputy Surveyor General", the following shall be substituted, namely ;

"Director/Deputy Surveyor General" ;

(ii) In "Part II General Central Service Group D—Survey of India"—against the post at serial No. 2 of column (5) in item (i), for the words "Head of Circle/Directorate/Branch/Institute/Centre/Plant/Deputy Surveyor General" the following shall be substituted namely :

"Director/Deputy Surveyor General".

[No. 4—6/81-SMP]

R. G. MANSUKHANI, Desk Officer

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 27 अप्रैल- 1984

का.आ. 3601.—भारत सरकार नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2950 दिनांक 24-11-1984 के जो भारत सरकार के राजपत्र के भाग II खंड 3 उपखंड (ii) में प्रकाशित हुई थी, साथ संलग्न अनुसूची में, मद संख्या तीन में प्रत्येक ट्रेलर के स्वीकृति भार की सीमा के स्थान पर इस कार्य के लिए निम्नलिखित सीमा निश्चित की जाती है।

सामने का एक्सल लोड	7.60
पीछे का एक्सल लोड	20.30
कुल लदा भार	27.90

फाइल सं. टी० डब्ल्यू/टी० जी० एम० (63)/84]

प्रदीप सिंह उप सचिव,

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th April, 1985

S.O. 3601.—In the Government of India, Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) Notification No. S.O. 29 5 dated 24-11-1984 published in the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section (ii), in the Schedule appended thereto, in place of limits specified against item No.3 relating to recommended load of each trailer, following shall be substituted:—

Front axle load	7.60 t
Rear tandem axle load	20.30 t
Gross laden weight	27.90 t

[File No. TW/TGM (63)/84]

PRADEEP SINGH, Dy. Secy

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

का०आ० 3602.—रेल मंत्रालय के 30-4-1985 के अधिसूचना सं 85ई(ओ)II को निरस्त करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रेल अधिनियम, 1890(1890 अधिनियम ix) की धारा बी 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए 6-6-1981 को पूर्वोत्तर रेलवे पर बागमती नदी पर हुई 416 डाउन पैसेंजर गाड़ी की दुर्घटना से उत्पन्न सभी दावों का निपटान करने के लिए एतद्द्वारा श्री व० एन० मिश्र सेवानिवृत्त जज को अपर तदर्थ दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय सहरसा होगा।

[सं० 85/ई(ओ)II/1/4]

ए०एन० वांचू सचिव, रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O. 3602.—In cancellation of the Ministry of Railways' notification No. 85E(O)II/1/4 dated 30-4-1985, the Central Government, in exercise of the powers conefrred by Section B2 B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890), hereby appoints Shri V. N. Misra retired Judge as Additional Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of the accident to 416 DN Passenger train on Bagmati River on North Eastern Railway on 6-6-1981. His Headquarters will be at Saharsa.

[No. 85/E(O)II/1/4]

A. N. WANCHOO, Secy. Railway Board & Ex-Officio Jt Secy. to the Govt. of India.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1985

का०आ० 3603.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने खेदब्रह्मा टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-8-85 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-7/85 पीएचबी]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 15th July, 1985

S.O. 3603.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-8-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Khedbrahma Telephone Exchange Gujarat Circle.

[No. 5—7/85-PHB]

का०आ० 3604.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने हिन्गोलि टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-8-84 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-10/85पीएचबी]

ब्रजरामसिंह, सहायक महानिदेशक (पी.एच.बी.)

S.O. 3604.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 1-8-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Hingoli Telephone Exchange Maharashtra Circle.

[No. 5—10/85-PHB]

B. R. SINGH, Asst. Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1985

शुद्धि-पत्र

का० आ० 3605:—भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 4307 तारीख 20 नवम्बर, 1984 जो कि भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3 (ii) में पृष्ठ 4016—4017 पर तारीख 8-12-1984 को प्रकाशित हुई है की पहली तथा दूसरी पंक्ति में "केन्द्रीय सरकार, ठेका श्रम (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37)" शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय सरकार, ठेका श्रम (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37)" पढ़ें। पढ़ें।

[सं० एस-16025/22/84-एल.डब्ल्यू]

पी.सी. महर्षि, उप-सचिव

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1985

का.आ. 3606.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, रूरकेला स्टील प्लांट आफ स्टील आथोरिटी आफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंधतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O. 3606.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 6 of 1979 (Central)

Bhubaneswar, the 26th June, 1985

BETWEEN

The employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Ltd.—First-party

AND

Their workmen —Second-party

APPEARANCES :

Shri B. Panda, Deputy Manager (PL-IR), Rourkela Steel Plant Rourkela—For the first-party.

Shri B. C. Mohapatra, Vice-President, Rourkela Mazdoor Sabha, Rourkela—For the second-party.

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Section 7A and Clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification No. L-29011/37/78-D.III (B), dated 17th December, 1979 of the Ministry of Labour reads thus :

"Whether the action of the management of Barsua Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Ltd., in not regularising in service 42 temporary workers, as mentioned in the annexures, is justified ? If not, to what relief the workmen are entitled and from which date ?"

2. On the date of hearing, i.e. 4-6-1985, both the parties filed a joint petition along with a Memorandum of Settlement praying to pass an Award in terms of the settlement. They admitted the terms of the settlement before me and stated that they had entered into the settlement without any coercion or duress in the interest, of industrial peace and harmony. The settlement appears to be fair.

3. Hence I pass this Award in terms of the settlement and the Memorandum of Settlement do form part of the Award.

K. C. RATH, Presiding Officer

[No. L-29011/37/78-D.III(B)]

MEMORANDUM OF SETTLEMENT DATED 4-6-85 BETWEEN THE MANAGEMENT OF SAIL, ROURKELA STEEL PLANT, ROURKELA AND THE ROURKELA MAZDOOR SABHA (RECOGNISED UNION) REPRESENTING THE TEMPORARY WORKERS OF BARSUA IRON MINES

Representing Management :

1. Sri R. C. Mohanty
   Dy. General Manager (M&Q)
2. Sri P. K. Das
   Chief Personnel Manager
3. Sri R. N. Bhanja
   Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)
4. Sri S. Acharya
   Dy. Chief Personnel Manager (IR & Mines)

Representing Union :

1. Sri B. C. Mahapatra
   Vice-President, RMS.
2. Sri R. K. Samantrai,
   General Secretary, RMS.
3. Sri P. K. Pattnaik
   Executive Member, BIM, RMS.

SHORT RECITAL OF THE CASE

In Industrial Dispute Case No 6/79(C) between the Management of Steel Authority of India Limited, Rourkela Steel Plant and the Rourkela Mazdoor Sabha, Barsua Branch (representing the temporary workers of Barsua Iron Ore Mines), the following matters has been pending adjudication before the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar.

"Whether the action of the Management of Barsua Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, in not regularising in service 42 temporory workers as mentioned in the annexure, is justified ? If not, to what relief the workers are entitled and from which date ?"

The Management's position in relation to the dispute was that regularisation of such temporary workers in Rourkela Steel Plant is being done as per the prevailing practice of the Management. The 42 temporary workmen involved with the dispute could not be regularised as they did not fulfil the laid down criteria. The union's contention was that these 42 persons have already put in more than 10 years service with the company and as such, the Management

should consider their claim for regularisation.

During the pendency of the adjudication proceedings, the parties have held mutual discussion between themselves and agreed to amicably settle the above dispute on the following terms :

TERMS OF SETTLEMENT

1. In view of the fact that the temporary workers are already being extended with all benefits at par with regular employees, it is agreed that for the purpose of job restructuring for gainful utilisation, the 42 temporary employees as mentioned in the schedule of reference shall be treated as regular employees for all purposes and they will be put on a separate channel of promotion taking care of the fact that the employees of existing channel of promotion and their seniority position are not adversely affected. Such workers who have completed 10 years or more service in existing grades, shall be given higher grade under the existing SLPG Scheme in force in RSP with immediate effect.

2. That both parties will jointly move the Hon'ble Industrial Tribunal to pass an 'Award' in terms of this settlement.

3. That the union agrees not to raise any of further dispute concerning regularisation of such temporary workers in future.

SIGNATURES OF THE PARTIES

Representing Management :

(R. C. Mohanty)

Deputy General Manager (M&Q)

(P. K. Das)

Chief Personnel Manager

(R. N. Bhanja)

Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)

(S. Acharya)

Dy. Chief Personnel Manager (IR and Mines)

Representing Union :

(R. C. Mahapatra)

Vice-President, RMS.

(R. K. Smantrai)

General Secretary, RMS.

(P. K. Pattnaik)

Executive Member, BJM, RMS.

Witnesses :

1. (N. C. Ghose)
Dy. Manager (PL-OMQ)

2. (B. Panda)
Dy. Manager (PL-IR)

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1985

का. आ. 3607.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डोनीमलाई आयरन ओर माईंज आफ मैसर्स एन० एम० डी० सी० लिमिटेड डोनीमलाई के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण गांधी नगर, बंगलौर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O. 3607.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Gandhinagar, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Donimalai Iron Ore Mines of M/s. N.M.D.C. Ltd., Donimalai and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd July, 1985

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAK, BANGALORE

Bangalore, the 27th June, 1985

PRESENT :

Sri R. Ramakrishna, B.A., B.L, Presiding Officer
Central Reference No 17 of 1985

I Party :

The General Secretary,
Donimalai Iron Ore Mine
Employees Association,
Donimalai.

Vs.

II Party :

The Project Manager,
Donimalai Iron Ore Mine of NMDC,
Donimalai Township Donimalai.

APPEARANCES :

For the I Party—None present.

For the II Party—None present.

REFERENCE :

(Government Order No L-26012(12)/84-D.III (B) dated 26-4-85).

AWARD

The Central Government after forming an opinion that an industrial dispute exists between the I and II parties has referred this matter to this Tribunal to sumbit an award within the period of six months in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) or Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. The point for adjudication is stated hereunder :—

> "Whether the action on the part of the Management of in relation to the Donimalai Iron Ore Mines of M/s. National Mineral Development Corporation Ltd., in ignoring the claims of Shri S.B.P. Siddaiah and K. Mahadevan, Assistants (Materials) for promotion to the posts of Junior Officers is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?"

2. Consequent to receipt of this reference on 30-4-85 Registered notices are issued to both the parties and they have not made any representation though they have received the notices and hence the case was adjourned on three occasions for appearance of the parties but they have failed to appear in spite of these adjournments. On 21-6-85 this office has received a copy of the letter addressed to the Under Secretary to the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, New Delhi.

3. It is stated in the letter in relation to the reference sent to this Tribunal that this dispute relates to the departmental test procedure as incorporated in a Memorandum of Settlement dated 23-8-80 between the parties. However, the test procedure was again taken up for deliberations on 3-1-84 and by mutual understanding and co-operation in the overall interest and industrial peace they have arrived at a fair and amicably settlement on 22-2-85 and accordingly signed the Memorandum of Settlement which has already been implemented and as required under Rule 58(4) of the Industrial Disputes (Central) Rules both the parties to the settlement have jointly sent a copy of the settlement dated 22-2-85, vide their letter dated 25-2-85 and presumably the fact that an amicable settlement has already been arrived at betwetn the parties on 22-2-85 was not properly linked with the papers and therefore the otder dated 26-4-85 under reference has been passed.

4. In view of this letter which discloses that the parties have already settled this issue by mutual agreement it is presumed that they have will not appear before this Tribunal for getting an adjudication In view of the situation, I

find no reason to continue this case. Hence I pass the following award :—

AWARD

In view of the above, the reference is rejected as infructuous.

(Dictated to the Stenographer, transcribed and typed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L-26012/12/84-D.III(B)]

का०आ० 3608.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार रुरकेला स्टील प्लांट आफ स्टील आथोरिटी आफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3608.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer
Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 2 of 1979 (Central)
Industrial Dispute Case No. 2 of 1981 (Central)

Bhubaneswar, the 26th June, 1985

BETWEEN

The employers in relation to the management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited. First-party

AND

Their workmen Second-party.

APPEARANCES :

Shri B. Panda, Deputy Manager (PL-IR), Rourkela Steel Plant, Rourkela—for the first-party.

Shri B. C. Mohapatra, Vice-President, Rourkela Mazdoor Sabha Rourkela—For the second-party.

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Section 7-A and Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification No. L-26011/12/77-D.III (B) dated 30-6-1979 and 16-1-1981 of the Ministry of Labour reads thus :

"Whether the demand of the temporary workmen of Barsua Iron Ore Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited for grant of Incentive Bonus, according to the Incentive Earning Scheme introduced by the management for regular non-executive employees with effect from 1-8-1975 is justified ? If so, to what relief they are entitled and from what date ?"

2. On the date of hearing, i.e., 4-6-1985, both the parties filed a joint petition along with a Memorandum of Settlement praying to pass an Award in terms of the settlement. They admitted the terms of the settlement before me and stated that they had entered into the settlement without any coercion or duress in the interests of industrial peace and harmony. The settlement appears to be fair.

3. Hence I pass this Award in terms of the settlement and the Memorandum of Settlement do form part of the Award.

Dictated and corrected by me.

K. C. RATH, Presiding Officer

[No. L-26011/12/77-D.III(B)]

MEMORANDUM OF SETTLEMENT DATED 4-6-85 BETWEEN THE MANAGEMENT OF S.A.I.L., ROURKELA STEEL PLANT, ROURKELA AND THE ROURKELA MAZDOOR SABHA (RECOGNISED UNION) REPRESENTING THE TEMPORARY WORKERS OF

BARSUA IRON MINES

Representing Management :

1. Sri R. C. Mohanty
Dy. General Manager (M&Q)

2. Sri P. K. Das,
Chief Personnel Manager

3. Sri R. N. Bhanja,
Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)

4. Sri S. Acharya,
Dy. Chief Personnel Manager (IR and Mines).

Representing Union :

1. Sri B. C. Mohapatra
Vice-President, RMS

2. Sri R. K. Samantarai
General Secretary, RMS

3. Sri P. K. Pattnaik,
Executive Member, BIM, RMS

4. Sri N. Behera,
Secretary, RMS, BIM

SHORT RECITAL OF THE CASE

In I. D. Case No. 2/79(C) and 2/81(C) between the Management of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited, Unit, Barsua Iron Mines, and the temporary workers of Barsua Iron Mines, represented by the Rourkela Mazdoor Sabha, Barsua Branch, the following matters have been referred for adjudication to the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar by the Central Government.

I. D. 2/79 (C)
I. D. 2/81 (C)

"Whether the demand of the temporary workers of BIM of Rourkela Steel Plant of SAIL for grant of Incentive Bonus, according to the Incentive Earning Scheme introduced by the Management for regular non-executive employees with effect from 1-8-75 is justified ? If so, to what relief they are entitled and from what date."

That there are some temporary workers employed in Barsua Iron Mines who are not covered under the modified Incentive Scheme (1979) for Barsua Iron Mines which was given effect to from 1-11-78 but such workers are covered under the Incentive Earning Scheme meant for such of the non-executive employees who earlier were not covered under any incentive scheme. This scheme was given effect to from 1-8-75. The Rourkela Mazdoor Sabha raised an Industrial Dispute concerning the temporary workers of Barsua Iron Mines who are covered under the Incentive Earning Scheme which come into force from 1-8-75 and not under the modified Incentive Scheme (1978) demanding that the temporary workers should be brought under the modified Incentive Scheme (1978) for Barsua Iron Mines. Upon failure of conciliation, the matter was originally referred and registered as I. D. Case No. 2/79 (Central) which was subsequently referred and registered as I. D. Case No. 2/81 (Central).

During the pendency of the proceedings the parties in the interest of industrial peace and social justice have agreed to amicably settle the aforesaid dispute and after detailed discussions both the Management and the Union have agreed to settle the dispute on the following terms.

TERMS OF SETTLEMENT

1. It is agreed that the temporary workers of Barsua Iron Mines will be covered under the modified Incentive Scheme (1978) of BIM w.e.f. 1-7-81 and they will continue to get the benefit of the said Scheme revised from time to time by the Management.

2. That such temporary workers will be paid incentive bonus w.e.f. 1-7-81 at the rates applicable to different incentive groups of the modified Incentive Scheme under which they have worked in BIM.

3. That this settlement fully and finally settles all disputes concerning incentive to temporary workers of Barsua Iron Mines of Rourkela Steel Plant of Steel Authority of India Limited. The Union representing the workers agreed not to raise any other or further dispute concerning the same matter relating to the temporary workers of BIM.

4. That the Management agrees to make payment of the incentive bonus in terms of the settlement within two months of the notification of the 'Award' of the Industrial Tribunal.

5. That both the parties will jointly approach the Hon'ble Industrial Tribunal, Orissa by making joint petition to dispose the case No. I. D. 2/79(C) and 2/81(C) on the terms above said and pray for an 'Award' in terms of the settlement.

SIGNATURE OF THE PARTIES

Sd/-

(R. C. Mohanty)

Dy. General Manager (M&Q)

Sd/-

(P. K. Das)

Chief Personnel Manager

(R. N. Bhanja)

Addl. Chief Personnel Manager (Non-Works)

(S. Acharya)

Dy. Chief Personnal Manager IR and Mines

(B. C. Mohapatra)

Vice-President, RMS

(R. K. Samantrai)

General Secretary, RMS

(P. K. Pattnaik)

Executive Member, RMS, BIM

(Narayan Behera)

Secretary, RMS, BIM

Witnesses :

1. (N. C. Ghosh)

2. (B. Panda)

का.आ. 3609.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस०डी०ओ०, टेलीफोन्स, कटक, के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में अनुबंध केन्द्रीय औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई 1985 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 3609.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute, Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhuvaneswar, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S. D. O. Telephones, Cuttack and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 1 of 1985

(CENTRAL)

Dated, Bhubaneswar, the 21st June 1985

BETWEEN :

The employers in relation to the management of S.D.O. Telephones, Cuttack. First-Party

AND

Their workmen Second-party

APPEARANCES :

Shri Gangadhar Das, S.D.O., Telephones

Sri P. Acharya, Asst. General Manager.

For the First-party

Sri S.K. Mitra, General Secretary, Bhratiya Mazdoor Sangh For the Second-party

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Clause (d) of Sub-section (1) or Sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification dated 8-1-1985 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour reads thus :

"Whether the action of the S.D.O., Telephones (P&T Deptt.), Cuttack, in terminating the employment of S/Shri P. K. Barik, B. D. Panda, S. K. Das and K. C. Behera, casual mazdoors w.e.f. 1-3-1983 is legal and justified ? If not, to what relief are the workmen entitled ?"

2. First-party employer is the management of S.D.O., Telephones, Cuttack whereas the second party workmen were its employees engaged as casual mazdoors for laying cables from 10-9-1981 till 1st March, 1983 where there services were terminated as no longer required and hence, the dispute.

3. Second-party workmen challenged the order of termination of their services as illegal mainly on the ground of non-compliance of the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947.

4. First-party employer filed a counter stating that the second-party members are not the workmen and hence the case is not governed under the Industrial Disputes Act. It is further stated that the reference is not maintainable for non-joinder of the Union of India as necessary party. Lastly it is stated that the second-party members were refused employment with effect from 1-3-1983 after the completion of the work for which they were engaged and they were taken in again in January 1984 when work was available for them.

5. One witness was examined for the second party workmen and one for the first-party employer. The witness examined for the first-party employer is the Assistant General Manager, Telecommunication (Staff and Administration). He has exhibited the relevant documents, Exts. A and E and on a reference to the same it appears that the second-party workmen were engaged for laying cables from 10-9-1981 till 1-3-1983 when employment was refused to them as no longer required. But in evidence it is stated by him that when specific job was over and funds on other heads were not available for continuous employment of the aforesaid second-party workmen they were informed that their services were no longer required. No document or any corroborative material is placed on record to lend support to his evidence that the services of the second-party workmen were terminated for non-availability of funds. On the other hand, it is stated in the written-statement that the services of the second-party workmen were terminated after completion of the work for which they were engaged. Thus it would be seen that the stand taken by he first party employer in the matter of termination of the services of the second-party workmen is not consistent. Whatever that may be, the fact remains that the second-party workmen worked from 10-9-1981 to 28-2-1983 and as such, their services should not have been terminated without complying with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. At the time of argument submission was made relying on a decision reported in A.I.R. 1963 1914 (Sur Enamel and Stamping Works Ltd. Vrs. Their workmen) that the workmen were not entitled to any retrenchment benefit prior to the termination of their services. I have gone through this decision and what I find is that it does not help the first-party in any way in view of the admitted facts as stated above that the second-party workmen were in continuous service from 10-9-1981 till 28-2-1983. Retrenchment benefit not having been given to the second-party workmen, the impugned order terminating the services of the second-party workmen must be held to be neither legal nor justified.

6. One ground is taken that the second-party members are not workmen. But at the evidence stage, it is not pressed. One more ground is also taken in the written-statement that the Union of India not having been made a party to the case, the reference is not maintainable. In this connection reliance was placed on a decision reported in A.I.R. 1977 S.C. 1703 (K.K. Shrivastava Vrs. Bhupendra Kumar Jain and others) which is completely beside the point inasmuch as it is not a case arising out of any dispute under the Industrial Disputes Act, 1947. To sum up, the impugned order terminating the services of the second-party workmen is neither legal nor justified.

7. In the result, the action of the S. D. O. Telephones (P&T Deptt.), Cuttack, in terminating the employment of S/Shri P. K. Barik, B. D. Panda, S.K. Das and K.C. Behera, casual mazdoors with effect from 1-3-1983 is neither legal nor justified. Since the second-party workmen have been reinstated in the meanwhile they be paid back wages for the period from 1-3-1983 to 31-3-1984.

8. The Award is passed accordingly

K. C. RATH, Presiding Officer.

[No. L-40011/1/83-D.II(B)]

Dt. 21-6-85

Dictated & corrected by me.

K.C. RATH, Presiding Officer.

Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar

का.आ. 3610—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैला दिला आयरन ओर प्रोजेक्ट नं० 14 डाकघर किरन्दुर, जिला बस्तर (म०प्र०) के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंबई-2 के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई-1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3610.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay-II, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bailadila Iron Ore Project Doposit No. 14, Post Office Kirandul, District Bastar (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

BEFORE SHRI M.A. DESHPANDE, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NO. II, BOMBAY (CAMP AT JABALPUR)

Case No. CGIT-2/24 of 1985 (Bombay)
Case No. CGIT/LC(R) 21 of 1984 (Jabalpur)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bailadila Iron Ore Project, Deposit No 14, Post Office Kirandul District Bastar (M.P) and their workman represented through the S.K.M. Sangh, Bailadila Iron Ore Project Dept. No. 14, Post Office Kirandul, Distt. Bastar (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman—Shri M. P. Pandey, Secretary.
For Management—Shri P. S. Nair, Advocate Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY : Iron Mining DISTRICT : Bastar (M.P.)

AWARD

Dated 1st July, 1985

By Order No. L-26012/10/83-D.III(B) dated 8th March, 1984 (Transferred vide Order No. S-11025(1)/85-B.IV(B) dated the 8th Febuary, 1985) the following disute had been referred for adjudication under Section 10 of the Industrial Disutpes Act, 1947 :—

"Whether the action of Bailadila Iron Ore Project, Deposit No. 14, Post Office Kirandul Distt. Bastar (MP) of National Mineral Development Corporation in not granting proper seniority to S/Shri Gajadhar and Lachhayya in Gr. I and denying promotion to Gr. I from 15-4-70 while promoting Shri Rambalam Singh JHD Gr. III to Gr. I, is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

2. From the statement of claim filed by the Union on behalf of the workmen concerned the contention of the Union seems to be that ignoring the claims of the two workmen viz. Shri Gajadhar and Shri Lachhayya who were placed in Grade II, third workman viz. Shri Rambalam Singh who though was in Gr. III was promoted earlier to Gr. I from 15-4-1970 and therefore the two workmen are entitled to the promotion from the same date with the ancillary benefits,

3. This contention of the Union is denied by the management who says that the workman concerned viz. Shri Rambalam Singh was first appointed on 1-9-1965 while the two workmen for whom the reference is made were appointed on 25-6-1966 and 26-11-1966 respectively. It is further stated that the date of regular appointments of these three workmen viz. S/Shri Rambalam Singh, Lachhayya and Gajadhar were 17-6-1966, 1-6-1968 and 1-6-1968 respectively. It is a case of the management that at the time of appointing Shri Lachhayya and Shri Gajadhar as JHD Gr. II the fact that Shri Rambalam Singh was senior to them escaped attention and therefore this error was rectified while promoting Shri Rambalam Singh to JHD Gr. I. In short, the case of the management is that Shri Rambalam Singh, in fact because of the seniority was entitled to the post and hence no relief can be claimed by the two workmen.

4. The only question which therefore arises for determination is whether the two workmen viz., S|Shri Gajadhar and Lachhayya were senior to Shri Rambalam Singh and therefore they were entitled to be promoted at least from the date when Shri Rambalam Singh was put in Gr. 1.

5. On the date of hearing although the matter was fixed at Jabalpur and notices were issued to the parties the Union sent a telegram but advanced no convincing reason for adjournment and therefore the prayer was rejected, as a result of which there was absolutely no evidence on the part of the Union in support of their contentions or to negative the stand of the management that Shri Rambalam Singh, in fact by virtue of appointment earlier was senior to these two workmen and that an injustice which was caused to him earlier was redressed by making the requisite appointment. The result is that in the absence of any proof which was expected, no finding in favour of the Union or the two workmen can be noted, hence no relief is possible as the action of the management is not held to be unjustified.

Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer
[No. L-26011|10|83-D. III(B)]
HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1985

का.आ० 3611—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार आंध्र बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 2 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th July, 1985

S.O. 3611.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Andhra Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd July, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHNBANESWAR

PRESENT :

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 1 of 1983 (Central)

Dated Bhubaneswar, the 21st June, 1985

BETWEEN

The Employer in relation to the management of Andhra Bank ...First-party

AND

Their workmen ..Second-party

APPEARANCES :

Shri P. Pannuswamy, Personnel Officer, Regional Office, Andhra Bank, Bhubaneswar—For the first-party.

Shri M. Das, Vice-President, Andhra Bank Employees' Union, Gosaninuagaon Branch, Berhampur (Ganjam)—For the second-party.

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Section 7-A and Clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 vide Notification No. L-12011(3)/82-D.IV(A) dated 20-1-1983 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour, reads thus :

"Whether the proposed action of the management of the Andhra Bank in relation to its Rourkela branch to withdraw the facility of payment of House rent subsidy at the flat rate of Rs. 150|- per month to non-subordinate staff and Rs. 100/- per month to subordinate staff of the Bank and instead pay them house rent allowance in terms of para 12(ii) of the Bipartite Settlement dated 31-10-1979 with effect from 1-6-82 in pursuance of its notice dated 9-4-82 under section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

2. It is not in dispute and is admitted by both the parties that the workmen of the first-party employed at Rourkela Branch were previously enjoying the benefit of house rent subsidy at the rate of Rs. 150 per month for non-subordinate staff and Rs. 100 per month for subordinate staff. It is also admitted that by notice issued under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, the first-party decided to withdraw that benefit with effect from 1-6-1982 and as a result, dispute was raised and the conciliation having failed, the present reference was made. Subsequent to the reference the management has decided to withdraw the notice issued under Section 9-A of the Industrial Disputes Act. In evidence it is stated by the Personnel Officer, Andhra Bank Regional Office, Bhubaneswar, examined as witness No. 1 for the management that the notice issued under Section 9-A of the Act is treated as withdrawn. A petition is also filed in court to that effect. Such being the state of affairs, the reference needs no answer as it has become infructuous.

3. In the result, I would hold that the reference has become infructuous, and hence needs no answer.

4. Award is passed accordingly.

Dictated and corrected by me.

K. C. RATH, Presiding Officer,
Presiding Officer,
[No. L-12011|3|82-D. IV(A)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1985

का.आ. 3612:—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री सूर्या मादृमि, अनुभाग अधिकारी को 15-7-85 (पूर्वाह्न) से उत्प्रवास संरक्षी, कलकत्ता नियुक्त करती है।

New Delhi, the 15th July, 1985

S.O. 3612.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri Surya

[No. A-22012|1|84-Emig. II]

Maiti, Section Officer to be the Protector of Emigrants, Calcutta with effect from 15-7-1985 (Forenoon).

[No. A-52012/1/84-Emig. II]

INDER SINGH, Under Secy.

का.आ. 3613--कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 16 जुलाई, 1985 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उप-धारा (1) और धारा 77 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे अर्थात्:—

केन्द्र	क्षेत्र
पेतपमपट्टी	कोयम्बतूर जिले के उडुमलपेट तालुक में इल्लुप्पा नगरम, वल्लाकुण्डापुरम, वाडुगापलायम, कोंगल नगरम सोमवरपट्टी गुडीमंगलम दोड्डमपट्टी, कोट्टामंगलम राजस्व ग्रामों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र ।

[संख्या एस-38013/16/85-एस एस-I]

New Delhi, the 15th July, 1985

S.O. 3613.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th July, 1985 as the date on which the provisions of Chapter IV [except sections 44 and 45 which have already been brought into force] and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu, namely:—

Centre	Area
Pethappamaptti	Comprising the Revenue Villages of Illuppa Nagaram, Vallakundapuram, Vadugapalayam, Kongal Nagram, Somavarapatti, Gudimangalam, Doddampatti, Kottamangalam in Udumalpet taluk of Coimbatore district.

[No. S-38013/16/85-SS.I]

का.आ. 3614–केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 16 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गुजरात राज्य सरकार और चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के अधीन ऐसे सभी विभागीय उपक्रमों को जिनके कर्मचारी सरकारी नियमों के अधीन अनुज्ञेय भविष्य निधि और पेंशन सुविधाएं एक वर्ग के रूप में प्राप्त कर रहे हैं, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के प्रवर्तन से 1 अगस्त, 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

[सं० एस–35025/63–पी एफ 2

S.O. 3614.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 16 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (No. 19 of 1952) the Central Government hereby exempts all departmental undertakings under the State Government of Gujarat and the Union Territory Administration of Chandigarh whose employees are in receipt of provident fund and pension benefits as admissible under the Government rules, as a class, from the operation of the provisions of the said Act for a period of three years with effect from the 1st August, 1985.

[No. S-35025|6|83-PF.II]

का.आ.--3615--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रीना सेल्ज कोर्पोरेशन 38, सुन्दर महल, 141 एन.एस.रोड बम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं एस–35018(10) 85–एस2]

S.O 3615.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Reena Sales Corporation, 38, Sunder Mehal, 141, N. S. Road, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(10)|85-SS-II]

का. आ. 3616—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नाथेला सामपाथु चेट्टी एण्ड सन, 123, एन०एस०सी० बोस रोड मद्रास-600001 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा(4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं एस-35019(251)/85 एस एस-2]

S.O. 3616.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nathaella Sampathu Chetty & Son, 123, N.S.C. Bose Road, Madras-600001, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said establishment.

[No. S-35019(291)|85-SS II]

का० आ० 3617.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डेवलपमेंट अथारिटी, नागालैंड, कोहिमा और उसकी शाखा है—एक्सक्यूटिव इंजिनियर डवलपमेंट अथारिटी, पो०आ० दिमापुर, नागालैंड नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं. एस-35019 (290)/85-एस एस-2]

S.O.3617.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Development Authority Nagaland, Kohima including its Branch Executive Engineer Development Authority, Post Office Dimapur, Nagaland, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment ;

[No. S-35019(290)/85-SS.II]

का०आ० 3618.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेंकटेश्वरा मैटल प्रिजर्वस 6-16-13, ईस्ट प्वाइंट कालोनी, विशाखापटनम-530003 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं. एस-35019(289)/85-एस एस-II]

S.O. 3618.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Venkateshwara Metal Preservers, 6-16-13, East Point Colony, Visakhapatnam-530003, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(289)/85-SS.II]

का.आ. 3619.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चिनाए एजेंसीज नं. 41, एन०एम०एम०रोड मद्रास-29 और इसके गोदाम है—नं० 1, चौधरी कालोनी मद्रास-34 और इसकी शाखा-स्टेशन रोड डालमिया पुरम, त्रिचि जिला नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं. एस-35019(288)/85—एस एस-II]

S.O. 3619.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Chennai Agencies. No. 41, N.M.M. Road, Madras-29 including its Godown at No. 1, Chowdry Colony, Madras-34 and Branch at Station Road, Dalmia Puram, Trichy District have agreed that the provision of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the sad Act to the said establishment.

[No. S-35019(288)/85-SS.II]

का. आ. 3620.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि बंगाल इम्युनिटि एम्पलाईज कोआपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, 44, गोपाल लाल टैगोर रोड, बारा नगर, कलकत्ता-36 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस.-35017(76)/85/एस.एस -II]

S.O. 3620.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. The Bengal Immunity Employees' Co-operative Credit Society Ltd., 44, Gopal Lal Tagore Road, Baranagar, Calcutta-36, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(76)/85-SS.II]

का. आ. 3621.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आर्ट रबड़ इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, 26, चित्तरंजन एवन्यू, कलकत्ता नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस.-35017(77)/85-एस. एस.-II]

S.O. 3621.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Art Rubber Industries Ltd., 26, Chittaranjan Avenue, Calcutta-12 (West Bengal)) have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said estabfishment.

[No. S-35017(77)/85-SS.II]

का. आ. 3622.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इस्टर्न टी वेयरहाउसिंग को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, जवाहर नगर, पी० आ० बेलटोला, गोहाटी-781028 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस.-35019(298)/85-एस. एस.-II]

S.O. 3622.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Eatern Tea Warehousing Co-operative Society Limited, Jawahar Nagar P.O. Beltola, Gauhati-781028, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(298)/85-SS.II]

का. आ. 3623.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साई इण्डस्ट्रियल सिक्युरिटी सर्विस, 16/2, पटानचेरु, मेडक कस्बा नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस.-35019(296)/85-एस. एस.-II]

S.O. 3623.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sai Industrial Security Service, 16/2, Patancheru, Madak Dist. have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(296)/85-SS.II]

का. आ. 3624.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माया मोटर सर्विस, वैस्ट नादा, गुरुवायूर गांव, चवाकद ताल्लुक, त्रिचूर कस्बा नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(297)/85-एस. एस.-II]

S.O. 3624.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Maya Motor Servce, West Nada, Guruvayoor Village, Chavakad Taluk, Trichur District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(297)/85-SS.II]

का. आ. 3625.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वाई-73, कुरुमाथुर एग्रीकल्चरल सर्विस को-आपरेटिव सोसाइटी कुज्हीथुरई पोस्ट और इसकी शाखाएं है—(1) तिरु थुवापुरम (2) काक्काथुविलाए (3) कुंजवन्थ कुरुमथूर नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

सं. एस. 35019(295)/85-एस. एस-II]

S.O. 3625.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Y-73, Karumathoor Agriculural Service Co-operative Society, Kuzhithurai post including its branches at (1) Thiruthuvapuram, (2) Kakkathuvilai (3) Kazhavanth Kurumathoor have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said estblishment.

[No. S-35019(295)/85-SS.II]

का. आ. 3626.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राव एंड राव कंपनी, इंजिनियरस एंड कोन्ट्रेक्टरस ई. डब्ल्यू. एस. क्वाटर नं. 39, आटोनगर, विशाखापत्तनम-12 नाम स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियमों के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(299)/85-एस. एस II]

S.O. 3626.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rao and Rao Company, Engineers and Contractors, E.W.S. Qr. No. 39 Autonagar, Visakhapatnam-12, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(299)/85-PF-II]

का. आ. 3627.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एडवान्सड इलेक्ट्रोनिक्स एंड सिस्टम्स, ए-9, इलेक्ट्रोनिक कॉम्पलैक्स, कुशाइगुडा, हैदराबाद-500762 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और

कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(300)/85-एस. एस.-II]

S.O. 3627.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Advanced Wavetronics and System, A-9, Electronics Complex, Kushigada, Hyderabad-500762, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(300)/85-SS.II]

का. आ. 3628.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अबासकर कन्स्ट्रक्शन (प्रा.) लिमिटेड, 26, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-1 नामक स्थापन से संबंद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं.एस-35019 (301)/85-एस. एस. I

S.O. 3628.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majorty of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Abaskar Construction (P) Limited, 26, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(301)/85-PF.II]

का. आ. 3629.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राकेश एंड कंपनी 19-बी/2, न्यू मार्किट, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-5 नामक स्थापन से संबंद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(302)/85-एस.एस.-II]

S.O. 3629.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rakesh and Company 19-B/2, New Market, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(302)/85-SS-II]

का. आ. 3630.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिरिलस टैक्सटाइलस, के. के. रोड, कोट्टयम, केरला नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019/303/85-एस.एस-II]

S.O. 3630.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Cyrils Textiles, K. K. Road, Kottayam (Kerala), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(303)/85-SS-II]

का. आ. 3631.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि गंगा वार्निश एंड केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 108/9ई, केमिकल इंडस्ट्रियल इस्टेट किरुमाम्बक्कम पांडिचेरी-607402 नामक स्थापन से संबंद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंधों उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(294)/85-एस. एस-II]

S.O. 3631.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. The Ganga Varnishes and Chemical Industries Limited, 108/9E, Chemical Industrial Estate, Kirumanbakkam, Pondicherry-607402, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(294)/85-SS.II]

का. आ. 3632.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मीटरो प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग इंडस्ट्री, 177, एन एस. एम. रोड, मद्रास-29 नामक स्थापन से संबंद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(283)/85-एस.एस-II]

S.O. 3632.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Metro Printers and Packaging Industry, 117, N.M.M. Road, Madras-29, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(293)|85-SS.II]

का. आ. 3633.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शारावाना इंजीनियरिंग ट्रेडर्स नं. 12/15-ए, कृष्णास्वामी मुदालियर रोड, आर. एस., कोम्बेटूर-641002 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (292)/85-एस. एस-II)

S.O. 3633.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sharavana Engineering Traders, No. 12|15-A, Krishnaswamy Mudaliar Road, R. S. Puram, Coimbatore-641002, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(292)|85-SS.II]

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जुलाई 1985

का. आ. 3634.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91 के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4328 तारीख 24 नवम्बर, 1984 के क्रम में कोल इंडिया लि. की समनुषंगी कोल इंडिया प्रेस, रांची को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1984 से 30 जून, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी,

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी—

(i) उक्त अधिनियम की धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी के विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन सुविधाओं को, जो ऐसी सुविधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा—

(क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे

(ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिभोग में कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या

(ग) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक का, उसके अभिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति कि जिसके बारे में उसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही, या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं. एस-38014/8/84-एच. आई.]
ए. के. भट्टाचार्य, अवर सचिव

स्पष्टीकरण ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था परंतु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 16th July, 1985

S.O. 3634.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. No. 4328, dated the 24th November, 1984, the Central Government hereby exempts the Coal India

Press, Ranchi, a subsidiary of the Coal India Limited, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st day of July, 1984 upto and inclusive of the 30th day of June, 1984.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such inform and containing such particulars as were due from it in respect or the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory,

be empowered to—

(a) required the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of person and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-35014/8/84-GI]

A.K. BHATTARAI, Under Secy

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1985

का. आ. 3635 : औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केडला भूमिगत परियोजना मैसर्स सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि., डाक केडला, जिला हजारीबाग के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9.7.85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th July, 1985

S.O. 3635.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kedla Underground Project of M/s. C.C. Ltd., P.O. Kedla, Distt. Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th July, 1985

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 14 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kedla Underground Project, M/s. Central Coalfields Limited, P.O. Kadla, Dt. Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate
On behalf of the workmen—Shri K. P. Singh, President, RCMS Hazaribagh.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 29th June, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section-10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012(71)/84-D IV(B), dated the 6th Feb., 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kedla Underground Project of M/s. Central Coalfields Ltd., P.O. Kedla, Distt : Hazaribagh in denying the post of Lamp Room Incharge to Shri Subha Yadav since 1976 when he had been working as such is legal and justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

In this case both the parties appeared and filed their respective W. S. and documents etc. After completion of the documents stage the case was fixed on 15-5-85 for evidence of parties. On that day Shri R. S. Murthy, Advocate representing the employers filed before me a Memorandum of settlement. I have gone through the terms of settlement which

appear to be fair and proper. Accordingly I accept the same and pass an Award in terms of the settlement which forms part of the Award as annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer.
[No. L-24012(71)/84-D.IV(B)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 DHANBAD

In the matter of Reference No. 14 of 1985.

Employer in relation to the Management of Kedla Underground Project, M|s. Central Coalfields Limited, P.O. Kedla, Dt. Hazaribagh.

AND

Their workmen

Joint compromise petition of the Employers and Workmen

The above mentioned employers and workmen beg to submit jointly as follows :—

(1) That the employers and the workmen have jointly discussed the matter covered by the above reference with a view to arriving at an amicable overall settlement of the matter.

(2) That as a result of the aforesaid discussions and negotiations the parties have agreed to come to an amicable and overall settlement of the matter on the following terms :—

(a) It is agreed that the management shall place Sri Suba Yadav, the concerned workman in the post of Asstt. Lamp Room Incharge|Jr. Lamp Room Incharge in the Technical and Supervisory Grade-D (monthly) in the pay scale of Rs. 678-30-918-35-1198 and fix his pay at the stage of Rs. 768.00 (as on 1-1-83) (provisionally) in the said pay scale. It is also agreed that this Agreement will be given effect from 1-1-83. The workman concerned would get his annual increments thereafter in accordance with the rules of the management. In view of the above placement of Shri Yadav, the management agrees not to post any more Lamp Room Incharge at Kedla Underground Project in near future.

It is agreed that this is an overall agreement in full and final settlement of all the claims of the workmen arising out of the above reference.

(3) That the employers and the workman submits that they consider the above agreement as fair, just and reasonable to both the parties.

The employers and the workmen, therefore, jointly pray that Hon'ble Tribunal may be pleased to dispose of the above reference in terms of this joint compromise petition and give an award accordingly.

K. D. SINGH, President
R.C.M.S. HAZARIBAGH AREA
For and on behalf of
workmen.

Date :—15-5-85

Witnesses:—

1. R. P. Singh
2. Sahdev Ray.

Project Officer|Agent
Kedla Underground Project
Central Coalfields Limited
for and on behalf of the employers

का. आ. 3636.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टोपा कोलियरी मैसर्स सैन्ट्रल कोल फील्ड्स लि., डाक टोपा, जिला हजारीबाग के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9.7.85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3636.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Topa Colliery of M|s. Central Coalfields Limited, P.O. Topa District Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th July, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 95 of 1982

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act., 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Topa Colliery of Messrs. Central Coalfields Limited, Post Office Topa, Distt. Hazaribagh and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri J. D. Lall, Advocate.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 26th June, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)-(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012-(10)|82-D.IV(B) dated, the 29th July, 1982.

SCHEDULE

"Whether the action of the magement of Topa Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Topa, District Hazaribagh in transferring Smt. Fulki Devi, Punwa Devi, Saran Devi, Mini Devi and Sabija Khatoon from the work of making clay cartridges to over Burden Removal work was justified ? If not, to what relief the workmen are entitled ?"

The case of the workmen is that the five concerned workmen were employed as Over Burden Removal in Topa Colliery of M|s. C. C. Ltd. since before the nationalisation. Since 1976 they were employed to work as Clay Cartridge Makers on permanent basis after the introduction of blasting for Mining Operation. As Clay cartridge makers the concerned workmen were in Group I piece rated and were paid @Rs. 10 per thousand clay cartridges prepared by them besides usual D.A., V.D.A. and other allowances payable to the Colliery Workers. As Over Burden Removal they were getting more wages than the wages of Clay cartridge makers. After the concerned workmen were transferred to work as Clay cartridge makers on permanent basis, they were not paid the higher wages of Over Burden Remover and the said higher wages was not protected. The said transfer was made at the instance of the management. All on a sudden without any notice the concerned workmen were transferred

from the post of Clay Cartridge Makers to that of Over Burden Remover with effect from 24-10-81 without any justification and in violation of the certified standing orders and the provision of Industrial Disputes Act. The concerned workman protested individually and through their union but the management did not take any action on their protest. As a result thereof the concerned workmen are sitting idle since 24-10-81. The management in collusion with some local union leaders appointed some new Over Burden Remover to work as Clay cartridge makers who had never worked before as clay cartridge makers and the concerned workmen were transferred to work as Over Burden Remover. The said action of the management was malafide and motivated to placate the powerful union leaders. The Transfer of the concerned workmen from the post of Clay cartridge makers to that of Over Burden Remover amounts to change in their service conditions and is not permitted under the provisions of the Certified Standing Orders applicable to the workmen. The concerned workmen were not surplus as Clay cartridge makers. Even if it was found that some of the Clay cartridge makers were surplus then only those who came last to work as Clay cartridge makers should have been transferred. On the above facts it has been submitted that the action of the management in transferring the concerned workman from the post of Clay cartridge makers to that of Over Burden Remover with effect from 24-10-81 is unjustified and that they should be reinstated with continuity of service and full back wages for the idle period till the reinstatement.

The case of the management is that the Schedule Caste and Schedule Tribe Trade Union congress representing the concerned workmen has no existence at all in Topa Colliery and that the concerned workmen are not its members. The management did not have any workmen named as Smt. Saran Devi and Mini Debi working as Clay cartridge makers or Over Burden Remover and as such the reference in their connection is illegal and without jurisdiction. In Topa Colliery under ground blasting necessitating the use of clay cartridge was introduced in the end of 1976. The clay cartridges are required in the underground coal mines in the process of blasting with explosives. The Topa Colliery being a non-coking coal mines was taken over by the Central Government in January, 1973 and later on it was nationalised. In the beginning there was a lot of litigation by the previous owners and the management was forbidden from working the mine by the High Court and thereafter the underground Mining was developed. Subsequently as a result of reorganisation of the Coal Industry in the public section the NCDC was renamed as Central Coalfields Ltd. which is a subsidiary of the Coal India Ltd. It was only after the introduction of blasting for mining operation in late 1976 that there was the necessity of clay cartridges. Some workers already engaged in the mines as Loader/Over Burden Remover were diverted to work as Clay cartridge makers. As there was a large number of surplus workers the management started getting the clay cartridges made by its own workmen with a view to give employment to the surplus workmen and to avoid retrenchment of surface workers. The job of clay cartridge making is easy while the job of Coal loading/Over Burden Remover are arduous and as such there was clamour from the Over Burden Remover and the loaders to work as clay cartridge makers. Some of the workers had grievance that they have not been engaged as clay cartridge makers and course of time a much larger number of workers were employed on the job of clay cartridge makers. Although the requirement for clay cartridge makers were only 25, there were already 45 workers working as Clay cartridge makers. The matter was taken up by the management with two principal unions pending in the colliery and accordingly a committee was constituted consisting of the Project Officer of Topa Colliery. The Secretary of the United Coal Workers Union and the Asstt. Secretary of RCMS Union to screen 45 workers working as clay cartridge makers and to recommend the names of those workers who should be retained on the job of clay cartridge makers. The committee took account of the fact that the light job of clay cartridge makers should be allotted to those who are suffering from disease, or who are physically handicapped or who are of old age coupled with the fact of their experience in the job. 30-9-81 was fixed for interview. Out of the workers working as clay cartridge makers 38 workers appeared before this screening committee and out of them only 25 workers were retained to work as clay cartridge makers, and the remaining were transferred to the mines for doing their original job as piece rated workers. Thus those workers who were not retained by the selection committee were transferred to the mines for performing their previous job and out of them the dispute has been raised by the concerned workmen. The concerned workmen were employed to work as clay cartridge makers temporarily and they were never absorbed in their job permanently and as such the management had the right to send them back to their original job. The claim of the concerned workmen is baseless and the action of the management in transferring concerned workmen to their original job was fully justified.

The main point to be considered in this case is whether the concerned workmen could be transferred by the management from clay cartridge makers to Over Burden Remover without giving any notice to the workmen under Section 9A of the I.D. Act.

Most of the facts are almost admitted. It is admitted that the concerned workmen were working as Over Burden Remover and that they were employed to work as Clay cartridge makers after the introduction of the blasting of coal by explosives towards the end of 1976 and that the concerned workmen had worked as clay cartridge makers till 24-10-81 when the concerned workmen were asked to go back to their previous job of Over Burden Remover. Thus the concerned workmen had worked as clay cartridge makers from 1976 to 1981. There is no doubt a controversy on the fact whether the concerned workmen had opted themselves for being appointed as clay cartridge makers in the year 1976 or whether they had been asked by the management of their own to work as clay cartridge makers. However, this difference in the case of the parties is not of much consequences. It is admitted that the concerned workmen had accepted to work as clay cartridge makers in view of the fact that the work of clay cartridge makers was easy in comparison to the work of Over Burden Remover. It can be very easily realised as to why the concerned workmen who were in Group II piece rated as Over Burden Remover (hereinafter referred to as O.B.R.) chose to work in Group I piece rated as clay cartridge makers in 1976. They must have thought that the job of clay cartridge makers was preferable to them than the job of O.B.R. although the job of O.B.R. was in higher group fetching more wages.

WW-1 Fulki Devi is one of the concerned workmen. She has stated that she was working as O.B.R. Since before nationalisation and that since 1976 she was asked to do the work of clay cartridge makers. In her cross-examination she has stated that the work of clay cartridge makers is of light nature in comparison to the job of O.B.R. and it is for this reason that the workmen went to work as clay cartridge makers. MW-3 Shri D. C. Sharma was the Colliery Manager of Topa Colliery from April, 1975 to April, 1977. He has stated that the union had not given him anything in writing about the arrangement for the engagement of clay cartridge makers and that the terms and conditions of transfer was also oral. He has also stated that the work of clay cartridge makers is a permanent type of job since the introduction of solid blasting. Thus his evidence will show that the job of clay cartridge making is of permanent nature in which the concerned workman were employed and as the concerned workmen had worked as clay cartridge makers from the end of 1976 till the beginning of 1981, it appears that they were working in the job of permanent nature and as such after working for such a long period they had become a permanent clay cartridge makers.

Admittedly, the concerned workmen were formerly working as O.B.R. in Group II piece rated and they were transferred in 1976 as clay cartridge makers in piece rated group I. If the concerned workmen were asked to work temporarily as clay cartrdige makers their wages of Group II required to be protected but this was not so which also indicates that the concerned workmen were employed to work as clay cartridge makers permanently.

No doubt the transfer of the concerned workmen from the job of clay cartridge makers to the O.B.R. may not financially affected the concerned workmen and they may also have some financial benefit because of the said transfer in piece-rated group-II but the financial benefit alone cannot be the sole

criteria in considering the question. In the present case the evidence is that the concerned workmen as clay cartridge makers were having light jobs and they had done this job for a pretty long time. The comfort and easy work was the consideration of the concerned workmen as to why they did not prefer to go back to work as O.B.R. It will also appear that the concerned workmen as clay cartridge makers were to prepare small pellets of spherical size out of pulped earth and this work is admittedly very easy in comparison to the job of O.B.R. Thus the transfer of the concerned workmen from the job of clay cartridge makers to that of O.B.R. is a change in the condition of service of the concerned workmen. In my opinion the transfer of the concerned workmen from the job of clay cartridge makers to the job of O.B.R. is clearly a change in the conditions of their service and the reduction in the number of persons employed as clay cartridge makers is also a change in the condition of their service which requires a notice to be given under Section 9A of the I.D. Act, 1947 vide item No. 11 of the 4th Schedule of the said Act.

Admittedly, no notice under Section 9A was given to the concerned workmen prior to their transfer from the post of clay cartridge makers to the job of O.B.R. changing the condition of their services and as such the said transfer cannot be effective. The reduction of number of clay cartridge makers rendered the concerned workmen surplus, as a result prejudicing the concerned workmen. As they were asked to work an arduous job of O.B.R., and notice under Section 9A of the I.D. Act was not given to the concerned workmen prior to their transfer, the concerned workmen were justified in refusing to work as O.B.R.

The case of the management is that a general notice was given giving opportunity to the clay cartidge makers to appear before the interview committee for the purpose of retaining a limited number of clay cartridge makers. Ext. M-1 dated 23-9-81 is the office order to show that a committee was constituted consisting of Project Officer, Topa, Secretary, United Coal Workers Union and Asstt. Secretary, R.C.M.S. to consider the case of golamitti workers. Ext. M-2 is the general notice for the interview before the said committee. Ext. M-3 is the market allotted to the workmen appearing before the said committee on the basis of which the workers obtaining the highest marks were retained as clay cartridge makers and others were sent back to their old job. It will also appear from the evidence of WW-1 that the said committee had interviewed the clay cartridge makers in 1981. It appears therefore that the said committee was set up for selecting clay cartridge makers who were to be retained out of the inflated number of clay cartridge makers. Accepting this evidence, the notice under Section 9(A) cannot be eliminated unless it is shown that there was some settlement or an Award to that effect which is not forthcoming in this case. So even if after the said interview the concerned workmen were to be sent back to the job of O.B.R. a notice had to be given to them under Section 9A as the transfer of O.B.R. from the job of clay cartridge makers was a change in their conditions of service.

The industrial dispute in respect of the concerned workman was raised by the Schedule Caste and Schedule Tribe Trade Union Congress. WW-2 is the General Secretary of the said trade union. It will appear from Ext. M-5 that the industrial dispute in respect of the concerned workman were raised by the General Secretary, Schedule Caste and Schedule Tribe Trade Union Congress. Ext. M-5 is the failure report by the ALC (C) Hazaribagh to the Secretary, Government of India Ministry of Labour and it does not appear from this report that the management had objected to the raising of the Industrial Dispute by the said union on the ground that it was not working in Topa Colliery and that the concerned workmen were not the members of the said union. WW-2 has clearly stated that the said union is working in Topa Colliery since 1980 and that the concerned workmen are the members of his union since 1981. From Ext. W-5 series written by the General Secretary of the said union to the officers of the management in respect of various problems, it will appears that the said union has at least some foothold in Topa Colliery and was representing some of the workmen. I hold therefore that the union representing the concerned workmen is representative union working in Topa Colliery and that the concerned workmen were its members.

An objection has been raised on behalf of the management that Mini Devi and Saran Debi referred in the Schedule of the order of reference are not the workmen of Topa Colliery. Ext. W-1 is the identity card which shows that one Mini is a workmen of Topa Colliery and her photo is on this identity card. Ext. M-3 is a list of 38 workmen who had appeared before the committee. It will appear from this list that one Mini Kamin and Sanwar Devi had appeared before the said Commitee. It is asserted on behalf of the workmen that these two workmen are persons whose names are included in the schedule of the order of reference but there is slight variation in the spelling of their names. Ext. M-5 will show that the management had not objected before the ALC(C), Hazaribagh that Saran Devi and Mini Devi were not the workmen of Topa Colliery. In view of the above evidence I hold that Saran Devi and Mini Devi were the workmen of Topa Colliery and the management can easily verify them by the photo in their identity card.

In view of the discussions made above I hold that the action of the management of Topa Colliery of M|s. C.C. Ltd. in transferring the concerned workmen from the work of clay cartridge makers to Over Burden Remover is not justified and that the concerned workmen wer justified in refusing to work as O.B.R. inasmuch as no notice was given to them under Section 9A of the I.D. Act before their transfer which was, a change in the condition of their services. The concerned workmen therefore are entitled to be reinstated with effect from 24-10-81 with continuity of service and full back Wages for the idle period till their reinstatement.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer

[No. L-24012(10)/82-D. IV (B)]

Dated : 28-6-85.

का. आ. 3637:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, नई दिल्ली के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10 जुलाई, 1985 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 3637.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, New Delhi, and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th July, 1985.

ANNEXURE

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI.

I.D. No. 6/84

In the matter of dispute between :

Shri Raj Singh, S/o Shri Nyader Singh,
R/o Ward No. 5, H. No. 172, Jatwara Mohalla,
Bahadurgarh, Haryana.

Versus

The Managing Director, Food Corproation of India,
Barakhamba Lane, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri Sushil Bhattacharya for the workman.

Shri Ashwani Kumar for the Management.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour on 4th January, 1984 vide Order No. L-42012(5)/83-D.II.B/IV.B made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of Managing Director, Food Corporation of India, New Delhi, in terminating the services of Shri Raj Singh, Beldar, with effect from 15-3-82 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. Shri Raj Singh workman claimed that he worked continuously for 2-1/2 years with the F.C.I. as Beldar since November, 1979 but Management terminated his services by refusing him work w.e.f. 25-3-82. He claimed reinstatement in service with full back wages and continuity of service because he asserted that the retrenchement was illegal and without compliance with mandatory provisions of section 25-F of I. D. Act, 1947.

3. The Management of the Food Corporation of India contested the claim and asserted that it was a case of workman having left the Management employment on his own without intimating any reason and is a case of desertion and he could get no relief. The Management did not retrench him and there was no question of compliance with section 25-F of the I. D. Act. He was said to have been employed on daily wages depending upon work. It was asserted that the workman worked from 13-11-79 to 27-3-82 and was not refused work from 25-3-82. At his request he was allowed to work as Khalasi on same wages under Electrical Division on muster roll against one of the vacant posts and he worked for 3 days from 25-3-82 to 27-3-82 in Electrical Division but thereafter he stopped attending office. The Management wanted to give him chance to appear in interview for post of Khalasi in Electrical Division and sent a special message to him in his house twice for the purpose but did not response to that and deserted from duty on his own. He failed to collect his wages for the period 1-3-82 to 27-3-82 despite request.

4. The following issues are framed on the pleadings :

1. As in terms of reference.
2. Whether this is a case of abandonment of service by the workman ?

5. The workman gave his own affidavit and he has been cross-examined. The Management examined MW1 Shri K. C. Rochlani, Assistant Engineer (Civil), Food Corporation of India and Jaipal Singh, Sweeper F.C.I. Engineering Section. I have heard the representative of the parties.

6. Mr. Sushil Bhattacharya representative of the workman urges that if the workman was being continued in service, there was no occasion for him to go to the Conciliation Officer and raise a dispute and that the Management in fact retrenched him and later have covered up their mistake in not complying with section 25-F of the I. D. Act, 1947 by concocting the plea of desertion by the workman himself. It was said to be apparent that the Management did not sent any letter to the workman's house and the workman denied that he had worked on a truck and that the only information that the workman received at his house was that he could collect his wages for March, 82 and not that he had to go for interview and the workman had deposed that Shri Rochlani told him to go to Labour Court and not for the interview for the post of Khalasi under D. M. Electrical.

7. I am unable to believe the workman in the circumstances disclosed in this case. Shri K. C. Roshlani, Assistant Engineer (Civil) appears to be truthful and forthrightly stated that they used to give one day break before days and that was done by him for the purpose of breaking his service eventhough the workman was prepared to work on that day also. The break was given on account of service being not regular and the muster roll showed accordingly. Such a officer who speaks the truth in this manner cannot be doubted. He has asserted that they arranged for this workman being engaged in the Electrical Section and Mr. Jaipal Singh, Sweeper MW2 who is independent person having no animus against the workman has deposed that he was sent by Mr. Roshlani to Raj Singh's house once for asking Raj Singh to collect his arrears and second time for asking him for interview in the month of May and on both occasions the workman was not available and he gave message to his wife verbally. Jaipal Singh in his affidavit had stated that on 10-4-82 he was deputed to go to the residence of Raj Singh that he may collect his wages in the month of March, 1982 but Raj Singh was not in his house and that his mother and wife told that he had gone for work on some truck. He had further stated on affidavit that on 14-5-82 he was again deputed to inform him regarding his interview for the post of Khalasi under Electrical Division to be held on 17-5-82 and the message was left with his family because he was away on his work.

8. This is corroborated by the record and nothings of the Management on the workman's own application dated 22-3-82 which application is in the following terms :

"To

The Joint Manager (Estt.),
Food Corporation of India,
Head Office, NEW DELHI.

(THROUH PROPER CHANNEL)

Sir,

Most respectfully I beg to state as under :—

(i) I have been working as daily rated employee since 13-11-79, as Beldar/Khalasi in Engineering Division under Asstt. Manager (Maint.).

(ii) On 5-3-82, an interview for regularisation of daily waged was held and my name was also considered for Beldar regularisation but due to limited vacancies I was not covered and my No. in the panel has been placed at Sl. No. 4.

(iii) Now I understand that some more vacancies of Category-IV that of Khalasis are to be filled in.

(iv) Since I belong to a very poor family, I shall, therefore, be grateful if you consider me for regularisation against the post of Khalasi which is indentical to Beldars posts in the Food Corporation of India.

I shall be extremely grateful if you consider my case sympathetically.

Thanking you.

Yours faithfully,
Sd/-
(Raj Singh)
Daily Wages Employee,
Engg. Division

Dt. 22-3-82.

On this application the noting is in the following manner :

Forwarded for favour of action.

Sd/- K. C. Rochlani
23-3-82
AM(C)

May kindly considered.
SRPV

Sd/- illegible
23-3-82

JM (OS) I Sd/- illegible
23-3-82.

M (Engg.) Sd/- illegible
23-3-82

M. (Personnel) Sd/- illegible
24-3-82

DMFII Sh. Sodhi
Sd/- illegible
25-3-82"

9. It thus appears that a decision was taken in April, 82 to continue this workman Raj Singh and to absorb him regularly but it is the workman who did not appear for interview and joined some truck for working but that seems to have not klicked and later the workman raised industrial dispute. It is not possible to disbelieve Mr. Rochlani, Assistant Engineer, MW1 and the Sweeper Jaipal Singh MW2 and it appears to be a case of desertion. The workman appears to be false when he states that he was refused work on 25-3-82 whereas Management has pleaded and proved that he worked from 25-3-82 to 27-3-82 in the Division for 3 days and stopped attending office on his own without any intimation thereafter. The fact of the workman not collecting his wages for March, 1982 further strengthens the case set up by the Management of F.C.I.

10. I am of the clear opinion that the workman himself deserted the job with the Food Corporation of India and it is not a case of the service being terminated by the Management illegally without payment of retrenchment compensation under section 25-F of the I. D. Act, 1947.

The workman is not entitled to any relief.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer

[No. L-42012(5)/83-D. II (B)/D. IV (B)/D. V]

Dated : July, 31, 1985.

का. आ. 3638:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 18 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, नेल्लूर के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9 जुलाई 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3638.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Nellore (A.P.), and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th July, 1985.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:-

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 17 of 1982.

BETWEEN

The workmen of Food Corporation of India, Nellore (A.P.)

AND

The Management of Food Corporation of India, Nellore A.P.

APPEARANCES:-

Sri D.S.R. Varma, Counsel for the Workmen.

Sarvasri M.V. Bharathi and A.K. Jayaprkash Rao. Advocates—for the Management

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42011(7)|81-FCI|DIV(A), dated 26-3-1982 referred the following dispute under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Nellore to this Tribunal for adjudication:

"(i) Whether the management of Food Corporation of India, Nellore had changed the conditions of service of 30 workmen, whose names are listed in the Annexure and who were employed in their Modern Rice Mill at Nellore, by introducing a new contractor, while an industrial dispute concerning the said workmen was pending before an Industrial Tribunal ?

(ii) Whether the said 30 workmen are entitled to be declared as direct and permanent workmen of the Food Corporation of India, Nellore by virtue of their employment in the Modern Rice Mill and if so, from what date ?

(iii) To what relief are the concerned workmen entitled ?"

ANNEXURE

1. M. Kollapuri
2. S. Ramaiah
3. J. Francis
4. E. Venkureddy
5. Shaik Mastan
6. G. Ramanamma
7. J. Venkamma
8. Shaik Basha
9. Shaik Pedamastan
10. M. Chandramma
11. Shaik Nannesaheb
12. M. Kotiah
13. L. Vankaiah
14. Shaik Mastan (M)
15. Shaik Moula Saheb
16. Tatan Mastan
17. G. David
18. Shaik Malesha
19. V. Venkaiah
20. Dastagiri Basha
21. M.A.M. Raju
22. P. Ramanaiah
23. Shaik China Moule
24. Vijayarao
25. Ch. Venkatratnam
26. L. Bujjaiah
27. M.C. Peschalaiah
28. Sk. Chiramasan
29. Chandrasekharam
30. Srinivasulu"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 17 of 1982 and notices were issued to the parties.

2 In the claims statement it is mentioned that the Food Corporation of India constructed a Rice Mill by name Modern Rice Mill and cemmenced working from 15-7-1970. It is stated that till November 1973 the Mill worked only with one shift per day and there afterwards the Mill began working in three shifts a day. At present it is further mentioned that there are 30 permanent employees in the Mill in addition to the above permanent staff. There are about 40 unskilled workers employed by the Management and it is mentioned in the claims statement the name of the 30 unskilled workers. It is mentioned that S. Nos. 1 to 6 and 10 were appointed in this Mill have been appointed in the Mill in the year '970 by the Food Corporation of India, Nellore and they are continuously working till now. The Management introduced two more shifts in the Mill from November 1973, the rest of the workers were given jobs in the Mill, some of them in 1974 and some in 1975 and in the beginning of the year 1977 all these 30 workers were in service and they are all continuing till today. During the first period of running of the Mill from June 1970 till November 1973 there was no contractor at all even supply of workers to the Mill and all a appointment were done by the Food Corporation of India. The appointment orders were given to some workers and some were taken without appointment orders from November 1973 up to February 1977. The F.C.I. appointed Contractor for the supply of required work force to the Modern Rice Mill. But the entire work of the Contractor was not at all in the premises of the Rice Mill but at the places of leading and unloading near the Railway Goods shed and stacking of the goods etc. at several godowns. The Contractor was entrusted to supply with necessary workmen to this Rice Mill but never in the history of the Rice Mill Contractor recruited workmen to this Rice Mill. Even during the period of this contract system, all workers were given jobs directly by the Food Corporation of India officers and it is a fact that not even a single among these 30 workers were appointed by any contractor. All these workers who are referred under the dispute were taken into service by the Food Corporation of India and the duties are allotted to them by the Food Corporation of India authorities. It is the F.C.I. authorities who supervise the work of the workmen, issued charge memos and made transfers from place and removed the workers from service etc. At any rate the F.C.I. is the principal employer. Admittedly there was no Contractor from 1970 to February 1973 and there were no Contractor from February 1977 upto 25-5-1980 on which date the Management illegally appointed T. Ramanaiah as Contractor for supply of workmen. The said agreement is only a paper agreement and the same never existed in actual practice and none of the workers were party to that agreement. This Modern Rice Mill is in public sector organisation and in Central sphere. On a number of occasions when the Management refused service particulars and did not give weekly holidays, wages for over time, the workers said to have approached the Labour Department and Labour Court for getting them implemented. The workmen from S. Nos. 1 to 21 of this reference raised a dispute for adjudication of such matter and the same is numbered as I. D. No. 13 of 1979 on the file of this Tribunal, and the Tribunal passed an Award which was notified on 9-12-1980. In the said Award this Tribunal held that these workers were employees of the Management while the said I. D. No. 13 of 1979 was pending in this Tribunal. the F.C.I. having violated all the provisions of law and also in opposition to the workers protests and their union introduced a contractor by name T. Ramanaiah on 25-8-1980 and arranged payment of wages of workers through that Contractor. It is the case of the Management that T. Ramanaiah was the employer and not Food Corporation of India from that time. But all these workers including those workers were in service since long back before the advent of this T. Ramanaiah. The workers did not recognise this T. Ramanaiah nor did they sign any vouchers of payment made by him because their employer continued to be the Food Corporation of India. This introduction of middlemen and arranging payment of wages through him and denying their responsibility as the employers by the F.C.I. definitely amounts a change of service conditions of these workmen. The Management further advanced by appointing another Contractor M. Sheshaiah in place of first Contractor T. Ramanaiah on 28-5-1981 and arranged payment of wages of workers through Sheshaiah. These 30 workmen are entitled to be declared as direct and permanent workmen of the F.C.I. In the light of the award in I. D. No. 13 of 1979 they should be made permanent and absorb and they are all doing specific jobs since the time of their joining the Mill and they are fulfilling their responsibility satisfactory, therefore they should be fixation of wages and they also should be granted benefits of a permanent employee as eligible under the Labour Laws and Factories Laws.

3. In the counter it is admitted that the Respondent Mill was commissioned on 15-6-1970 and functioned with staff of 35 including 30 watchmen and six unskilled workers as shown in the statement. According to the Management the handling and transport of the Modern Rice Mill, Nellore is carried out by one H and T Contractor who is also supplying casual labourers for various purposes. He is duly appointed by the Food Corporation of India by inviting tenders. The 30 names mentioned in the claims statement were engaged to perform various services in pursuance to contractual obligations. The 30 names shown in the claims statement are casual labourers only employed by the Contractor and they are unskilled workers of the F.C.I. The Worker at S. No. 1 is working in the Mill since 1970 and the workers at S. Nos. 2, 3, 4, 6 and 10 were attending from 1971 for cleaning and sweeping the Mill and doing odd jobs, and they are working on daily rate basis. The person at S. No. 5 is working from April, 1973 only. From November 1973 onwards the H and T Contractor Veeraswamy was appointed and these labourers were engaged by the Contractor as per the terms and conditions of the contract. These workers were paid wages by the said H and T Contractor at higher rate till 27-2-1977. It is a fact that during February 1977 to March 1980 the F.C.I. was engaging labourers till pending finalisation of contract. Due to reorganisation industry and uniform policy adopted by the F.C.I. these casual labourer later continued to work under the Contractor T. Ramanaiah from 25-8-1980 to 27-5-1981 and thereafterwards Sri M. Sheshaiah from 28-5-1981 till date. The persons at S. Nos. 23, 24, 27 and 28 and 29 never worked in the Rice Mill during 1970 to 1979. The other allegations of the Petitioners as mentioned in their claims statement are denied regarding their duties and also operations and the nature of work as well as the periods of service rendered. It is contended that their services are engaged as casual labour and their wages were also paid by the Contractor and not by the F.C.I. It is mentioned that during May 1979 there was devastating cyclone which effected the lives and properties of persons at Nellore District and valuable food grains stocked by the F.C.I. in open and covered godowns and in and around Nellore and other places were damaged and salvaging operations were undertaken on mass scale to avoid further deterioration of stocks and in that connection these persons were deputed in Raja Open Storage and other depots for salvaging operations. It is the case of the Management that these workers were employees of the Contractor as they were working to fulfil the contractual obligation and receiving wages from the contractor and that Contractor is their employer. The Management asserted that they got to appoint Contractor after floating tenders. T. Ramanaiah and his successor Sheshaiah were properly appointed as H and T Contractors and they were also abiding by the statutory obligation and they paid benefits in respect of casual labourer engaged by them. This Tribunal by its award in I. D. No. 13 of 1979 negatived the four demands of the petitioners namely (1) granting permanent status (2) enhancement of wages (3) provision of two pairs of Kakhi uniforms and (4) grant of 15 days sick leave. This Tribunal rightly held that the petitioners demand for entitlement for permanent status is not maintainable, and they are treated only casual labour and their demand for Uniform and sick leave were also rejected. Their request to dismiss the said award by filing Writ Petitioner 221/81 in the High Court was also dismissed as withdrawn. The claim of 21 casual labour for permanency of service were not maintainable in view of the award pass in I. D. No. 13 of 1979 and they cannot be termed as unskilled workers and these casual labourers cannot be made permanent. Hence the petitioners demand for permenency is not maintainable and no relief should be granted. The dismissal of I. D. No. 13 of 1979 and Writ Petition No. 221 of 1981 on the same issues operates as resiudicata and the Tribunal has no jurisdiction to take the matters.

4. On behalf of the Workmen three witnesses were examined and Exs. W-1 to W-5 were marked. On behalf of

the Management one witness was examined and Exs. M-1 to M-34 were marked as relevant documents.

5. WW-1 stated that he worked as unskilled workman in the Food Corporation of India, Nellore since 1970 and that he filed his original appointment order in I. D. No. 36 of 1982 and he marked Ex. W-1 as the copy of the same. According to him till 1974 he worked in the Modern Rice Mill, Nellore belonging to F.C.I. under the management of F.C.I. He further deposed from 1974 to 1977 one Contractor Veeraswamy was engaged by the F.C.I. but the said Contractor never recruited any workmen involved in this industrial dispute to work under him. It is his case that they were working eight hours per day in three shifts. According to him on 20-8-1980 F.C.I. brought another Contractor by name Ramanaiah by which date they filed I. D. No. 13 of 1979 on the file of this Tribunal. According to him the present workmen were the same workmen who filed the said Industrial Dispute seeking them that they should be absorbed one permanent basis. According to him the workmen in S. Nos. 1 to 4, 6 and 10 in the reference were working from the inception i.e. 1970 and that the monthly roll would show that they worked for more than 240 days in a year.

6. He admitted that Ramanaiah used to disburse salaries after he become the Contractor but it is mentioned that he never signed on any vouchers for those payments as they never recognised him as their employer. According to him the said Ramanaiah Contractor used to maintain their attendance and shift charges. It is also his case that whenever they filed work the Management namely, Food Corporation of India used to give them Memos. According to him in I. D. No. 13 of 1979 they were held as casual labourers and the F.C.I. is held to be principal employer from 27-2-1977. According to him while the said industrial dispute was pending before this Tribunal, the new Contractor Ramanaiah was engaged from 25-8-1980. It is his case that they were under the F.C.I. directly and they were made to work on Sundays also and on intervention of Labour Commissioner they were paid over time allowance for Sundays. According to him they are unskilled workers doing specific jobs and for each shift the service of workmen are essential and they have eloborately mentioned in their claims statement. According to him the Award in I. D. No. 13 of 1979 is filed, and marked as Ex. W-5 in I. D. No. 36 of 1982. In the instant case the workmen prayed as per PW-2 that they should be declared permanent workmen of the Food Corporation of India from the date of their appointment and they wanted that the service conditions should not be altered or changed. In the cross examination he mentioned that he was offering application whenever he was absent to the Management but the Management was not accepting it. According to him for the last eight months before his deposition one M. Raghavendra Sharma was the H and T Contractor. It is his case that they were being paid as for the National holidays, festival holidays and were paid Bonus also. He admitted that the Contractor was paying P. F. contributions during their period of contract. According to him they filed cases for recovery of wages for Festival holidays and other reliefs before the Labour Court when the contractor Veeraswamy failed to pay them those amounts. It is his case that finally the F.C.I. made the contractor to pay the amounts due to them in the conciliation meeting and them withdrew that case from the Labour Court. It is his case that he and 18 others were disputed to work in the Open Storage Depot, Nellore as per Ex. M-1 orders. According to him he got his name registered in Employment Exchange and his name was sponsored by the Employment Exchange for the F.C.I.

7. WW-2 is the third claimant in the reference and he deposed that he was working in F.C.I. from 1970. According to him till 1973 he worked under the F.C.I. Management and marked Exs. W-2 as appointment order given to him along with WW-1 and others as Watchmen and Messengers. According to him from 1974 to 1977 they worked under the contractor of the F.C.I. and from 1977 to 25-8-1980 they again worked under the F.C.I. management. He marked Ex. W-3 as the certificate issued to the claimant Chandramma one of the claimant to show that they worked under the Management from 1971 to 1-8-1973. He marked Ex. W-4 as the counter that was filed by Veeraswamy who was the Contractor during 1974—1977 before the Labour Court. According to him they were never appointed under the Contractor. He also deposed that claimant 1 to 6 and 10 are working from 1970 and the rest of the claimant worked from 1974 in the F.C.I. and they were working in three shifts. According to him 21 of the present claimant demanded for making them permanent in I. D. No. 13 of 1979 and while the said industrial dispute pending the Management brought Contractor Ramanaiah and they did not sign the vouchers indicating that he paid the salary as he was not their employer. It is his case that he was attending to paddy cleaning and they worked for more than 240 days in a calender year in a given time and they prayed to make them permanent since 1977. In the cross examination he mentioned that he is failed S.S.L.C. He admitted that claimant Nos. 23, 24, 27, 28 and 29 of this reference are working from 1979 only. He also admitted that he gave evidence in I. D. No. 36 of 1982. According to him their demand is to make them permanent and to give regular scales in their jobs.

8. WW-3 is the 17th claimant in the reference. He deposed that he is appointed as causal labourer in Modern Rice Mills in 1974 and that the demands are similar to those made by other claimants. It is his case that he was attending to stacking of rice bags and stiching during his shift. According to him he was appointed by Contractor Veeraswamy in 1974. He also admitted that he was not party to the labour dispute in M.P. No. 314 of 1975 and M.P. No. 133 of 1976. He denied the suggestion that he joined the M.R.M. in 1974. According to him he was in the Rice Mill from 1974.

9. On behalf of the Management MW-1 A. Padmanabha Rao who was working as Unit Manager of Modern Rice Mills, Food Corporation of India, Nellore, since 1980 was examined. He deposed that the M.R.M. was established in June 1970. According to him he succeeded A. Mohan Ram as Unit Manager. He admitted in 1970 WW-1 (S. No. 1 of the reference) was working and that as per records, S. Ramayya, J. Francis, E. Venkureddy, Smt. G. Ramalamma, Smt. M. Chandramma were working from 1971. He also deposed that Shaik Mastan (S. No. 5 in the reference) worked since April 1973 and from 1974 some other labourer worked under P. Veeraswamy, H and T Contractor till February 1977. According to him later on they continued under F.C.I. from February 1977 to March 1980. It is his case that the remaining workers in the reference are recruited through P. Veeraswamy, Contractor. It is his case that all the workmen are receiving wages from the Contractor during the period of contract and during the other periods from Food Corporation of India when the Mill is running by Department and all these workmen are casual labourers. According to him H and T Contractor engaged the casual labour for shift for stencilling, collection of rice by-products into gunny bags and stitching and stacking the bags. He pointed out that the F.C.I. paid him piece rate for these operations of the Contractor engaged these workers on daily wages fulfilled contractual obligations. He marked Ex. M-4 showing attendance particulars of 17 workers for the year 1970, 1971 and 1972. Ex. M-5 showing Attendance particulars of 10 workmen. Ex. M-6 showing statement of absence of Francies, M. Kolapure, S. K. Mastan during February 1977 to March, 1980, Ex. M-7 showing the statement of absentees of Mastan Saheb, V. J. Venkamma for the period from February 1977 to March 1980. Ex. M-8 showing the absentee statement of Sri Podda Mastan for the period from February 1977 to March 1980. Ex. M-9 showing the statement of absentee of Sri Sk. Chinamoula, A. Vijaya Rao, M. C. Penchallaiah, K. Chandrasekharam and Sri S. H. China Mastan for the period from 27th February 1977 to March 1980 and similarly he marked absentee statement under Exs. M-11 to M-15 with reference to some of these workers. Exs. M-16 and M-17 as representations of some of the workers and Ex. M-18 and M-19 is with reference to the Tender form allotted to Veeraswamy, H and T Contractor of the Bill paid for him. Ex. M-20 is marked as particulars of operation carried out by F.C.I., Nellore. Ex. M-21 is true copy of the application under Section 33(2)(a) of the I. D. Act. According to him these workers were paid bonus, Provident Fund, Festival holidays, and over time by the Contractor during the period of con-

tract. Similarly he marked the relevant document Ex. M-22 to M-28 to show that the contractor were discharging their duties after they were appointed. Exs. M-29 to M-32 are the true copies of the various H and T Contractors appointment. According to him the workers filed a Writ Petition No. 321 of 1981 after the award is passed in I. D. No. 13 of 1979 and withdrew the same as not pressed. The same is marked as Ex. M-34. He admitted that in Ex. M-22 the Tribunal at para 18 mentioned that 22 petitioners therein were in service of the M.R.M. from 27-2-1977. For ready reference the letter of the President of the Union to the Unit Manager, F.C.I. written with reference to the Ex. M-1 is now marked as Ex. W-5. He admitted that the four workers were given memos. For the said memo Exs. W-5 for absenting themselves from duty by the F.C.I. He also admitted the F.C.I. paid over time wages for the years 1977 and 1978 for the work done on Sundays also. Finally he conceded that the casual labourers is required for running the Mill. He admitted that musters are maintained by the F.C.I. for the workers doing departmental operations. He conceded that the petitioners in this dispute are casual unskilled labourers. According to him there are no permanent post sanctioned to engage casual labourers for milling operations on permanent basis. He denied the suggestion that to avoid making these casual labourers permanent these various contract system of engaging the casual labour through contractor is planned to work out to the detrimental of these labourers.

10. At the out set it is worth nothing that there are some admitted facts. The F.C.I. is a public utility concern and the authorities commissioned Modern Rice Mill to function at Nellore from 15-6-1970. This is first instant when the department has taken up the running of the Mill and they started one shift from 1970 and continued so till 1973. Thereafterwards they converted single shift into three shifts from 1974 onwards. The Modern Rice Mill is having a permanent staff including unskilled and Khalasis numbering six in the beginning apart from Watchmen and Depot Assistants. It is admitted that M. Kolapure who is at S. No. 1 of the reference was working in the Mill since 1970 and that the Petitioners in S. Nos. 2, 3, 4, 6 and 10 were attending from 1971 for cleaning and sweeping the Mill and also attending to odd jobs including of removal of foreign matter from paddy, brushes serves of screw conveyor, paddy cleaning. They were attending to work on daily rated basis. In the case of Sk. Mastan (S. No. 5 in the reference) he is working as unskilled labour on daily rated basis from April, 1973. It is also found from evidence that these unskilled labourers are normally taken for attending to odd jobs like removing foreign matters, sweeping near the Site and paddy cleaner and cleaning of the Mill premises and paddy mixed with foreign matter and they were also used for stencilling filling, weighing, stitching and stacking of rice. Except kolapure and two others who are given appointed orders none of the other petitioners were given appointment orders. It is admitted that these 30 names shown in the annexure to the reference are unskilled workers working daily rated wages. During the first period of running of the Mill from June 1970 to November 1973 there was no contractor at all even for supply of workers to the Mill and all the appointments are done by the F.C.I. Appointment orders were given to some workers and some were taken without giving appointment orders. From November 1973 upto February 1977. The F.C.I. appointed contractors for the supply of work force to the M.R.M. The entire work of the contractor was not at all in the premises of the Mill but at some other places that is loading and unloading work is done near the Railway Goods Shed and stacking etc. at several kodowns of the F.C.I. But whenever the workers raised any dispute with reference to their conditions of service the Management used to say that they were not employer and that the contractor was the employer as the payments were made through the Contractor.

11. The matter was referred in I. D. No. 13 of 1979 to this Tribunal. Award in I. D. No. 13 of 1979 is marked as Ex M-22. Thus most of the workers in I. D. No. 13 of 1979 are the workers involved in the present dispute. The reference was with reference to the demand of the workmen of M.R.M. of FCI Nellore for grant of permanent status, enhancement of daily rate of wages, grant of 15 days sick leave and supply of two pairs of Khaki uniform to each worker every year. The Tribunal held these workmen worked in the Mill from 27-2-1977 and the Management paid wages to them and from 27-2-1977 these can only be treated as employees of the Rice Mill. Finally in 18th para it is held with reference to point 1 that subsequent to 27-2-1977 these workmen were employees of the Management. So by the date of this reference in 1979 it was held that these workers were employees of the Management and as such the reference is maintainable. With reference to point 2 enhancement of daily wages it is negatived on the ground that the wages of the casual labourers under the Minimum Wages Act were not enhanced by the State Government and that these workmen are not entitled for fixation of the wages on monthly basis as they were not entitled for any status for permanent employment. With reference to the points 3 and 4 it is held by the Tribunal that the demands for entitlement for permanent is negatived and as the workers were treated only as casual workers, their demand for sick leave and supply of uniforms were also negatived.

12. It is worth nothing in the said award Ex. W-22 the Chairman further held in para 12 that in case the employee is employed as permanent member he was to be paid monthly wages irrespective of the fact whether there is work on all the days or not. It is also pointed out that if it found that the same worker worked throughout the year on daily wages on a consideration of number of years or if a particular job was attended to by one workmen or other throughout the year for considerable number of years, then it can be held that the employer was exploiting the employee, for an employee working on daily wages would not be entitled to the benefits like casual leave, sick leave, gratuity benefits etc. It is pointed out that there is no evidence available at that time to claim that these 22 workmen should be given permanent status. Hence their case was negatived for permanent status. But on point 1 it is held that these workers were directly under the Management of the Modern Rice Mills from 27-2-1977 and they are the employees of the Management as casual workers. This award is subject to interpretation by both parties and they tried to canvas it in their own way which will be discussed in subsequent paras.

13. Thus though these workers are treated to be employees of the M.R.M. as principal employer in I.D. No. 13 of 1979 as it was held in the said Award that it was not possible to state on the basis of the record that were placed in the said Award whether those workmen were regularly working in the Mill even though they worked for considerable number of days and as it is also observed that it is not possible to state the number of unskilled workers required throughout the year in the various years other than the years 1971 and 1972 on the ground that the evidence in this regard is not available to any of those workmen, it is negatived holding that they should not be given permanent status. The said Award I.D. No. 13 of 1979 was passed on 10-11-1980 and published in the Gazette on 20-12-1980.

14. This I.D. No. 17 of 1982 is filed three years later after raising the said dispute in I.D. No. 13 of 1979.

15. The workers contended that they have material that they have now placed before the Tribunal to show that the contractor never recruited workmen to the Modern Rice Mills and even during the period of contract system all the workers were given jobs directly by the F.C.I. and that not even single worker among 30 people under this reference were appointed by any contractor and all workers were taken into service, duties were allotted only by the F.C.I. officers and that F.C.I. authorities were supervising the work and issuing charge memos apart from transferring them from place to place and that all this would go to show that F.C.I. is the owner and real employer and they were two masters to these workers and that the introduction of middle men known as H & T Contractors and arranging payment of wages through them and denying responsibility as employer definitely amounted to change of service condition of these workmen and therefore that these workmen who are in continuous service till now are entitled to be declared as direct and permanent workmen of the F.C.I.

16. The Management on the other hand contended that the allegation of the petitioner are incorrect. They admitted that they were paying Ex-Gratia, Overtime and National holidays, wages for the period the labourers were engaged departmentally pending appointment of H & T Contractor and that the H & T Contractor were also abiding by statutory obligation and paid the benefits in respect of the casual labourers engaged by them. It is the case of the Management that they got every right and appoint and change the contractors and that the contractor is the immediate employer of the Petitioner as they were receiving wages for their work. According to them they also paid provident fund during the conciliation & subsequently that the Tribunal in I.D. No. 13 of 1979 negatived all the four demands of the Petitioners and therefore the petitioner demand for entitlement for permanent status is not maintainable, and that the said award operates as res judicata in respect of the same issues. It is pointed out that these persons filed a Writ Petition in the High Court in W.P. No. 321|81 and the same was also dismissed as could be seen under Ex. M-34. Finally it is contended by the Management that these petitioners were engaged by Contractor as casual labourers and during 1973 to 1977 they were engaged only by H & T Contractor and subsequently, the casual labourers were directly paid by the F.C.I. from 27-2-77 due to non-finalisation H & T Contractor of K. P. Venkateswarlu, and later when T. Ramanaiah was appointed as H & T Contractor these casual labourers started working for the contractor and received wages through him. Therefore it is contended that the claim of these labourers for permanency of service is not maintainable. Incidently it is also contended by the Management under Section 10 of the Abolition of Contract Labour Act, the jurisdiction of the Industiral Tribunal is barred and that the reference is invalid within the meaning of Section 2(1) of the I.D. Act.

17. At the outset the counsel for the workmen Sri D.S.R. Varma contended that the arguments of the Managements counsel that the award in I.D. No. 13 of 1979 operates as res judicata and therefore the workers cannot be declared to be permanent as it was decided that they were only casual workers has no basis. He pointed out that in the previous case that the Chairman was not made available with sufficient evidence at that time when the Award in I.D. No. 13 of 1979 was passed and he also mentioned to the said effect why he was not able to decide the issue of permanent status in the said award, because he could not decide the permanent status due to lack of evidence. The other issues raised in that award could not be decided so it is not a case where the issue of permanent status was decided on merits on the available evidence. I find some force in the said arguments. Moreover as is elicited in I.D. No. 36 of 1982 and also in this I.D No. 17 of 1982 the workers adduced evidence through W.W.1 to W.W.3 and also elicited admission from M.W.-1 to show that these workmen were paid overtime wages for the work on Sundays and they were also granted festival holidays when the Labour Department intervened as per orders Ext. M-23 and that all the crucial benefits like Provident Fund, Overtime Wages. Festival holidays were being granted to these casual unskilled workers on par with other staff and the Managements witness M.W.1 also conceded these aspects. It is also found that the workman were also given charge memos directly by the Management to indicate that the Management had been recognising these workmen as workmen employed by them for all purposes except for giving them permanent status under the Management. Further the orders in Ext. W-2 would show that there are appointment orders with reference to M. Kolapuri. S. No. 1. Francis S. No. 3 and two others showing that the Management directly appointed them. Moreover the award in I.D. No. 13 of 1979 showed that these workmen are the employees of the Management. So these workers were admittedly with the Management from 1970 to 1973 when the Modern Rice Mill run by the Management itself and in 1974 when the Mill was made to run in three shifts continuously by doing odd jobs and when there is clear admission that from November 1973 through a regular contractor P. Venkateswarlu was appointed as he did not function and when in the Award in I.D No. 13 of 1979 it was already found that from 27-2-1977 the Management directly paid wages to these workers and there is no contractor at all at that time and that these workmen continued to be in employment of the Management and when M. W-1 conceded that the Mill was functioning for about not less than 300 days in year and that whenever contractor failed to pay contributions the F.C.I. is bounded to pay the amount to the labourers and recover the same amount from the Contractor and that the same workers were continued for doing odd jobs as specified above either by the Management or by the Contractor all these years and the workers were also given memos as per Ex. W-5 for absenting themselves from duty and when it is also clearly admitted by M.W.1 that these casual labourers are required for running the mill and when it is admitted that the musters were maintained by the F.C.I. during the departmental operations. W.W1 to W.W3 deposed that for each shift the service of eight unskilled workers have specific jobs were required and that they mentioned in detail about their service in para 2 of the claims statement and that they were paid for extra work rendered on Sundays and holidays. It is clear that they were all working as casual labourers or no fault of theirs from 1970 onwards or from 1974 or 1975 onwards as the case may be till now as casual labourers. The Managements witness M.W.1 mentioned that they are deducting Family Benefit which is the part of Provident Fund and they deducting Provident Fund of these casual labourers and they are also paying contributions in case the Contractor fail to pay the same. Finally he explained his difficulty that there are no permanent posts sanctioned to engage casual labourers for milling operations on permanent basis and the F.C.I. has a policy engaging H & T Contractors and they are taking casual labourers in Milling operations and godowns. He concede that the casual workers are doing the same job, that the same is interchangeable between the workers. The office as per W.W1 and counter is having permanent staff. So, when some workers of permanent staff are not available these casual labourers are doing the same job and they are interchangeable. Then a suggestion was put to the witness in the cross-examination that in order to deny the casual labourers the permanent status though they were working all through these years either directly through the Management or through the Contractors as planned work out, they were not given the permanent status, the witness denied the same. In the light of all these material placed before the Tribunal, after the Award in I.D. No. 13 of 1979 is passed it is clear that for all practical purposes these casual labourers who were in the service of the Management for some time or through the Contractors were deriving all the benefits of a permanent worker because there are no permanent post sanctioned, the Management is doing a kind of double dealing by employing H & T Contractors as if services of casual labourers were taken through the Contractors but the workers are the same, the shifts, and timings are the same and the nature of work that was turned out by doing odd jobs are same from 1970 till now, and they also had all the benefits like Festival holidays, deduction of Provident Fund and Overtime wages for working on Sundays just like any permanent staff. So far, no mistake of these casual labourers, they were not given the permanent status to get over the difficulties of the F.C.I. in their Standing Orders but that does not mean, that the workers should suffer. The Food Corporation of India is a public untility concern and it is Corporation having certain specific Standing Orders as per Ex. M33. So it has got specific chapters for contribution of Provident Fund, advance to employees and travelling allowance, pay and allowances and sick leave. Appeals, Regulations etc. Therefore it is not as if these labourers engaged for Milling operations for continuously for so many years from 1970 or 1974 or 1975 as the case may be with reference to these workers till now should be further continued as mere employees or casual labourers without any permanent status. Thus after decision of I.D. No. 13 of 1979 the workers filed more material and also adduced evidence the same workers were also examined in this Award and the Management also filed documents conceding the said overments of the workers. Exs. M4 and M5 show the attendance particulars of some of these workmen and Exs. M6 to M13 show consolidated statement of some of these workers on particular periods. These are maintained by the Department. Further Exs. M16 and M17 are the representations of the workers to the Management to show that they have direct access to the Management. Ex. M14 is an appointment order of one Ch. Vasant Kumar as an unskilled worker by the Management and Ex. M 15 showed how the vacancies of the unskilled worker and the Assistant Mechanic should be filled. Even with reference to the liability under Ex. M 18 the Contractor is directed to make contributions in accordance with the provisions of the Employees Provident Fund Act and the Con-

tractor is directed to reimburse the Corporation in case they make such contributions on his behalf. Ex. M19 and Ex. M20 would show that the Contractors paid the money for operations carried out by them through the F.C.I. Intact some of these workers were shown the applicants under Ex. M21 before the Labour Court, Guntur stating that they are entitled to receive certain amounts as unskilled labour for the service rendered by them in the Mill. Exs. M29 and M32 are true copies of the various Contractors appointments. The dismissal of the Writ petition filed by the workers against the award in I.D. No. 13 of 1979 which is marked as Ex. M34 as well as the judgement of Labour Court, Central Government, Industrial Tribunal-cum-Labour Court marked as Ex. M24 have no relevance. Ex. M24 mentioned that the simply because the workers completed 240 days attendance in a span of year from the date of absorption came into consideration with reference to casual workmen employed by Food Corporation of India, Nagpur. The said Tribunal held that there are various stages to be considered before the casual labourer is absorbed as mentioned in para 9 of the said Award and thus those workers could not be granted as it is beyond the scope. Moreover there was no evidence that any of the regular sanctioned posts are lying vacant to be utilised by the casual labourers. First of all the order of Tribunal of Nagpur under Ex. M24 is not a binding one on this Tribunal. Thus when the F.C.I. has got the right and obligation to pay the workers for the contributions in case H & Tcontractor failed to do so and when these casual labourers have all the benefits of a permanent worker, it is incorrect to say that the said judgement in I.D. No. 13 of 1979 operates as resjudicata on the available material at present. On a careful consideration of the entire material I hold that the workers adduced and placed before the Tribunal ample evidence and M.W.1 conceded in his evidence that these casual labourers were there from 1970, 1974 or 1975 as the case may be doing the same odd jobs to the Management or through the Contractors doing the work in three shifts during the same timings on all days continuously and the mill working 300 days in a year and these services of the casual workers essential for the Mill to be continued and for the simple reason that there are no permanent posts sanctioned, these workers cannot be kept as casual unskilled labourers under the Industrial Law when a worker is working for more than 240 days continuously in a year is entitled for permanent status. There is ample evidence to show that these workers mentioned in the reference were working continuously in Modern Rice Mill, Nellore for more than eight to nine years as the case may be even from 1976 onwards as on today. Hence I hold that these 30 workers are entitled for a declaration that they are workmen of permanent status by virtue of their employment in Modern Rice Mill and they are entitled for all the benefits including salaries as a permanent worker of M.R.M. with attendant benefits.

18. The argument of the Counsel for the Management that the reference is barred in the light of the Contract Labour and Abolition Act 1970 is also not tanable. The record show that one M. Sheshaih is tried to be impleaded by the Management as party to the dispute and my predecessor in office while disposing the application for adding the said Sheshaih i.e. proposed party as the second Respondent in M.P. No. 199|82 held that the dealing between the petitioner (F.C.I.) and its Contractor are exclusive affairs in between them. He also observed that the Contractor has no existence to meddle in between the Petitioner and the workmen. He rightly held that section 21 of Contract Labour and Abolition Act 1970 has absolutely no application regarding the point is dispute in the reference. Section 21(1) only says that the Contractor shall be responsible for payment of wages for each worker emnloyed by him failing which Section 21(4) says that the prinicipal employer shall be liable to make payment of wages. It is nobody's case here that the Contractor failed to pay or refused to pay to the workmen. Even otherwise under Law, if a Contractor failed to make payment of wages, the principal employer namely F.C.I. is certainly liable to pay the wages to the workmen. So the said Act did not bar these proceedings. I do not find any substance and the contention of the Management counsel that this references is invalid within the meaning of Section 2(1) of the I.D. Act. The argument of the Management is that Section 2(1) of the I.D. Act that the reference is invalid and no roots to stand and it is not also shown to me how the same is invalid.

19. Further against the said Order, the Management went to the High Court and filed writ Petition No. 136|83 to set aside the order of this Tribunal M.P. No. 119|84 and that the Writ Petition was dismissed at the stage of admission and thus the order passed by this Tribunal was confirmed.

20. At any rate it is not in dispute that the Management of Food Corporation of India, Nellore which had direct control and supervision taking the services of these 30 workers as on 1975-76 tried to introduce the new Contract system by appointing H & T Contractors. All the workers raised a dispute under I.D. No. 13 of 1979 before this Tribunal. When the said matter was pending before the system of contract was introduced and tried to be enfroced to defunct the permanent status of the employees which is likely to arise. In I.D. No. 13 of 1979 the Tribunal held from 27-2-1977 onwards the workmen were employees of the Management as observed in I.D. No. 36 of 1982. The Management initially employed workmen from June 1970 to November 1973 and upto February 1977. The F.C.I. appointed Contractor for supply of labour but never any workmen was appointed by the Contractor. The Management again introduced the system of engaging workers through Contractors from 25-8-1980. So it is clear that from 27-2-1977 to 25-8-1980 there was no contractor and the workmen were very much under the control of the Management alone. During the pendency of I.D. No. 13 of 1979 the Management resorted to engage labourers through the new contractor from 25-8-1980. The Award in I.D. No. 13 of 1979 was notified on 9-12-1980. The main dispute in I.D. No. 13 of 1979 regarding the status of the workmen i.e. permanency under the Management on the ground that they were not the employees of the Contractor. When the said basis question was under adjudication in I.D. No. 13 of 1979 the Management resorted to introduce the new system by engaging workmen through the Contractor for entering into contract by one Remanaiah and subsequently with other. Therefore, it is clear that the service conditions from February 1977 onwards were the subject matter of the dispute and the same service conditions which existed till I.D. No. 13 of 1979 was decided should not have been entered. It is pertinent to note by introducing the new system by engaging some workmen through the Contractor, the Management tried to defeat the very purpose of I.D. No. 13 of 1979 in which permanency is sought for. So it must be held that the Management of Food Corporation of India had changed the conditions of service of these workmen who were employed in the Modern Rice Mill at Nellore by introducing the new contract system while industrial dispute concerning the said workmen were pending and it amounted to unfair labour practice. Thus the award is passed holding that these workmen whose 30 names are listed in the annexure are entitled permanent stauts and all the attendant benefits with reference to pay and other allowances from 27-2-1977.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this 15th day of June, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence.

Witnesses Examined For the Workmen:

W. W1 M. Kolhapuri
W. W2 J. Francis
W. W3 G. David

Witnesses Examined For the Management:

M. W1 A. Padmanabha Rao

Documents marked for the Workmen:

Ex. W1—True copy of the Office Order dt. 2-12-82 issued by the District Manager, Food Corporation of India, District Office Nellore to Kolhapuri and 3 others.

Ex. W2—Appointment order dt. 18-1-73 issued by the District Manager F.C.I. Nellore to Kolhapuri and J. Francis as Watchman.

Ex. W3—Service Certificate dt. 1-8-73 issued by Engineer in charge the Food Corporation of India, Modern Rice Mill, Nellore to Smt. Chandramma.

Ex. W4—Counter filed on behalf of the 2nd Respondent in M.P. No. 133/76 before the Labour Court, Guntur.

Ex. W5—True copy of the Memo dt. 3-6-1978 issued by Unit Manager, the Food Corporation of India, Modern Rice Mill, Nellore to Anumanna and 3 others.

Documents marked for the Management :

Ex. M1—True copy of the Office Order dt. 23-5-1979 issued by the Unit Manager I/C the Food Corporation of India, Modern Rice Mill, Nellore to G. David and 18 others.

Ex. M2—True copy of the representation dt. 20-4-77 made by P. Ramakotiah, President the District Factory Workers Union, Nellore to the District Manager, Food Corporation of India Nellore with regard to claims of the workmen.

Ex. M3—True copy of the Minutes of Conciliation Proceedings held on 29-6-77 in the Dispute between the District Factory worker's Union, Nellore and the Management of MRM of FCI,P. Veeraswamy F.C.I. Contractor in the Nellore Modern Rice Mill.

Ex. M4—True copy of the Statement showing the attendance particulars and wages paid to Casual Labour for the years 1970-71 and 1971-72.

Ex. M5—True copy of the Statement showing the casual labour and Sweepers were engaged in Modern Rice Mill, Nellore.

Ex. M6—Consolidated Statement of absence of J. Francis, M. Kolhapuri and S. K. Masthan.

Ex. M7—Consolidated Statement of absence of Sk. Mastan Saheb and J. Venkamma.

Ex. M8—Consolidated absence statement of Pedda Mastan.

Ex. M9—Consolidated statement of absence of Sk Chinna Moula, A. Vijaya Rao, Mc. Panchalaiah, K. Chandrasekharam and Sk. Chinna Mastan.

Ex. M10—Consolidated Statement of absence of M. Srinivasulu, P. Ramanaiah, L. Bujjaiah and Ch. Venkata Ratnam.

Ex. M11—Consolidated Statement of absence of Dastagir Basha, V. Venkaiah, N. Kotaiah and S. Ramaran.

Ex. M12—Consolidated Statement of absence of Sk. Nanchaheb, Sk. Kalesha, Smt. M. Chandramma, and Smt. G. Ramanamma.

Ex. M13—Consolidated statement of absence of Pattan Mastan, Sk. Basha Sk. Moula Saheb, E. Venku Reddy, L. Venkaiah, M.A.N. Raju, and G. David.

Ex. M14—True copy of the letter dt. 23-8-74 addressed by District Manager, F.C.I. Nellore to Ch. Vasantha Kumar with regard to offer of appointment for the post of unskilled worker in F.C.I.

Ex. M15—Tru copy of the letter No. 1(1)/72-Estt. dt. 23-2-1972 addressed by Senior Regional Manager, F.C.I. Regional Office Hyderabad to the District Manager, Food Corporation of India, Nizamabad/Nellore/Hyderabad with regard to filling up of vacancies of unskilled workers/Asstt. Mechanics.

Ex. M16—True copy of the Representation dt. 1-11-73 made by M. Ihimati unskilled worker, Modern Rice Mill, Food Corporation of India, Nellore to the Zonal Manager Food Corporation of India Zonal Office Madras-6 with regard to promotion for the post of Asstt. Mechanic-cum-operator and Welder cum-Fitter.

Ex. M17—True copy of the Representation dt. 15-11-75 made by Md. Nazir Ahmed, Unskilled Worker, Modern Rice Mill, Nellore to the Zonal Manager Food Corporation of India, Zonal Office, Madras-6 with regard to promotion for the post of Asstt. Mechanic-cum-operator.

Ex. M18—True copy of the Extract of the Tender Form No. E. 25(51)/73, dt. 6-8-75 allotted to P. Veera Swamy H&T Contract of MRM Nellore.

Ex. M19—True copy of the Bill No. 16 dt. 19-10-74 for the period from 1-10-74 to 15-10-74.

Ex. M20—True copy of the Bill No. 16 Showing the particulars of operations carried out at F.C.I. Nellore during the period from 1-10-74 to 15-10-74.

Ex. M21—True copy of the application under Sub-section (2) of Section 33-C of the I.D. Act, 1947 filed by the workmen before the Labour Court, Guntur (Reference No. M.P. 314/75).

Ex. M22—True copy of the notification No. L-42011(22)/78-D.II(B) with regard to publication of the Award in the Gazette of India and copy of the Award in I.D. No. 13/79 on the file of the Industrial Tribunal (C) at Hyderabad (A.P.).

Ex. M23—True copy of the M.P. No. 133/76 filed before the Labour Court, Guntur by J. Francis and others Under Section (2) of the I.D. Act, 1947.

Ex. M24—True copy of the Award passed by the Central Industrial Tribunal-cum-Labour Court Nagpur in case No. II/LC(R)(15) of 1977 dt. 18-4-1978.

Ex. M25—True copy of the Representation dt. 26-3-80 made by K.P. Venkateswarlu, H&T Contractor to the District Manager, F.C.I. Nellore regarding refund of earnest money deposit.

Ex. M26—True copy of the appointment Order dt. 25-8-80 issued to T. Ramanaiah H&T Contractor by the District Manager, Nellore.

Ex. M27—True copy of the appointment order dt. 26-5-81 issued to M. Seshaiah H&T Contractor by the District Manager F.C.I. Nellore.

Ex. M28—True copy of the Licence dt. 6-5-82 issued by the Government of Andhra Pradesh, Office of the Licensing Officer, Guntur to M. Seshaiah.

Ex. M29—True copy of the appointment order dt. 27-3-1984 issued to A. H. Manjunadh and M/s. A. N. Manikya Rao H&T contractors by the Regional Manager, Regional Office, Hyderabad.

Ex. M30—True copy of the appointment order dt. 10-1-82 issued to Gadesetty Satyanarayan, H. & T. Contractor by the Deputy Manager (Contracts) Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad.

Ex. M31—True copy of the appointment Order dt. 1-2-83 issued to A. N. Manikya Rao, Contractor by the Deputy Manager (Contracts) Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad-1.

Ex. M32—True copy of the appointment order dt. 24-5-83 issued to M. Raghavendra Sarma H & T Contractor by the District Manager, F.C.I. Nellore.

Ex. M33—Office Manual Volume I the Food Corporation of India at page 132.

Ex. M34—True copy of the W.P. No. 321/1981 filed by workmen in the High Court of Judicature, A.P.,

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-42011/7/81-FCI/D.IV(A)/DV]

R. K. GUPTA, Desk Officer

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, [illegible]10 जुलाई, 1985

का. आ. 3639.—[illegible]एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, [illegible]969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा [illegible] (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स सेस[illegible] गोआ लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय अलटीन्हो-पंज[illegible], गोआ-403001 के कथित अधि-[illegible] के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 2288/85) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है

[संख्या 16/32/85-एम-3]

वी. पी. गुप्ता, निदेशक

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 10th July, 1985

S.O.3639.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Sesa Goa Ltd., having their registered office at Altinho-Panjim, Goa-403001 under the said Act (Certificate of Registration No. 2288/85).

[No. 16/32/85-M.III]

V. P. GUPTA, Director

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110064, 1985